www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

SUNDAY

नई दिल्ली, रविवार, 13 जुलाई, 2025

वर्ष – 18 | अंक –98 | पृष्ठ – 10

मूल्य –3.00 रु.

www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

साहित्य
एस आर हरनोट : हिमाचली लोक जीवन के अनूठे गायक पृष्ठ 06
पार्किंसंस मरीजों को रोजाना दवा लेने का बोझ खत्म पृष्ठ 10
अब तकनीकी स्तर पर लड़ा जाएगा संप्रभुता की... पृष्ठ 02
■ मेडिकल डिवाइस पार्क की 15 जुलाई से 15 अगस्त तक...
■ बिल्डर द्वारा जबरन जमीन पर कब्जा करने का आरोप 05
■ अब चुनाव में देरी स्वीकार नहीं की जाएगी
■ अजित डोभाल के बयान से बौखलाया पाकिस्तान 07

सार संक्षेप

विमान हादसे की जांच में सहयोग जारी रहेगा : बोइंग

नई दिल्ली। अमेरिका की विमान विनिर्माता कंपनी बोइंग ने शनिवार को कहा कि वह अहमदाबाद विमान दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए चल रही जांच में मदद कर रही है और यह सहयोग जारी रहेगा। विमान विनिर्माता ने एक बयान में कहा कि वैश्विक विमानन उद्योग के स्थापित नियमों के अंतर्गत उसने फिलहाल जांच का काम भारत के विमान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) पर छोड़ रखा है जो इस समय मुख्य जांच एजेंसी है।

भारतीय न्याय व्यवस्था में सुधार की सख्त जरूरत : गवई

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने शनिवार को कहा कि भारतीय न्याय व्यवस्था अनोखी चुनौतियों का सामना कर रही है और इसमें सुधार की सख्त जरूरत है। न्यायमूर्ति गवई ने हैदराबाद की 'नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ' के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए छात्रों को सलाह दी कि वे छात्रवृत्ति पर विदेश जाकर पढ़ाई करें, न कि परिवार पर इसका बोझ डालें।

निमिषा मामले में हस्तक्षेप के लिए मोदी को लिखा पत्र

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने यमन में फांसी की सजा सुनायी गई केरल की नर्स निमिषा प्रिया के मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह किया है। केरल निवासी नर्स निमिषा प्रिया को यमन में एक व्यक्ति की हत्या के आरोप में 16 जुलाई को मौत की सजा दी जानी है।

साइबर फ्रॉड केस : कई शहरों में ईडी ने छापे मारे

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुंबई जोन ऑफिस ने शनिवार को अहमदाबाद, जयपुर, जबलपुर और पुणे स्थित कई कैंपसों में छापेमारी की। मेसर्स मैग्नेटेल बीपीएस कंसल्टेंट्स एंड एलएलपी द्वारा की गई साइबर फ्रॉड गतिविधियों की चल रही जांच के सिलसिले में यह तलाशी अभियान चला।

शुभांशु शुक्ला के 15 को पृथ्वी पर लौटने की संभावना

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से भारतीय समय के अनुसार 15 जुलाई को अपराह्न तीन बजे अमेरिका के कैलिफ़ोर्निया तट के पास उतर सकते हैं। पृथ्वी पर वापसी के लिए आईएसएस से सोमवार (14) जुलाई को उनकी टीम के उड़ान भरने की संभावना है।

विमान हादसे की प्रारंभिक रिपोर्ट में खुलासा

उड़ान के बाद दोनों इंजन बंद हो गए थे

■ एएआईबी की शुरुआती जांच रिपोर्ट आई सामने ■ ईंधन आपूर्ति करने वाले दोनों स्विच बंद हो गए थे

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। अहमदाबाद प्लेन हादसे के एक महीने बाद शुरुआती जांच रिपोर्ट आ गई है। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) ने 12 जुलाई को 15 पेज की रिपोर्ट सार्वजनिक की। प्रारंभिक जांच के मुताबिक यह हादसा विमान के दोनों इंजन बंद होने की वजह से हुआ था। टेकऑफ के तुरंत बाद एक-एक करके दोनों फ्यूल स्विच बंद हो गए थे, इस वजह से दोनों इंजन भी बंद हो गए। एयर इंडिया फ्लाइट 171 के इंजनों को ईंधन आपूर्ति करने वाले दोनों ईंधन नियंत्रण स्विच एक के बाद एक 'रन' से 'कटऑफ' पोजिशन में चले गए, जिससे दोनों इंजन बंद हो गए। जांच रिपोर्ट के अनुसार, कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर में एक पायलट को दूसरे से पूछते हुए सुना गया कि उसने ईंधन बंद क्यों किया, जिसके जवाब में दूसरा पायलट कहता है कि उसने ऐसा नहीं किया।

विमान उड़ान भरने के बाद ही हो गया था दुर्घटनाग्रस्त

AIRCRAFT ACCIDENT INVESTIGATION BUREAU INDIA

पायलटों में भ्रम की स्थिति का संकेत

रिपोर्ट के अनुसार, इंजन 1 और 2 के ईंधन स्विच कुछ ही सेकंड में 'रन' स्थिति में आ गए। दोनों इंजनों के ईजीटी बढ़ गए, जो बताता है कि पुन: रिलाइट प्रक्रिया शुरू हो गई। कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डिंग से पता चलता है कि पायलटों में भ्रम की स्थिति थी। एक पायलट ने पूछा, आपने कट क्यों किया? दूसरे ने जवाब दिया, मैंने ऐसा नहीं किया, जिससे संभवत: गलतफहमी का संकेत मिलता है। इस उड़ान में सह-पायलट क्लाइव कुंदर विमान उड़ा रहे थे, जबकि मुख्य पायलट सुमीत सभरवाल उड़ान की निगरानी कर रहे थे।

1,100 घंटे से अधिक का अनुभव

सभरवाल के पास बोइंग 787 पर करीब 8,600 घंटे का अनुभव था, जबकि कुंदर के पास 1,100 घंटे से अधिक का अनुभव था। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों पायलटों को उड़ान से पहले पर्याप्त आराम मिला था। 15 पेज की रिपोर्ट के अनुसार, उड़ान शुरू होने से लेकर दुर्घटना तक लगभग 30 सेकंड तक चली। रिपोर्ट में कहा गया है कि फिलहाल जांच में ऐसा कुछ नहीं मिला है जिसके आधार पर बोइंग 787-8 विमान और जीई जेनएक्स-1बी इंजन बनाने वाली कंपनी के लिए कोई चेतावनी जारी करनी पड़े।

270 लोगों की मौत हो गई थी

12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट एआई 171 टेकऑफ के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई थी। इसमें 270 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें 241 यात्री और क्रू मेंबर शामिल थे। सिर्फ एक यात्री इस हादसे में जिंदा बचा है।

पायलट्स एसोसिएशन का दावा

पायलट की गलती साबित करने की हड़बड़ी

12 जून को अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुए एअर इंडिया के एआई 171 पर विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो की प्रारंभिक रिपोर्ट पर एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएलपीए-आई) ने कई सवाल उठाते हुए गंभीर आरोप भी लगाए हैं। एसोसिएशन ने कहा, 'जांच का लहजा और जांच की दिशा पायलट की गलती की ओर झुकाव का संकेत दे रही है। हम इस धारणा को पूरी तरह से खारिज करते हैं। हम निष्पक्ष और तथ्य-आधारित जांच पर जोर देते हैं।'

जांच में पारदर्शिता के अभाव का आरोप

एसोसिएशन ने जांच में पारदर्शिता के अभाव का भी आरोप लगाया। कहा गया कि जांच पूरी तरह से गोपनीय रही। इससे विश्वसनीयता पर असर हुआ और जनता भी इससे पूरी तरह से आश्वस्त नहीं है। इसके अलावा योग्य, अनुभवी कर्मियों विशेष रूप से लाइन पायलटों को अभी भी जांच दल में शामिल नहीं किया जा रहा है।

कांवड़ मार्ग पर 'क्यूआर कोड' के निर्देश को चुनौती

प्रो. अपूर्वानंद झा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका की दायर

■ विक्रेताओं को कोड प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए
■ शीर्ष अदालत के 2024 के एक आदेश के खिलाफ बताया

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकार के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें कांवड़ यात्रा मार्ग पर दुकानदारों को मालिकों की जानकारी हासिल करने के लिए कथित तौर पर 'क्यूआर कोड' प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं। इस वर्ष 'कांवड़ यात्रा' 11 जुलाई से नौ अगस्त के बीच निर्धारित है।

प्रो. अपूर्वानंद झा की ओर से दायर इस रिट याचिका में दलील देते हुए कहा गया है कि निर्देश शीर्ष अदालत के 2024 के एक आदेश के खिलाफ है। अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर विक्रेताओं को अपनी पहचान उजागर करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। ऐसा निर्देश संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 17, 19 और 21 का उल्लंघन है।

कुछ मीडिया रिपोर्टों का हवाला दिया

उन्होंने अपनी याचिका में कुछ मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए दावा किया कि कांवड़ मार्ग पर सभी भोजनालयों को क्यूआर कोड प्रदर्शित करना अनिवार्य है जो ग्राहकों को स्वामित्व संबंधी जानकारी हासिल करने की अनुमति देते हैं। प्रो. झा की याचिका में तर्क दिया गया है कि क्यूआर कोड संबंधी निर्देश डिजिटल माध्यमों से असंवैधानिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए जानबूझकर शीर्ष अदालत के निर्देशों का उल्लंघन करते हैं।

कांग्रेस ने एसआईआर पर फिर उठाए सवाल

वोट कटने से चुनाव की निष्पक्षता होगी प्रभावित

कांग्रेस नेता ने सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई पर जताया संतोष

■ न्यायालय के रुख से इंडिया गठबंधन की जीत हुई
■ सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई 28 को होगी

नई दिल्ली, 12 जुलाई (देशबन्धु)। कांग्रेस ने चुनाव आयोग की मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुये फिर कहा है कि मांगे गए दस्तावेजों के अभाव में यदि बड़ी संख्या में मतदाताओं को मताधिकार से वंचित कर दिया गया तो निष्पक्ष चुनाव कैसे हो पाएंगे।

कांग्रेस नेता एवं सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने शनिवार को यहां संवादाताओं से कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मतदाताओं से मांगे गए दस्तावेजों के अभाव में यदि बड़ी संख्या में मतदाता वोट डालने से वंचित कर दिए गए तो चुनाव की निष्पक्षता कैसे रह पाएगी? उन्होंने कहा कि दस्तावेजों के अभाव में मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम कटने से चुनाव में अपने प्रतिनिधि चुनने का समान अवसर सबको कैसे दिया जा सकेगा? उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया पर सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि न्यायालय के रुख से स्पष्ट है कि इस मामले में इंडिया गठबंधन जीत हुई है।

मतदाताओं को 'संदिग्ध श्रेणी' में डाला

आयोग ने कहा, साल 2003 से पहले जिन लोगों के नाम मतदाता सूची में हैं, हम उनके नाम सूची से नहीं हटाएंगे लेकिन 2003 के बाद मतदाता सूची में जिनके नाम जुड़े हैं, हर उस मतदाता को 'संदिग्ध श्रेणी' में डाल दिया जाएगा। श्री सिंघवी ने कहा कि 2003 की मतदाता सूची के बाद इससे जुड़े लोगों को तीन श्रेणी में बांटा गया है। इन लोगों को कुछ दस्तावेज देने होंगे, तभी वे मतदाता रह पाएंगे। पहली श्रेणी: व्यक्ति को खुद का जन्म प्रमाणपत्र देना होगा। दूसरी श्रेणी व्यक्ति को अपना या माता-पिता में किसी एक का जन्म प्रमाणपत्र देना होगा और तीसरी श्रेणी- व्यक्ति को अपना और अपने माता-पिता दोनों का जन्म प्रमाणपत्र देना होगा।

दिल्ली में चार मंजिला इमारत गिरी, 6 की मौत

■ इमारत में 10 लोगों का परिवार रहता था
■ वेलकम इलाके में ईदगाह रोड की घटना

नई दिल्ली, 12 जुलाई (देशबन्धु)। दिल्ली के वेलकम इलाके में शनिवार सुबह चार मंजिला इमारत ढह गई। हादसे के बाद शनिवार शाम तक मलबे से 4 और लाशें मिली हैं। इसके बाद मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 6 हो गया है। वहीं एक साल के बच्चे समेत आठ लोग घायल हो गए। बिल्डिंग में 10 लोगों का एक परिवार रहता था। एक अधिकारी ने बताया कि सुबह 7 बजे सीलमपुर में ईदगाह रोड के पास जनता कॉलोनी की गली नंबर 5 में इमारत गिरने की सूचना मिली थी।

जब बिल्डिंग गिरी उस समय स्थानीय लोग सुबह की सैर पर निकले थे। इन्हीं लोगों ने सबसे पहले बचाव कार्य शुरू किया। फायर ब्रिगेड के मौके पर पहुँचने से पहले ही मलबे में फंसे लोगों को बचाने की कोशिश शुरू कर दी गई। बाद में फायर ब्रिगेड की मदद से तीन लोगों को निकाला गया।

नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली के एडिशनल डीसीपी संदीप लांबा ने बताया कि बचाव कार्य जारी है। पुलिस, एनडीआरएफ, सिविल डिफेंस और स्थानीय लोग मौके पर काम कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बचाव अभियान में बहुत मदद की है।

जर्जर हो चुकी थी इमारत

अब तक यह पता नहीं चल सका है कि इमारत गिरने की वजह क्या है? हालांकि, माना जा रहा है कि यह बिल्डिंग काफी पुरानी थी और जर्जर हो चुकी थी।

पतली गलियों वाला है इलाका

फायर डिपार्टमेंट का कहना है कि जहां इमारत गिरी है, वो इलाका बेहद संकरी गलियों वाला है। यहां आबादी भी घनी है। ऐसे में रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

इस बार भी श्राइन बोर्ड को नहीं मिली कामयाबी

हिमलिंग को पिघलने से बचाने की उपाय धरे रह गए

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 12 जुलाई (देशबन्धु)। इस बार भी अमरनाथ यात्रा श्राइन बोर्ड के सारे अनुमान धरे रह गए हैं। जिस लोहे व शीशे की ग्रिल का सहारा हिमलिंग को बचाने के लिए लिया गया था वह भी उसे पिघलने से इसलिए नहीं बचा पाई क्योंकि इस बार 22 फुट का हिमलिंग पिघल कर अब अंतर्ध्यान हो चुका है। ऐसा भक्तों की सांसों की गर्मी के साथ साथ ग्लोबल वार्मिंग के कारण भी हुआ है। अब इससे निपटने का तरीका अत्याधुनिक तकनीक का ही सहारा है। पर श्राइन बोर्ड फिलहाल तकनीक का सहारा क्यों नहीं ले पा रहा है इसके पीछे के कारण स्पष्ट नहीं हैं। श्राइन बोर्ड के अधिकारियों के बकौल, अमरनाथ की गुफा को तकनीक के सहारे ठंडा और वातानुकूलित बनाने की योजना श्राइन बोर्ड ने उसी समय तैयार की थी जब वह अस्तित्व में आया था। लेकिन यह मामला कई साल तक कोर्ट में रहा जिस कारण श्राइन बोर्ड इस संबंध में कोई कदम उठाने से परहेज कर रहा है। वे कहते हैं कि गुफा को पूरी तरह से वातानुकूलित करने, आइस स्केटिंग रिंक तकनीक का इस्तेमाल करने की योजना है। इसी के तहत कई अन्य प्रस्तावों पर भी विचार किया गया था जिनमें एयर कर्टन, रेडियंटस कूलिंग पैनलस और फ्रोजन ब्राइन टेऊ का इस्तेमाल भी था। उनका कहना था कि इनमें से कई तकनीकों का सफल प्रयोग मुंबई, श्रीनगर तथा गुलमर्ग में कर लिया गया था लेकिन अमरनाथ गुफा में इनका प्रयोग करने से पूर्व ही माननीय कोर्ट ने इन सब पर रोक उस समय कुछ साल पहले लगा दी थी जब गुफा में कथित तौर पर कृत्रिम हिमलिंग बनाने का मामला उठा था। हालांकि वे कहते थे कि श्राइन बोर्ड के अधिकारियों को रेडियंट कूलिंग पेनलस का विकल्प बहुत ही जायज लगा था, लेकिन हाईकोर्ट द्वारा इस पर रोक लगा दिए जाने के कारण मामला अंतिम चरण में जाकर रूक गया था।

Shri Amarnathji Shrine Board Jammu and Kashmir

लोहे व शीशे की ग्रिल का सहारा लिया गया था

पीएम मोदी ने 51,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे

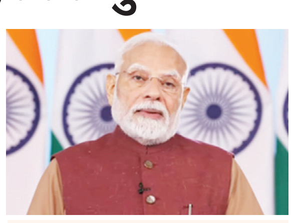

■ 47 स्थानों पर आयोजित समारोह किए गए समारोह
■ मोदी ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण का सिपाही बताया

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 16वें रोजगार मेले के

16वां रोजगार मेला

तहत देशभर के 47 स्थानों पर आयोजित समारोह में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 51,000 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियों के लिए नियुक्ति पत्र वितरित किए।

इस अवसर पर अपने संबोधन में पीएम मोदी ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण का सिपाही बताते हुए कहा कि उनकी नियुक्ति 'बिना पर्ची, बिना खर्चे' की पारदर्शी प्रक्रिया का हिस्सा है। उन्होंने जोर दिया कि ये युवा 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करेंगे। रोजगार मेला केंद्र सरकार की उस प्रतिबद्धता का हिस्सा है, जो युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने और भर्ती प्रक्रिया को तेज करने पर केंद्रित है। इस पहल की शुरुआत 22 अक्टूबर 2022 से हुई थी, और अब तक 10 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं। ये युवा रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, डाक विभाग आदि में अपनी सेवाएं देंगे।

राधिका यादव हत्याकांड

आरोपी पिता को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

गुरुग्राम, 12 जुलाई (एजेंसियां)। नेशनल टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार आरोपी पिता दीपक यादव को शनिवार को गुरुग्राम कोर्ट में पेश किया गया, जहां उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। आरोपी पिता दीपक को भोंडसी जेल में रखा जाएगा।

टेनिस एकेडमी चलाने से पिता दीपक यादव नाराज थे

इससे पहले दीपक यादव ने अपनी बेटी राधिका की हत्या करने का जुर्म कबूल किया था, जिसके बाद गुरुग्राम पुलिस ने कोर्ट से एक दिन की रिमांड की अनुमति ली। घटनास्थल से गुरुवार को पुलिस ने राधिका के पिता को पकड़ा था। रिमांड अवधि पूरी होने के बाद शनिवार को आरोपी दीपक को दोबारा कोर्ट में पेश किया गया।

मौसम | *जलभराव से जनजीवन हो रहा प्रभावित*

दिल्ली-एनसीआर में पूरे हफ्ते बारिश के आसार

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में इस पूरे हफ्ते भी लगातार रुक-रुक कर होने वाली बारिश से लोगों का सामना होगा। इसके साथ-साथ कड़ी धूप भी निकलेगी, जिसके बाद उमस से लोगों को ज्यादा परेशानी होगी। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक मौसम विभाग ने फिलहाल किसी भी प्रकार की चेतावनी या अलर्ट जारी नहीं किया है, लेकिन लगातार हो रही बारिश ने आम लोगों की परेशानी बढ़ा दी है।

17 जुलाई तक के मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक, हर दिन गरज-चमक के साथ बारिश या तेज बौछारों की संभावना जताई गई है। अगले दो दिनों में अधिकतम तापमान में हल्की बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे गर्मी और उमस काफी परेशान कर सकती है।

बारिश की वजह से दिल्ली और एनसीआर के कई इलाकों में जलभराव की गंभीर समस्या सामने आ रही है। प्रमुख सड़कों, अंडरपास और कॉलोनियों में पानी भर गया है, जिससे यातायात व्यवस्था चरमरा गई है। वाहन चालकों को लंबा समय ट्रैफिक में बिताना पड़ रहा है, और कई जगहों पर वाहन बंद भी हो गए। दिल्ली एनसीआर में नोएडा-गाजियाबाद के साथ-साथ गुरुग्राम में भी स्थिति बेहद चिंतनीय बनी हुई है। लंबे-लंबे ट्रैफिक जाम और अंडरपास और सड़कों पर भर पानी के चलते वाहन चालक काफी ज्यादा परेशान और समस्या से जूझते दिखाई दे रहे हैं। मौसम विभाग द्वारा कोई चेतावनी न होने के बावजूद, लोगों को सलाह दी जाती है कि वे बारिश के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहें।

■ बारिश के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में ऑरेंज अलर्ट

मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में आगामी पांच दिन के दौरान भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। पश्चिमी हिमालय क्षेत्र और कुछ मैदानी इलाकों में आने वाले सात दिनों में जारी रहेगी।

देश

उवाच

हिंदी या हिंदी भाषियों को लेकर कोई विवाद नहीं है। मुंबई और महाराष्ट्र में हिंदी फिल्म और टेलीविजन उद्योग फल-फूल रहा है, जहां दूसरे राज्यों से आए लोग अवसरों का लाभ उठाते हैं। कुछ लोग मराठी भाषा का अपमान कर रहे हैं, जो गलत है।

-प्रियंका चतुर्वेदी,शिवसेना (यूबीटी) नेता

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	33.0	28.0
मुंबई	30.0	26.0
कोलकाता	32.0	27.0
चेन्नई	33.0	29.0

अब तकनीकी स्तर पर लड़ा जाएगा संप्रभुता की रक्षा का संघर्ष : धनखड़

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान कोटा के दीक्षांत समारोह को किया संबोधित

कोटा, 12 जुलाई (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देश के लिए भारतीय सिस्टम बनाकर उन्हें वैश्विक स्तर पर ले जाने की जरूरत बताते हुए कहा है कि अब देश किसी सैन्य आक्रमण से नहीं बल्कि विदेशी डिजिटल बुनियादी ढांचे पर निर्भरता से कमजोर और पराधीन होंगे और संप्रभुता की रक्षा का संघर्ष अब तकनीकी स्तर पर लड़ा जाएगा। धनखड़ शनिवार को यहां भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान कोटा के चौथे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

युवाओं से स्थानीय समाधान को वैश्विक स्तर तक ले जाने का किया आह्वान

उन्होंने युवाओं से स्थानीय समाधान को वैश्विक स्तर तक ले जाने का आह्वान करते हुए कहा भारत के युवाओं को टेक्नोलॉजी की दुनिया के सजग संरक्षक बनना चाहिए। हमें भारत के लिए भारतीय प्रणालियां बनानी होंगी और उन्हें वैश्विक बनाना होगा।

तकनीकी नेतृत्व नई राष्ट्रभक्ति का आधार

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने तकनीकी नेतृत्व को नई राष्ट्रभक्ति का आधार बताते हुए कहा कि हम एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं, एक नए राष्ट्रवाद के युग में। तकनीकी नेतृत्व अब देशभक्ति की नई सीमा रेखा है। हमें तकनीकी नेतृत्व में वैश्विक अगुवा बनना होगा। उन्होंने रक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आयात-निर्भरता पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि हम रक्षा के क्षेत्र

भारत के युवाओं को टेक्नोलॉजी की दुनिया के सजग संरक्षक बनना चाहिए : जगदीप धनखड़

में बाहर से तकनीकी उपकरण प्राप्त करते हैं, तो वह देश हमें ठहराव की स्थिति में ला सकता है। डिजिटल युग में बदलती वैश्विक शक्ति संरचनाओं की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि 21वीं सदी का युद्धक्षेत्र अब भूमि या समुद्र नहीं है। पारंपरिक युद्ध अब अतीत की बात हो गई है। आज हमारी शक्ति और प्रभाव 'कोड, क्लाउड और साइबर' से तय होते हैं। डिजिटल क्षेत्र की चर्चा करते हुए धनखड़ ने कहा कि एक स्मार्ट ऐप जो ग्रामीण भारत में काम नहीं करता, वह पर्याप्त स्मार्ट नहीं है।

एक एआई मॉडल जो क्षेत्रीय भाषाओं को नहीं समझता, वह अधूरा है। एक डिजिटल उपकरण जो दिव्यांगों को शामिल नहीं करता, वह अन्यायपूर्ण है। धनखड़ ने डिजिटल आत्मनिर्भरता में भारत को अग्रणी बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि हमें अपनी डिजिटल नियति के निर्माता बनना होगा और अन्य देशों की नियति को भी प्रभावित करना होगा। हमारे कोडर, डेटा वैज्ञानिक, ब्लॉकचेन इनोवेटर और एआई इंजीनियर आज के राष्ट्र निर्माता हैं। भारत जो कभी वैश्विक अग्रणी था, अब केवल उधार की तकनीक का उपयोगकर्ता बनकर नहीं रह सकता। पहले हमें तकनीक के लिए वर्षों प्रतीक्षा करनी पड़ती थी। अब यह समय सप्ताहों में सिमट गया है। हमें तकनीक का निर्यातक बनना चाहिए।

कोचिंग सेंटर अब बन गए हैं पोचिंग सेंटर : उपराष्ट्रपति

कोटा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कोचिंग सेंटरों को पोचिंग सेंटर एवं सुदृढ़ सांचों में प्रतिभा को जकड़ने वाले काले छिद्र बताते हुए कहा है कि अनियंत्रित रूप से फैल रहे ये कोचिंग सेन्टर युवाओं के लिए एक गंभीर संकट बनते जा रहे है और इस चिंताजनक बुराई से निपटना ही होगा और हम अपनी शिक्षा को इस तरह कलंकित और दूषित नहीं होने दे सकते। धनखड़ ने कहा कि हम गुरुकुल की बात कैसे न करें, हमारे संविधान की 22 दृश्य-प्रतिमाओं में एक गुरुकुल की छवि भी है। हम सदैव ज्ञानदान में विश्वास रखते आए हैं। कोचिंग सेंटर को अपने ढांचे का उपयोग कौशल केंद्रों में परिवर्तित करने के लिए करना चाहिए।

मोहन चरण माझी ने मोदी से की मुलाकात

■ विकास कार्यों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शनिवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राज्य के विकास से जुड़े कई अहम मुद्दों पर बातचीत की। मोदी से मुख्यमंत्री माझी की यह मुलाकात ओडिशा में

विकास कार्यों को गति देने और केंद्र-राज्य सहयोग को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। मुख्यमंत्री माझी ने मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री का आभार जताया। उन्होंने लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं ओडिशा के विकास के लिए उनके निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन के लिए आभारी हूं। बैठक में ओडिशा के विकास के रोडमैप, भविष्य की योजनाओं और केंद्र-राज्य के बीच बेहतर तालमेल पर चर्चा हुई। केंद्र और राज्य सरकार मिलकर एक समृद्ध ओडिशा और विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बैठक में ओडिशा में चल रही और प्रस्तावित परियोजनाओं पर जोर दिया गया।

एमआरपीएल में जहरीली गैस रिसाव से दो कर्मचारियों की मौत

मंगलुरु, 12 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के मंगलुरु जिले के सूरतकल में स्थित मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) में शनिवार को जहरीली गैस के रिसाव से दो कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य कर्मचारी की हालत गंभीर बनी हुई है। यह हादसा एमआरपीएल के ऑयल मूवमेंट सेक्शन (ओएमएस) में हुआ। मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश के दीप चंद्र भारती और केरल के बिजली प्रसाद के रूप में हुई है। उनके सहयोगी, गदग के विनायक मायागेरी, जो गैस की चपेट में आने के बाद बेहोश हो गए थे, को मंगलुरु के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच के अनुसार, यह घटना ओएमएस डिवीजन के टैंक (एफआईबीआई7029) में खराबी की जांच के दौरान हुई। दीप चंद्र और बिजली प्रसाद टैंक के ऊपरी हिस्से पर निरीक्षण के लिए गए थे। इसी दौरान हादसा हुआ। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन दोनों को बचाया नहीं जा सका। दोनों को बचाने की कोशिश कर रहे एक अन्य कर्मचारी विनायक मायागेरी भी जहरीली गैस की चपेट में आकर बेहोश हो गए।

हादसे की जांच को समूह महाप्रबंधकों की उच्च-स्तरीय समिति गठित

कर्नाटक में हाल के महीनों में यह तीसरी बड़ी दुर्घटना

यह कर्नाटक में हाल के महीनों में जहरीली गैस रिसाव से जुड़ी तीसरी बड़ी दुर्घटना है। जनवरी 2025 में, कोप्पल जिले में एक औद्योगिक इकाई में जहरीली गैस के रिसाव से मजदूर मारुति कोरागल की मौत हो गई थी और दस अन्य कर्मचारी बीमार पड़ गए थे। मई 2024 में, मैसूर के यारागनहल्ली में एक परिवार के चार सदस्य (कुमारस्वामी, उनकी पत्नी मंजुला और बेटियां अर्चना व स्वाति) घर में जहरीली गैस की चपेट में आने से मृत पाए गए थे।

सार संक्षेप

एस महेंद्र देव ने की रेवंत रेड्डी से मुलाकात

हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर एस महेंद्र देव ने शनिवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत. रेड्डी से मुलाकात की। यहां जुबली हिल्स स्थित मुख्यमंत्री के आवास पर हुई यह मुलाकात सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई जिसमें तेलंगाना के विकास को गति देने और सहकारी संघवाद को मज़बूत करने की रणनीतियों पर चर्चा हुई। बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने संघीय ढांचे में केंद्र और राज्यों के बीच परस्पर सम्मान और सहयोग के महत्व पर जोर दिया।

पटना में सड़क हादसे में परिवार के तीन लोगों की मौत

पटना। बिहार में पटना जिले के रानीतालाब थाना क्षेत्र में शनिवार की सुबह सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के तीन लोगें की मौत तथा दो अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कार पर सवार लोग पांच लोग जा रहे थे। इस दौरान सरैया गांव के समीप नहर रोड पर कार अनियंत्रित होकर नहर में गिर गया। इस घटना में कार पर सवार सभी पांच लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को विक्रम प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया।

वरिष्ठ भाकपा नेता डोड्डा नारायण राव का निधन

हैदराबाद। वयोवृद्ध स्वतंत्रता सेनानी और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता डोड्डा नारायण राव का शुक्रवार रात हैदराबाद स्थित उनके आवास पर निधन हो गया है। वह 96 वर्ष थे। वरिष्ठ भाकपा नेता डॉ. के. नारायण ने अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए राव को एक सिद्धांतवादी नेता बताया जो जीवन भर अपनी विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध रहे। उन्होंने याद किया कि वयोवृद्ध राव ने 1940 के दशक में निज़ाम शासन के विरुद्ध लड़ते हुए स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभायी थी।

श्रीलंकाई पुलिस अधिकारियों का अध्ययन दौरा संपन्न

गांधीनगर। श्रीलंकाई पुलिस अधिकारियों ने राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) की पहल पर भारत का अध्ययन दौरा संपन्न किया। आरआरयू की ओर से बताया गया कि उप महानिरीक्षक और उससे ऊपर के पदों वाले 20 उच्च पदस्थ श्रीलंकाई पुलिस अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने 11 जुलाई को भारत में पांच दिवसीय अध्ययन दौरा संपन्न किया। सात जुलाई से 11 जुलाई तक आयोजित यह दौरा, गुजरात के गांधीनगर स्थित राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय द्वारा संचालित एक कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया था।

झारखंड के चयनित 172 में से 25 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित

रांची, 12 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने रोजगार मेला के माध्यम से देश के 51 हजार नवचयनित केंद्रीय कर्मचारियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑडियो विजुअल माध्यम से नियुक्ति पत्र जारी किया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर नौकरी पाने वाले युवाओं को सम्बोधित किया और उन्हें बधाई दी। केंद्र सरकार की ओर से रांची समेत देश के 47 स्थानों पर आज रोजगार मेला आयोजित हुआ। इस अवसर पर रांची सीसीएल सभागार, दरभंगा हाउस मे भी एक कार्यक्रम आयोजित हुआ, जहां केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने झारखंड के चयनित 172 में से 25 युवाओं को मौके पर नियुक्ति पत्र दिया। इनका चयन रेलवे, गृह मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय और भारतीय डाक सेवा के लिए हुआ है। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा देश के युवाओं को आगे रखना चाहते हैं। इस मौके पर दक्षिण पूर्व रेल मण्डल के मण्डल रेल प्रबंधक जसमित सिंह बिंद्रा ने चयनित युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि यह केंद्र सरकार की उस नीति का प्रमाण है जिसमें मिशन विकसित भारत के लिए युवाओं को बेहतर मंच देने की प्रतिबद्धता है। वहीं अपने ऑनलाइन संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस तरह के अभियान से राष्ट्र निर्माण में युवाओं की बड़ी भूमिका होती जा रही है। उन्होंने नौकरी पाने वाले युवाओं से कहा कि इसको राष्ट्र सेवा के बड़े मंच के रूप में देखें। उन्होंने अपने हाल ही में समाप्त हुए पांच देशों की यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि इसके तहत जितने भी द्विपक्षीय समझौते हुए हैं उससे भारत के नौजवानों को फायदा होगा ,खासकर सेवा और उत्पादन क्षेत्र में।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने दी बधाई

बिहार में कानून व्यवस्था परी तरह चरमराई : कांग्रेस

पटना में एक और व्यापारी की हत्या पर नीतीश सरकार को घेरा

पटना, 12 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता अलका लांबा ने बिहार में कानून-व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार की कड़ी आलोचना की। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि बिहार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। आम जनता का जीना दूभर हो चुका है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के स्वास्थ्य पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि जैसे सीएम का स्वास्थ्य खराब चल रहा है, वैसे ही राज्य की कानून-व्यवस्था भी बिगड़ रही है। उन्होंने पटना में एक और व्यापारी की हत्या का जिक्र करते हुए सरकार से जवाब मांगा और कहा कि प्रदेश में अपराधियों के बीच कानून व्यवस्था को लेकर बिल्कुल भी डर नहीं है। उन्होंने केंद्र और राज्य की भाजपा-जेडीयू की 'डबल इंजन' सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि दिल्ली में डबल मर्डर और बिहार में लगातार हत्याओं से आम लोग, व्यापारी, नेता और बेटियां असुरक्षित हैं। कांग्रेस नेता ने बिहार को खौफ और डर के साए में

बताया और कहा कि मौजूदा सरकार को सुरक्षित और खुशहाल बिहार के लिए जल्द ही हट जाना चाहिए। उन्होंने बिहार में इंडिया ब्लॉक के बिहार बंद का जिक्र किया, जिसका नेतृत्व राहुल गांधी ने किया। यह बंद बिहार में चुनाव आयोग द्वारा वोटर लिस्ट पुनरीक्षण कराए जाने के विरोध में था। अलका लांबा ने कहा कि पहले आयोग कागजात मांगता था। लेकिन, अब कहता है कि कागजात की जरूरत नहीं। कोर्ट ने आयोग को आधार, राशन कार्ड और मतदाता पहचान पत्र मानने का आदेश दिया है। लेकिन, आयोग जवाब देने से बच रहा है। उन्होंने कहा कि इंडिया ब्लॉक लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं को दबाव मुक्त करने के लिए संघर्ष कर रहा है।

मोदी व अमित शाह रिमोट कंट्रोल से चला रहे बिहार सरकार : अल्लावरु

पटना। बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर शनिवार को हमला बोला और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दिल्ली से ही बिहार की सरकार को नियंत्रित कर रहे हैं। अल्लावरु ने शनिवार को यहां कहा कि बिहार की सरकार अब दिल्ली से संचालित हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी और शाह रिमोट कंट्रोल से बिहार की सरकार चला रहे हैं। बिहार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त होने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि मोदी और शाह ने बिहार को देश की अपराध की राजधानी बना दिया है। बिहार कांग्रेस प्रभारी ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जब पूरी सजगता से सत्ता संभाल रहे थे तब कानून-व्यवस्था की स्थिति नियंत्रण में थी। उन्होंने आरोप लगाया कि अब कुमार प्रभावी ढंग से सरकार को चलाने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जब से मोदी और शाह का प्रभाव बिहार में बढ़ा है, यहां गुंडाराज हो गया है। अल्लावरू ने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को मिली जान से मारने की धमकी के संबंध में पूछे गये सवाल के जवाब में कहा कि यह घटना बताती है कि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब हो गई है।

जानबूझ कर बिजली व्यवस्था को खराब कर रही भाजपा सरकार : अखिलेश यादव

बिजली विभाग को निजी हाथों में बेचने की तैयारी का लगाया आरोप

लखनऊ, 12 जुलाई (देशबन्धु)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा कि बिजली के निजीकरण पर उतारू भाजपा सरकार जानबूझ कर बिजली व्यवस्था को खराब कर रही है। यादव ने यहां जारी बयान में कहा कि भाजपा सरकार जानबूझकर बिजली व्यवस्था खराब कर रही है। सरकार बिजली विभाग को निजी हाथों में बेचने की तैयारी कर रही हैं। भाजपा की दिल्ली की सरकार हो या उत्तर प्रदेश की सरकार दोनों सब कुछ बेचने पर उतारू है। भाजपा ने बिजली मंत्री इसीलिए बनाया है, जिससे विभाग अपने करीबियों को बेचना आसान हो जाए। भाजपा सरकार ने बिजली व्यवस्था सुधारने और उत्पादन

बढ़ाने के लिए कोई काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि सरकार बिजली की खराब स्थिति का ठीकरा कर्मचारियों के सिरफोड़ कर निजीकरण करने की जमीन तैयार कर चुकी है। उत्तर प्रदेश में आज जनता को जो भी बिजली मिल रही है। वह समाजवादी सरकार में लगाए गए पावर प्लांटों से मिल रही है। समाजवादी सरकार में एटा, कानपुर देहात, ललितपुर, पनकी, समेत कई जिलों में पावर प्लांट लगाए लेकिन भाजपा सरकार ने बिजली उत्पादन और आगे बढ़ाने के लिए कोई काम नहीं किया।

उप्र में बिजली को लेकर हाहाकार

सपा अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बिजली को लेकर हाहाकार है। प्रदेश भर में बिजली की अघोषित कटौती हो रही है। धान की रोपाई का समय चल रहा है। लेकिन किसानों को बिजली नहीं मिल रही है। छोटे शहरों और गांवों में बिजली की स्थिति बेहद खराब है। भाजपा सरकार नौ साल के कार्यकाल में एक भी यूनिट बिजली का उत्पादन नहीं बढ़ाया है। केवल बिजली का बिल बढ़ाया है।

मंत्री विजयवर्गीय के बयान पर मप्र कांग्रेस का हमला

भोपाल/इंदौर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में वन विभाग को लेकर दिए गए एक बयान पर कांग्रेस ने सरकार को घेर लिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने विजयवर्गीय के बयान को सोशल मीडिया पर वायरल करते हुए कहा, मायूस मंत्रीजी कह रहे हैं, जंगलराज का वन विभाग बेलगाम है! यह भी सरकारी अराजकता का पैगाम है। वहीं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इस बयान को लेकर कहा कि नेता ही नहीं, अब मंत्री भी बेबस हैं। वन विभाग न मंत्री की सुनता है, न मुख्यमंत्री की। मंत्री खुद ही मंच से कह रहे हैं कि वन विभाग से पौधे तक समय पर नहीं मिलते। उन्होंने सवाल किया कि प्रदेश में सरकार चल रही है या अफसरों की मनमानी। मुख्यमंत्री और मंत्रियों की बात ठुकराना अब वन विभाग के अधिकारियों की आदत बन चुकी है। दरअसल पौधारोपण से जुड़े एक समारोह के दौरान विजयवर्गीय ने मंच से वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को संबोधित करते हुए कहा, वन विभाग का जितना सहयोग मिलना चाहिए, उतना मिला नहीं।

पीपुल्स फोरम ऑफ इंडिया का राष्ट्रीय स्तर पर बड़ा प्रशासनिक पुनर्गठन

डॉ. भार्गव मल्लप्पा को मुख्यालय प्रशासन का प्रभारी नियुक्त किया

नई दिल्ली 12 जुलाई (एजेंसियां)। नेशनल भारत सेवक समाज से संबद्ध पीपुल्स फोरम ऑफ इंडिया-जो संसद द्वारा 1952 में अधिनियमित एक सार्वजनिक सेवा संस्था है और भारत के पूर्व राष्ट्रपति महामहिम गुलजारीलाल नंदा जी के मार्गदर्शन में स्थापित हुई थी- ने आज एक प्रेस वार्ता के दौरान अपने संगठनात्मक ढांचे में बड़े प्रशासनिक बदलाव की घोषणा की। मीडिया को संबोधित करते हुए पीपुल्स फोरम ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. एस. मणिमोझ्यान ने कहा, भारतीय लोकतंत्र के सबसे मज़बूत स्तंभ-मीडिया- से मिलना हमारे लिए सम्मान की बात है। पिछले 30 वर्षों से इस संस्था से जुड़े डॉ. मणिमोझ्यान इससे पहले राज्य महासचिव और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जैसे पदों पर कार्य कर चुके हैं। संगठन की कार्यप्रणाली को सरल और प्रभावी बनाने के लिए पीपुल्स फोरम ऑफ इंडिया ने 11 जुलाई 2025 से अपने समस्त राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय प्रशासनिक ढांचे को भंग कर दिया है। अब नया प्रशासनिक ढांचा तीन चरणों में स्थापित किया जाएगा। 1. राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारियों और राज्य अध्यक्षों की नियुक्ति, 2. राज्य पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों की नियुक्ति, 3. जिला और तालुक स्तर के पदाधिकारियों की नियुक्ति।

सुरक्षा | अमरनाथ तीर्थयात्रियों की सुरक्षा व कल्याण सुनिश्चित करने में जुटा सीमा सुरक्षा बल

विशेष चिकित्सा दलों को तैनात कर बचाव अभियान किया तेज

जम्मू,12 जुलाई (देशबन्धु)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), कश्मीर ने चल रही अमरनाथ यात्रा 2025 के दौरान ऊंचाई पर होने वाली बीमारियों, निर्जलीकरण और थकावट से पीड़ित दर्जनों तीर्थयात्रियों को बचाया है। बीएसएफ के अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। बीएसएफ बचाव और राहत दल को समय पर जीवनरक्षक चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए चुनौतीपूर्ण पहलगाम और बालटाल मार्गों पर रणनीतिक रूप से तैनात किया गया है।

यह दल हिमालय में पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर जाने वाले तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। तीन जुलाई से शुरू हुई वार्षिक अमरनाथ यात्रा देश भर से हजारों श्रद्धालुओं को आकर्षित करती है। हालांकि, इस तीर्थयात्रा मार्ग में खतरनाक पहाड़ी इलाकों, अप्रत्याशित मौसम और ऊंचाई वाले क्षेत्रों से गुजरना पड़ता है, जिसके कारण अक्सर चिकित्सा आपात स्थिति उत्पन्न हो जाती है। हाल के दिनों में, कई यात्रियों ने चक्कर आना, सांस लेने में कठिनाई और थकान जैसे लक्षणों

■ बीएसएफ की चिकित्सा टीमें प्रमुख स्थानों पर तैनात

का अनुभव किया है, जिसके लिए तत्काल हस्तक्षेप आवश्यक है। बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने बताया कि बल ने प्रशिक्षित पैरामेडिक्स और विशेष चिकित्सा दलों को तैनात करके अपने बचाव अभियान को तेज कर दिया है। प्रवक्ता का कहना था कि हमारी टीमें हर यात्री की सुरक्षा और स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे सहायता प्रदान करते हुए हाई अलर्ट पर हैं। हम अमरनाथ यात्रा को सुरक्षित और निर्बाध बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बीएसएफ की चिकित्सा टीमें 48 किलोमीटर लंबे पहलगाम-चंदनवाड़ी मार्ग और 14 किलोमीटर लंबे बालटाल-दोमेल मार्ग पर प्रमुख स्थानों पर तैनात हैं। प्राथमिक चिकित्सा किट, ऑक्सीजन सिलेंडर और आपातकालीन चिकित्सा आपूर्ति से लैस, इन टीमों ने तीव्र पर्वतीय बीमारी के कई मामलों में महत्वपूर्ण ऑक्सीजन सहायता प्रदान की है, जिससे गंभीर जटिलताओं को रोका जा सका है और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित निकासी संभव हुई है। चिकित्सा सहायता के अलावा, बीएसएफ ग्रामीण स्वच्छता निदेशालय (डीआरएस) के सहयोग से तीर्थयात्रा मार्गों पर स्वच्छता प्रयासों में भी सहायता कर रहा है। तीर्थयात्रियों के लिए स्वच्छता बनाए रखने और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने के लिए मोबाइल शौचालय, अपशिष्ट पृथक्करण इकाइयां और खाद बनाने की प्रणालियां स्थापित की गई हैं। उत्तर प्रदेश की एक तीर्थयात्री सुनीता देवी ने बताया कि चढ़ाई बहुत खड़ी और थका देने वाली थी। मैंने कई लोगों को सांस लेने में तकलीफ के कारण गिरते देखा। बीएसएफ के जवान वहीं तैनात थे, बिना किसी हिचकिचाहट के सबकी देखभाल कर रहे थे।

वे ईश्वर का काम कर रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि मुझे उम्मीद नहीं थी कि इतनी ऊंचाई पर मैं बीमार पड़ जाऊंगी। मुझे कंपकंपी होने लगी और मैं ठीक से सांस नहीं ले पा रही थी। बीएसएफ वाले समय पर ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर पहुंच गए।

उल्टा पुल्टा

एक दिन भगवान ने एक आदमी की मेमोरी डिलीट कर दी। फिर उससे पूछा क्या तुम्हें कुछ याद है?

आदमी ने अपनी पत्नी का नाम बता दिया। भगवान हंसकर बोले : पूरा सिस्टम फॉर्मेट कर दिया पर वायरस फिर भी रह गया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने की कांवड़ शिविरों की व्यवस्था परखने के लिए उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक, कहा

पिछली सरकारों में रही भ्रष्टाचार व अव्यवस्था की परंपरा

- कांवड़ शिविर लगाने के लिए मिले 374 आवेदन
- शिविरों को 1200 यूनिट तक मिलेगी नि:शुल्क बिजली सुविधा

भोले के भक्तों के लिए सरकार व दिल्लीवासी पलक-पांवड़े बिछाए हुए हैं, भव्य होगा स्वागत : रेखा गुप्ता, मुख्यमंत्री दिल्ली

नई दिल्ली, 12 जुलाई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज कांवड़ शिविरों की व्यवस्था परखने के लिए, अपनी सरकार के दो मंत्रियों आशीष सूद व कपिल मिश्रा के लिए उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में कांवड़ समिति की व्यवस्था से जुड़े विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा कांवड़ समिति की व्यवस्था को लेकर बनाई गई समिति के सदस्य भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कांवड़ शिविरों की व्यवस्था व कांवड़ियों को दी जाने वाली सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा की और इसे जनता की आस्था से जुड़ा महत्वपूर्ण दायित्व बताते हुए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह ऐतिहासिक अवसर है। दिल्ली सरकार कांवड़ियों के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार है। दिल्ली के बॉर्डरों पर उनके लिए स्वागत द्वार बन रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भोले के भक्त कांवड़ियों के स्वागत को लेकर दिल्ली सरकार ने इस वर्ष जो कार्य प्रणाली अपनाई है, वह अब तक की व्यवस्थाओं में एक ऐतिहासिक बदलाव है। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों में भ्रष्टाचार और अव्यवस्था की परंपरा रही, जिससे जनता को बार-बार तकलीफें झेलनी पड़ीं। संस्थाओं को टेंट लगाने जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए महीनों इंतजार करना पड़ता था, और कार्यक्रम खत्म होने के बाद भी वर्षों तक उनके बिलों का भुगतान नहीं होता था। उन्होंने बताया कि इस बार दिल्ली के लोगों में कांवड़ियों के स्वागत का विशेष सेवा भाव है, इसीलिए इस बार शिविर लगाने के लिए 374 आवेदन मिले हैं। हमने अधिकतर को शिविर लगाने की इजाजत दे दी है, कुछ बचे हैं, उन्हें भी जल्द मिल जाएगी। हमारी सरकार सभी को अनुमति देगी।

उन्होंने जानकारी दी कि पिछली बार मात्र 170 आवेदन आए थे, इससे पता चलता है कि हमारी सरकार को लेकर लोगों में कितना अधिक विश्वास है। इस बार दिल्ली सरकार ने व्यवस्था को पारदर्शी बनाया और एक सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से अनुमति प्रक्रिया को सरल और तेज कर दिया। अब किसी संस्था को अलग-अलग एजेंसियों के चक्कर नहीं काटने पड़े और सभी को मात्र 48 से 70 घंटों में अनुमति मिल गई।

मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि सरकार ने इस वर्ष शिविरों को बिजली आपूर्ति के लिए 1200 यूनिट तक नि:शुल्क सुविधा दी है। इसके अलावा, टॉयलेट्स की पूरी व्यवस्था सरकार स्वयं कर रही है, जिसमें 24 घंटे तैनात सफाईकर्मी भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे कांवड़ शिविरों में स्वच्छता और सुविधा का नया मानदंड स्थापित होगा। इसके अतिरिक्त शिविरों में स्वास्थ्य टीमें तैनात की गई हैं, जो पास के अस्पतालों से समन्वय बनाकर सेवाएं देंगी। साथ ही ट्रैफिक, पुलिस और एमसीडी द्वारा सभी व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित कर ली गई हैं ताकि किसी को कोई असुविधा न हो। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि सरकार ने वादा किया था कि 50-50 प्रतिशत की तर्ज़ पर संस्थाओं को अनुदान का भुगतान किया जाएगा। इसमें 50 प्रतिशत आयोजन से पहले और 50 प्रतिशत बाद में। उन्होंने कहा कि आज सरकार पूरी तैयारी के साथ खड़ी है, जैसे ही अंतिम सूची प्राप्त होगी, एक बटन दबाते ही पहली किश्त का भुगतान किया जा सकेगा। हमने पूरी तरह पारदर्शिता का पालन किया है। इस बार कांवड़िये जब दिल्ली में प्रवेश करेंगे तो उन्हें अलग ही नजारा मिलेगा। उनकी सेवा के लिए सरकार और दिल्ली के लोग पलक-पांवड़े बिछाए बैठे हैं।

'आप' झुग्गियां बचाने के लिए विधानसभा से लेकर सड़क तक लड़ाई लड़ेंगी : आतिशी

दिल्ली में एक-एक कर सभी झुग्गियों को तोड़ा जा रहा है : आतिशी

'आप' भाजपा सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी ने मटियाला विधानसभा स्थित नंगली डेयरी की झुग्गियां तोड़ने की तैयारी कर रही दिल्ली सरकार पर आरोप लगाए हैं। 'आप' की नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा कि मद्रासी कैंप, जेलरवाला बाग, भूमिहीन कैंप तोड़ने के बाद दिल्ली सरकार की नजर अब नंगली डेयरी की झुग्गियां पर पड़ गई है। भाजपा की एमसीडी ने झुग्गियों में नोटिस लगा दिया है और पांच दिन में कागज नहीं दिखाने पर झुग्गियों पर बुलडोजर चलाने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले भाजपा के नेताओं ने इन झुग्गियों में रात्रि प्रवास किया था और जहां झुग्गी-वहां मकान का कार्ड दिया था। लेकिन सरकार में आते ही भाजपा लगातार गरीबों की झुग्गियां तोड़ रही है। आम आदमी पार्टी इन गरीबों के साथ खड़ी है। हम झुग्गियां बचाने के लिए विधानसभा से लेकर सड़क तक लड़ाई लड़ेंगे। आतिशी ने कहा कि चुनाव से पहले भाजपा के नेताओं ने दिल्ली की अलग-अलग झुग्गियों में प्रवास किया। झुग्गीवालों के साथ खाना खाया, बच्चों के साथ लूडो-कैरम खेला और झुग्गीवालों को 'जहां झुग्गी वहीं मकान' के कार्ड दिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार-बार कहा कि दिल्ली में एक भी झुग्गी को नहीं तोड़ा जाएगा। लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद जैसे ही दिल्ली में नई सरकार ने एक के बाद एक गरीबों के मकान तोड़ने शुरू कर दिए।

आतिशी ने कहा कि मद्रासी कैंप, जेलरवाला बाग, वजीरपुर, भूमिहीन कैंप की झुग्गियां तोड़ने के बाद अब भाजपा की सरकार नंगली डेयरी के जेजे कैंप को तोड़ने की तैयारी कर रही है। झुग्गीवालों से कहा गया है कि वह अतिक्रमण कर रहे हैं और अगर पांच दिन में अपने कागज जमा नहीं दिए तो झुग्गियों को तोड़ दिया जाएगा। आतिशी ने कहा कि दिल्ली सरकार जहां झुग्गी, वहीं मकान नहीं देने वाली है, बल्कि यह तय कर लिया गया है कि जहां झुग्गी है, वहां मैदान बना दिए जाएंगे। इसलिए दिल्ली में एक-एक कर सभी झुग्गियों को तोड़ा जा रहा है। आतिशी ने कहा कि आम आदमी पार्टी दिल्ली के गरीबों के साथ खड़ी है। कोर्ट, एमसीडी, दिल्ली विधानसभा या फिर सड़कों पर लड़ने की जरूरत होगी तो आम आदमी पार्टी लड़ेगी और दिल्ली सरकार को इन झुग्गियों को तोड़ने नहीं देगी।

सार संक्षेप

इन्फिनिक्स हॉट 60 5जी प्लस किया लांच

नई दिल्ली। नए युग के स्मार्टफोन ब्रांड, इन्फिनिक्स ने अपना लेटेस्ट हॉट 60 5जी प्लस लॉन्च किया है। जबरदस्त फीचर्स वाला यह स्मार्टफोन उन लोगों के लिए बनाया गया है, जो बहुउपयोगिता, स्पीड और लंबे समय तक शानदार परफॉर्मेंस चाहते हैं। हॉट 60 5जी प्लस में इस उद्योग के कई अग्रणी फीचर्स दिए गए हैं। इसमें कस्टमाईज़ेबल वन टैप एआई बटन, मीडियाटेक डायमेंसिटी 7020 प्रोसेसर, 500,000 से अधिक एंटुटू स्कोर, 6जीबी एलपीडीडीआर5एक्स रैम, 90एफपीएस गेमिंग सपोर्ट और आईपी64-सर्टिफाईड स्लिम 5जी डिज़ाईन हैं। इतनी सारी खूबियों के बाद भी लॉन्च के दिन इस स्मार्टफोन की कीमत केवल 9,999 रुपए प्रिपेड ऑफरों के साथ होगी। यह डिवाईस फ्लिपकार्ट और रिटेल स्टोर्स पर तीन रंगों- शैडो ब्लू, टुंड्रा ग्रीन और स्लीक ब्लैक में उपलब्ध होगी, जो अपने परफॉर्मेंस डीएनए के अनुसार प्रीमियम अपील प्रदान करेगी।

ब्यूटी इवेंट में मेकअप कार्यक्रम आयोजित

नई दिल्ली। भारत के अग्रणी ब्यूटी और लाइफस्टाइल ब्रांड नायका ने 11 जुलाई को नोएडा में अपने चर्चित नायका ब्यूटी बार इवेंट की भव्य शुरुआत की। डीएलएफ मॉल ऑफ इंडिया स्थित नायका लक्से स्टोर में हुए इस अनुभवात्मक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मेकअप और स्किनकेयर प्रेमी पहुंचे। यह इवेंट नायका के ऑल इंडिया टूर का पहला चरण था, जिसे 'लक्से एडिशन' के तौर पर प्रस्तुत किया गया। इस आयोजन में ब्यूटी इनोवेशन, इंटरनेशनल ब्यूटी ट्रेंड्स और एक्सपर्ट्स से सीखने का मौका लोगों को आकर्षित करता दिखा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही मेकअप आर्टिस्ट ईशा खन्ना की मास्टरक्लास, जिसमें उन्होंने 'द लक्से ग्लैम' लुक पेश किया।

दिल्ली की गलियों में खत्म होंगे तारों के जाल, पायलट प्रोजेक्ट का शुभारंभ

- अब बिजली की सारी तारें अंडरग्राउंड होकर गुजरेंगी
- दिल्लीवालों को मिलेगी तारों के जाल से राहत

नई दिल्ली, 12 जुलाई (देशबन्धु)। राजधानी दिल्ली की गलियों में तारों के जाल को खत्म करने के लिए रेखा गुप्ता सरकार एक नया प्रोजेक्ट लेकर आई है। इसके जरिए अब बिजली की सारी तारें अंडरग्राउंड होकर गुजरेंगी और दिल्लीवालों को तारों के जाल से राहत मिलगी। इसके लिए शनिवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग विधानसभा के बीएच पूर्व ब्लॉक में बिजली की ऊपरी तारों को अंडरग्राउंड करने के पहले पायलट प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया गया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस महत्त्वाकांक्षी परियोजना को लगभग तीन महीने की अवधि में पूरा किया जाएगा। इस कार्य से न केवल दिल्ली की सौंदर्य छवि को निखारा जाएगा, बल्कि नागरिकों की सुरक्षा को भी सुनिश्चित किया जाएगा।

इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री आशीष सूद भी मौजूद थे। परियोजना के बारे में जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि इस योजना से शालीमार बाग के बीएच ब्लॉक जनता फ्लैट्स में रहने वाले लगभग 5500 परिवार लाभान्वित होंगे और क्षेत्र की दृश्य छवि भी बेहतर होगी। 8.07 करोड़ रुपए की लागत वाली इस परियोजना के अंतर्गत 5 किलोमीटर लंबे एचटी और एलटी ओवरहेड तारों को हटाकर 10 किलोमीटर भूमिगत एलटी 440वी और 1.2 किलोमीटर एचटी 11केवी नेटवर्क बिछाया जाएगा। इसके साथ ही 23 नए डबल सोर्स फीडर पिलर बॉक्स लगाए जाएंगे, जो बिजली आपूर्ति को अधिक विश्वसनीय बनाएंगे। क्षेत्र में नई स्ट्रीट लाइटों के लिए जीआई ऑक्टागोनल पोल और सीसीएमएस स्विच लगाए जाएंगे।

रामलीला के लिए मुफ्त मैदान व बिजली की मांग

सांसद खंडेलवाल ने रेखा गुप्ता को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने शनिवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को चिट्ठी लिखकर कहा है कि जैसे कांवड़ यात्रा और हज यात्रियों को मुफ्त में जगह और बिजली दी जाती है, वैसे ही दिल्ली में रामलीला करने वाली समितियों को भी बिना पैसे लिए मैदान और बिजली दी जाए।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को संबोधित करते हुए सांसद खंडेलवाल ने अपने पत्र में कहा कि रामलीला उत्सव प्रति वर्ष दिल्ली सहित सम्पूर्ण देश में उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया जाता है और सही अर्थों में रामलीला भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता की अमूल्य धरोहर है। दिल्ली में बड़े पैमाने पर रामलीला का भव्य उत्सव दस दिनों तक चलता है जिसमें प्रभु श्री राम की जीवन लीला एवं उनके आदर्शों का मंचन लोगों को प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष रामलीला उत्सव 22 सितंबर 2025 से 3 अक्टूबर 2025 तक चलेगा और दिल्ली सहित देश भर में दशहरा 2 अक्टूबर को मनाया जाएगा।

घायल युवकों ने बयान देने से किया इनकार

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली से एक अजीबोगरीब घटना सामने आई है। दक्षिण पूर्वी दिल्ली के कालकाजी थाना इलाके में दो युवकों ने देर रात पुलिस को गोली लगने की सूचना दी। घायल युवकों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन बाद में दोनों युवकों ने पुलिस को बयान देने से ही इनकार कर दिया।

युवकों की पहचान ओखला फेज-3 निवासी 20 वर्षीय देव मलिक और तुगलकाबाद एक्सटेंशन निवासी 24 वर्षीय निर्भय भाटी के रूप में हुई। दोनों घायलों को देर रात ही सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पीड़ितों से बयान लेने की कोशिश की, लेकिन दोनों ने अस्पताल में बयान देने से इनकार कर दिया। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, घायल युवकों ने कहा है कि वो अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद थाने में बयान देंगे और तभी घटनास्थल की पहचान भी कराएंगे। दिल्ली पुलिस ने बताया कि रात करीब सवा 11 बजे पीसीआर कॉल मिली, जिसमें कॉलर ने बताया कि उसे और उसके दोस्त को कालकाजी मेन मार्केट टी-पॉइंट, जैन शिकंजी के पास गोली मारी गई है।

कपिल मिश्रा के आरोप पर गोपाल राय बोले, सही समय पर देंगे जवाब

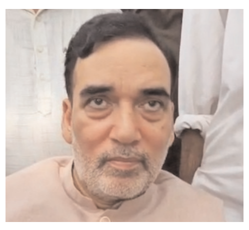

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर वेलकम थाना क्षेत्र के जनता मजदूर कॉलोनी में इमारत ढहने पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा ने इस हादसे के लिए पूर्व की आम आदमी पार्टी की सरकार को जिम्मेदार माना है। उन्होंने सवाल किया है कि गोपाल राय कहां हैं? क्या गोपाल राय इस हत्या की जिम्मेदारी लेंगे? उनकी निगरानी में ऐसे अवैध निर्माण होते रहे हैं।

कपिल मिश्रा के आरोप पर 'आप' विधायक गोपाल राय ने कहा कि मुझे लगता है कि मौजूदा समय राजनीति करने के लिए ठीक नहीं है। जो सवाल वो उठा रहे हैं, सही समय पर जवाब भी दिया जाएगा। यह दुख की घड़ी है। इंसानियत के तौर पर हमें मदद करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही दर्दनाक घटना है और सुबह से ही बचाव कार्य जारी है। हमें उम्मीद है कि बचाव कार्य जल्द ही पूरा हो जाएगा। कई लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। समाज के सदस्य, हमारे सभी स्वयंसेवक और जनप्रतिनिधि सुबह से ही प्रशासन के साथ सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं। मुझे लगता है कि सरकार इस पर सक्रियता से काम करेगी और लोगों की मदद की जाएगी।

दूसरी तरफ, सीलमपुर बिल्डिंग हादसे पर सीएम रेखा गुप्ता ने दुख जताया। उन्होंने कहा कि एक दुर्भाग्यपूर्ण इमारत ढहने की खबर मिली है, जिसमें चार लोगों को बचा लिया गया है और उन्हें चिकित्सा सहायता के लिए निकटतम अस्पताल ले जाया गया है। यह अत्यंत दुखद है कि इस घटना में दो अनमोल जानें चली गईं। कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ घटनास्थल का दौरा कर रहे हैं और स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं।

सिंधु समाज मनाएगा भगवान झूलेलाल का चालीहा कार्यक्रम

नई दिल्ली, 12 जुलाई (देशबन्धु)। सिंधु समाज दिल्ली 16 जुलाई 2025 से 25 अगस्त 2025 तक पुराना राजेंद्र नगर, दिल्ली में बड़ी धूमधाम के साथ भगवान श्री झूलेलाल जी की आराधना में 40 दिनों तक चलने वाले चालीहा कार्यक्रम का आयोजन बड़ी धूमधाम से करेगा। सिंधु समाज दिल्ली पंजीकृत के अध्यक्ष जगदीश नागरानी ने प्रेसवार्ता में पत्रकारों को जानकारी देते हुए कहा कि 16 जुलाई 2025 से रोजाना शाम 7 बजे से 8 बजे तक सिंधु भवन के झूलेलाल मंदिर में भक्तजन भगवान झूलेलाल जी की आराधना करेंगे।

इस अवसर पर सिंधु समाज दिल्ली के महासचिव नरेश कुमार बेलानी ने पत्रकारों को बताया 16 जुलाई 2025 को भगवान झूलेलाल जी का चालीहा कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर क्षेत्र की सांसद बांसुरी स्वराज सहित भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों के शामिल होने की संभावना है। नरेश कुमार बेलानी ने बताया इस कार्यक्रम में हमने नई दिल्ली से सांसद बांसुरी स्वराज सहित भाजपा के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों का भव्य स्वागत करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा 40 दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में भगवान झूलेलाल जी के दर्शन करने के लिए सभी राजनीतिक दलों सहित सरकारी अधिकरियों ने अपने आने की स्वीकृति प्रदान किया है।

खतरनाक भवनों का ध्वस्तीकरण करना एमसीडी की जिम्मेदारी होनी चाहिए : कपूर

नई दिल्ली, 12 जुलाई (देशबन्धु)। दिल्ली भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा है कि यह बहुत दुखद है कि राष्ट्रीय राजधानी में हर साल विशेष रूप से मानसून के दौरान कमजोर इमारतों के गिरने से लोगों की जान जाती है। यह और भी पीड़ादायक है कि शहर के अधिकारी ऐसे हादसों के लिए एक-दूसरे कार्यालयों पर जिम्मेदारी डालते रहते हैं। इसलिए यह ज़रूरी है कि सरकारी ज़मीन की मालिक एजेंसी चाहे जो भी हो, खतरनाक इमारतों का सर्वेक्षण करना, उन्हें चिन्हित करना, नोटिस जारी करना और आवश्यकतानुसार मरम्मत या ध्वस्तीकरण सुनिश्चित करना एमसीडी की जिम्मेदारी हो।

श्री कपूर ने कहा कि इस वर्ष शहर में भारी मानसून की संभावना है, इसलिए एमसीडी अधिकारियों को चाहिए कि वे पुराने और जर्जर भवनों का गहन सर्वेक्षण कर उन्हें या तो खाली करवाएं या उनकी मरम्मत करवाएं, ताकि किसी भी प्रकार की अनहोनी से बचा जा सके।

उत्तर रेलवे

ई-खुली निविदा सूचना

मंडल अभियंता सम्पदा, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा दिनांक 05.08.2025 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिन तत्काल खोली जाएगी।

क्रम सं	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	समापन अवधि
ए	सहायक मंडल अभियंता/सम्पदा-III के अंतर्गत रेल भवन में गेट संख्या 1 (दूसरी, तीसरी, चौथी और पांचवी मंजिल) और गेट संख्या 3 (भूतल और पहली मंजिल) पर लिफ्ट क्षेत्र, सीढ़ी आदि का नवीनीकरण कार्य हेतु।	रुपये 36169251.61	रुपये 330900.00	06 महीने

निविदा दिनांक 05.08.2025 को 15:00 बजे तक जमा की जा सकती है एवं तत्काल खोली जाएगी।
पत्र सं. 128-डब्लयू/269/निविदा सूचना/25-26/डब्ल्यू-ई/टेंडर नं 18
दिनांक : 11.07.2025 2113/2025
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई-प्रणाली के अन्तर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली-110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र0 सं0	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	02252514	मेंटेनेंस फ्री रेगुलेटेड लीड	699 सेट	04.08.25
02	01255036	फील्डेड मैगनेट फ्रेम (स्टाटर)	63 नग	06.08.25
03	02252171	सेट ऑफ रीटर्न एंड फ्रेश एयर	6528 सेट	06.08.25
04	02250098	4.5 के डब्लू अंडर टाइप कांस्टेंट	307 नग	06.08.25
05	77249014 RGC	प्रीस्ट्रेस का निर्माण और आपूर्ति	2355098 नग	07.08.25
06	02250081	हाई वोल्टेज फ्यूज रेटिंग	2255 नग	11.08.25
07	16253351A	हाई फ्रिक्शन कम्पोजिट	10717 नग	11.08.25
08	10250072	फायर रेटरडेंट उपहोल्स्टरी	1986 मीटर	11.08.25
09	19250288	आई ओ एच किट फॉर इ एल जी आई	257 सेट	11.08.25
10	08255066	आर सी टेंडर फॉर 6 क्वैड 0.9 एम एम केबल	2807 किलो मीटर	18.08.25
11	02255071	सप्लाई ऑफ रूफ माउंटेड एयर	106 नग	18.08.25
12	02252019	25 के डब्लू ब्रुशलेस अल्टरनेटर	38 सेट	25.08.25

निविदा शर्तें: 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।
टेंडर नोटिस सं0 31/2025-2026 दिनांक: 11.07.2025
2108/25
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

आरोप *कांग्रेस ने पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा पर जनता की आंखों में धूल झोंकने की कोशिश का लगाया आरोप, बोले*

मानसून की पहली ही बारिश में व्यवस्था की खुली पोल पर फैला रहे भ्रम

नई दिल्ली, 12 जुलाई (देशबन्धु)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आज कहा कि पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा एक बार फिर जनता की आँखों में धूल झोंकने की कोशिश कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने बड़े दावे किए थे कि दिल्ली में बाढ़ नहीं आएगी, अब वही मंत्री मानसून की पहली ही बारिश में डूबी राजधानी पर सफाई देने की कोशिश कर रहे हैं। श्री यादव ने तंज कसते हुए कहा कि जब तक दिल्ली में लूट पर आधारित केजरीवाल मॉडल जारी रहेगा, तब तक जलभराव और अव्यवस्था की समस्या से निजात नहीं मिल सकती।

दिल्ली सरकार के मंत्री वर्मा के उस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए जिसमें उन्होंने कहा कि जब इंजीनियर केवल दिल्ली के लोगों के प्रति जवाबदेह होते हैं तो उनका काम बेहतर होता है, श्री यादव ने करारा पलटवार करते हुए पूछा कि अगर यह सही है, तो फिर गुरुग्राम में मामूली बारिश में ही बाढ़ जैसी स्थिति क्यों बन जाती है? वहां के इंजीनियर क्या किसी और के प्रति जवाबदेह हैं? सच तो यह है कि भाजपा के ट्रिपल इंजन सरकार का इंजन ही खटारा हो चुका है, अब उसे रिटायर्ड होने की जरुरत है जैसा संघ प्रमुख ने मुद्दा उठाया है।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि अधिकारी किसके प्रति निष्ठावान हों। मुख्यमंत्री के, या 'सुपर मुख्यमंत्री' के, अब यह भी एक राजनीतिक भ्रम बन गया है। दरअसल, भाजपा और आम आदमी पार्टी दोनों ही यही चाहती हैं कि अफसरशाही जनहित की जगह नेताओं के निजी आदेशों की सेवा में जुटी रहे तथा शीशमहल जैसी योजनाओं पर काम करें।

जब तक दिल्ली में लूट पर आधारित केजरीवाल मॉडल जारी रहेगा, तब तक जलभराव और अव्यवस्था की समस्या से निजात नहीं मिल सकती : देवेंद्र यादव

यादव ने दो टूक कहा कि जरूरत कैडर बदलने की नहीं, बल्कि अधिकारियों की स्पष्ट और पारदर्शी जवाबदेही तय करने की है। लेकिन जिनका ध्यान जनता की समस्याओं की बजाय महलों और आलीशान सरकारी आवासों के निर्माण में है, उनमें कोई 'शौचमहल' बनवा रहा है, कोई 'शीशमहल', कोई 'मोदी महल' या 'फूलकुमारी निवास'। उनसे जनसेवा की उम्मीद करना बेमानी है। उन्होंने यह भी कहा कि जो पार्टी सत्ता में मोदी मॉडल की दुहाई देकर आई थी, वही अब केंद्र सरकार के मंत्रालयों को नकारने की बात कर रही है।

देवेन्द्र यादव ने हाल ही में दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा निर्देशित थर्ड पार्टी ऑडिट रिपोर्ट को सार्वजनिक करने की माँग दोहराते हुए कहा कि इससे असल सच्चाई सामने आएगी। उन्होंने पीडब्लूडी मंत्री से यह पूछा कि वह बताएं आज जो ठेकेदार काम कर रहे है, क्या यह सच नहीं की उन्हें पहले केजरीवाल सरकार में भी काम मिलते रहे।

इमारत ढहने के हादसे के मृतकों को सरकार 10-10 का मुआवजा मिले

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने सीलमपुर की जनता मजदूर कॉलोनी में ढाई मंजिला मकान ढहने के बाद 4 लोगों की मौत और मेट्रो के टनल के कारण आजाद मार्केट में जर्जर इमारत ढहने से एक व्यक्ति की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि 5 लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज होना चाहिए और उनके खिलाफ संख्त कार्यवाही करने के साथ उच्च स्तरीय जांच की जाए। उन्होंने सवाल उठाया कि दर्दनाक हादसे के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का घटना स्थल पर नही पहुँचना, दिल्ली वालों के प्रति उनकी असंवेदनशीलता को दर्शाता है।

कैपिटल ज़ोन

उवाच "

ये मोबाइल फोन भीड़-भाड़ वाले बाजारों, सब्जी व फलों की मंडियों व साप्ताहिक बाजारो में सामान खरीदते समय नीचे झुकने, बैठने व घक्का मुक्की में गिर गये थे। कुछ मोबाइल ऐसे भी है जो लोगों के यात्रा के दौरान मोबाइल ऑटो, टेक्सियो, बसों व मेट्रो ट्रेनो में छूट गए थे। बाइक चलाते समय ब्रेकर आने पर जेंबो से निकल कर गिर गये थे। ई-रिक्शा में यात्रा करते समय ब्रेकर आने पर गिर गये थे : **शक्ति मोहन अवस्थी, डीसीपी सेंट्रल नोएडा।**

भव्य होगा कांवड़ महोत्सव 2025 निगम ने साझा की तैयारी

■ **नगर आयुक्त सहित डी एम, पुलिस आयुक्त ने व्यवस्थाओं का लिया जाएजा**

कांवड़ की तैयारियों में लगी हुई है निगम की टीम : महंत नारायण गिरी

गाजियाबाद, 12 जुलाई (देशबन्धु)। गाजियाबाद में कांवड़ महोत्सव को लेकर भव्यता से तैयारी चल रही है जिसमें गाजियाबाद नगर निगम के साथ-साथ पुलिस में प्रशासन की भूमिका देखने को मिल रही है, इसी क्रम में पुलिस आयुक्त रविंदर गौड, जिलाधिकारी दीपक मीना, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा कांवड़ रूट, प्राचीन शिवालयों तथा कंट्रोल रूम का जायजा लिया गया बेहतर व्यवस्थाओं के साथ सुखद और सुरक्षित हो कांवड़ यात्रा योजना बनाई गई गाजियाबाद नगर निगम की टीम द्वारा किए जा रहे कार्यों को भी साझा किया गया।

सुरक्षा की दृष्टि से कैमरे लगाए जा चुके हैं तथा हर वर्ष की भांति कंट्रोल रूम जो कि मेरठ रोड पर बनाया जा रहा है वरिष्ठ अधिकारियों ने पहुंचकर मुआयना किया तथा शीघ्र ही तैयारी शुरू की जाए टीम को निर्देश दिए गए, साफ सफाई प्रकाश व्यवस्था शौचालय की व्यवस्था बैरिकेडिंग की व्यवस्था पानी की व्यवस्था अनेकों व्यवस्थाओं पर चल रही तैयारी को नगर आयुक्त गाजियाबाद द्वारा सभी को साझा किया गया तथा प्लानिंग भी बताई गई, नगर आयुक्त द्वारा कांवड़ रूट कंट्रोल रूम तथा मंदिरों पर व्यवस्था संभालने के लिए अधिकारियों की अलग-अलग ड्यूटी भी लगाई है। सभी ने संयुक्त रूप से व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा टीम को कार्य पूर्ण करते हुए व्यवस्था संभालने की हरी झंडी दी। गाजियाबाद नगर निगम, पुलिस, प्रशासन अधिकारियों ने संयुक्त रूप से दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर का जायजा लिया गया वहां निगम द्वारा कराई जा रही बेरीकेटिंग को देखा गया मौके पर महंत नारायण गिरी जो की दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर के प्रधान पुजारी है कांवड़ महोत्सव 2025 को लेकर विस्तार से चर्चा की गई महंत जी द्वारा बताया गया कि पुलिस प्रशासन के सभी अधिकारी व टीम लगी हुई है गाजियाबाद नगर निगम की टीम पिछले 1 महीने से कांवड़ व्यवस्थाओं को संभालने के लिए कार्य कर रही है जो कि लगभग पूर्ण होते दिखाई दे रहे हैं कांवड़ महोत्सव 2025 भव्यता से मनाया जाएगा।

लोट्स 300 एओए ने नोएडा प्राधिकरण को भेजा लीगल नोटिस

■ **सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद फ्लैटों की रजिस्ट्री में देरी को बनाया आधार, जारी हो चुकी ओसी और सीसी**

नोएडा, 12 जुलाई (देशबन्धु)। सेक्टर-107 स्थित लोटस 300 सोसाइटी के अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन (एओए) ने नोएडा प्राधिकरण को लीगल नोटिस भेजा है। जिसमें उस पर फ्लैटों के रजिस्ट्री संबंधी सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की जानबूझकर अवहेलना करने का आरोप लगाया गया है। एओए के पदाधिकारियों ने कहा कि 22 अप्रैल को 228 फ्लैट वाले चार टावरों के लिए अधिभोग प्रमाण पत्र (ओसी) और कंपलीशन सर्टिफिकेट (सीसी) जारी होने के बावजूद, रजिस्ट्री की प्रक्रिया रुकी हुई है। इस कारण ही एओए ने घर खरीदारों के अधिकारों की रक्षा के लिए अवमानना कार्रवाई की चेतावनी दी है। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने कहा कि उन्हें अभी तक कानूनी नोटिस नहीं मिला है, उन्होंने रजिस्ट्री प्रक्रिया नहीं रोकी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आईआरपी से बिल्डर-खरीदार समझौता (बीबीए) और खरीदारों के अन्य दस्तावेजों का विवरण मांगा गया था ताकि केवल वास्तविक खरीदार ही अपने फ्लैटों का रजिस्ट्री करा सकें।

25 फ्लैट मालिक जमा कर चुके स्टांप

लोटस 300 एओए के अध्यक्ष भुवन चतुर्वेदी ने कहा कि टावर नंबर 3 से 6 तक 228 फ्लैटों में से 25 फ्लैट मालिकों ने पहले ही 28 अप्रैल को ही नोएडा प्राधिकरण में रजिस्ट्री के लिए आवश्यक स्टांप शुल्क करीब 5 करोड़ रुपए के खरीदकर जमा कर दिए थे। रजिस्ट्री की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के बजाय, प्राधिकरण ने 19 जून को फिर से आईआरपी को एक पत्र भेजा, जिसने सात दिन के अंदर दस्तावेजों का सत्यापन करने के बाद शुरुआती 25 आवंटियों के लिए सभी दस्तावेज उपलब्ध करा दिए। 24 जून के बाद से दो सप्ताह बीत चुके हैं, लेकिन नोएडा प्राधिकरण ने रजिस्ट्री के लिए कोई कदम नहीं उठाया है। यह केवल सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की जानबूझकर अवज्ञा करने के प्राधिकरण के इरादे को दर्शाता है। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ को बुधवार को जारी कानूनी नोटिस में एओए द्वारा बार-बार किए गए अनुरोध जिनमें अप्रैल से जुलाई के बीच आठ अलग-अलग तारीखों पर भेजे गए पत्र भी शामिल हैं। प्राधिकरण कार्यालय में एओए प्रतिनिधियों के 20 से ज़्यादा बार आने का ज़िक्र भी है।

जानबूझ कर की जाने वाली अवमानना

एओए ने तर्क दिया कि यह लगातार जानबूझकर की जाने वाली अवमानना है, जिससे वास्तविक घर खरीदारों को नुकसान पहुंच रहा है। एओए ने चेतावनी दी है कि लगातार अनुपालन न करने पर उन्हें सुप्रीम कोर्ट में अवमानना की कार्रवाई शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। यह कानूनी लड़ाई हैसिंडा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड (एचपीपीएल) द्वारा विकसित लोटस 300 सोसाइटी के छह टावरों में 330 फ्लैटों के पंजीकरण के लिए करीब दस सालों से चल रहे संघर्ष से उपजी है।

सार संक्षेप

साइबर सुरक्षा के बारे में महिलाओं को किया गया जागरूक

नोएडा। जिले के सभी थानों की महिला बीट अधिकारियों ने स्थानीय महिलाओं को शनिवार को महिला सुरक्षा व साइबर सुरक्षा के संबंध में जागरूक किया। महिला सुरक्षा टीम द्वारा अलग अलग गांवों, सोसाइटियों, लेबर कॉलोनियों और बाजारों में महिलाओं एवं बच्चियों को एकत्र करते हुए उनसे वार्ता की गई व सभी को महिला सशक्तिकरण अभियान, उनके प्रति होने वाले अपराधों के संबंध में जानकारी दी गई। शासन द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम जैसे मिशन शक्ति, शुभ मंगल योजना, साइबर क्राइम एवं साइबर सुरक्षा के बारे में भी जागरूक किया गया। उपस्थित सभी महिलाओं/बच्चियों को महिला सुरक्षा टीम द्वारा मिशन शक्ति पंपलेट वितरित किए गए एवं महिला हेल्पलाइन नंबर-1090, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर-1076, साइबर हेल्पलाइन नंबर-1930, आपातकालीन सेवा-112, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर-1098, वन स्टॉप सेंटर नंबर-181 के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। महिला सुरक्षा टीम द्वारा महिलाओं को समझाया गया कि वह किसी भी प्रकार के अपराध को चुपचाप बर्दाश्त न करें व किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत बताए गए हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें, जिससे त्वरित सहायता प्रदान की जा सके।

रालोद किसान प्रकोष्ठ के नोएडा महानगर अध्यक्ष बनाए गए सोविंदर अवाना

नोएडा। राष्ट्रीय लोकदल किसान प्रकोष्ठ ने संगठनात्मक विस्तार के तहत नोएडा के ग्राम निठारी निवासी सोविंदर अवाना को किसान प्रकोष्ठ का नोएडा महानगर अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष आनंद नागर द्वारा की गई, जिसे संगठन के शीर्ष नेतृत्व का भी समर्थन प्राप्त हुआ है। नियुक्ति के अवसर पर राष्ट्रीय लोकदल के वरिष्ठ नेता त्रिलोक त्यागी एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज चौधरी ने औपचारिक रूप से सविंदर अवाना को नियुक्ति पत्र सौंपा। इस अवसर पर कई कार्यकर्ता एवं संगठन के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। अपनी नियुक्ति पर सोविंदर अवाना ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी सहित सभी वरिष्ठ नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल द्वारा मुझे यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपे जाने पर मैं आभारी हूं। यह सिर्फ एक पद नहीं, बल्कि किसानों की सेवा का अवसर है।

ट्रक की टक्कर से साइकिल सवार महिला की मौत

नोएडा। हाजीपुर अंडरपास के पास तेज रफ्तार मिक्सर ट्रक के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए टक्कर मारकर साइकिल सवार महिला को घायल कर दिया। उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। मामले की शिकायत मृतक महिला के पति ने आठ महीने बाद पुलिस से की है। सेक्टर-126 थाने की पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है। शिकायत में कानपुर देहात निवासी संदीप कुमार ने बताया कि बीते साल आठ अक्टूबर को सुबह नौ बजे के करीब उनकी पत्नी स्वेता अपनी साइकिल से ड्यूटी करने के लिए जा रही थीं। जब वह सेक्टर-128 स्थित हाजीपुर अंडरपास के पास पहुंची, तभी एक मिक्सर ट्रक के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी साइकिल में टक्कर मार दी।

जनता पीजी कॉलेज बैठक में चुने गए नए पदाधिकारी

गाजियाबाद, 12 जुलाई (देशबन्धु)। जनता पीजी कॉलेज की प्रबन्ध समिति की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन कॉलेज परिसर में किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष अजीत योगी ने की। इस अवसर पर प्रबंध समिति के सचिव राजेन्द्र सिंह चिकारा, कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रोफेसर अतुल कुमार गोयल सहित अन्य वरिष्ठ सदस्यगण उपस्थित रहे।

बैठक में कॉलेज के प्रशासनिक एवं शैक्षणिक कार्यों के सुचारू संचालन, पारदर्शिता, जवाबदेही और गुणवत्ता सुधार के उद्देश्य से प्रबंध समिति का विस्तार करते हुए विभिन्न उप-समितियों का गठन किया गया। इन समितियों में अनुभवी, सक्रिय एवं समर्पित व्यक्तियों को अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया, जो अपने-अपने क्षेत्र में विशेषज्ञता रखते हैं। यह निर्णय सर्वसम्मति से पारित किया गया। नवगठित कमेटी में जयदीप सिंह- अध्यक्ष, सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति एवं क्रीड़ा समिति। एडवोकेट गौरव प्रताप सिंह-अध्यक्ष, कानूनी सलाहकार समिति, योगेन्द्र सिंह पतला- अध्यक्ष, कार्यक्रम संचालन समिति,सुबोध कुमार- अध्यक्ष, क्रय-विक्रय समिति, हरेंद्र सिंह - अध्यक्ष, कॉलेज व्यवस्था एवं जांच समिति, विवेक उज्जवल- अध्यक्ष, भवन निर्माण एवं नीलामी समिति राजेन्द्र सिंह चिकारा- अध्यक्ष, चयन समिति। बैठक में सभी सदस्यों ने नवगठित समितियों को शुभकामनाएं दीं और आशा व्यक्त की कि यह समितियां कॉलेज के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

समाजवादी बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी की महानगर कार्यकारिणी का गठन

■ **नवनियुक्त महानगर अध्यक्ष ने अपनी कार्यकारिणी की की घोषणा**

नोएडा, 12 जुलाई (देशबन्धु)। समाजवादी पार्टी की बाबा साहेब अंबेडकर वाहिनी उत्तर प्रदेश द्वारा नोएडा निवासी हरपाल सिंह को नोएडा का महानगर अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।.नव नियुक्त महानगर अध्यक्ष हरपाल सिंह द्वारा शनिवार को नोएडा मीडिया क्लब में एक प्रेसवार्ता की गई। प्रेस वार्ता के दौरान महानगर अध्यक्ष द्वारा अपनी कार्यकारिणी की घोषणा की गई। प्रेसवार्ता के दौरान हरपाल सिंह ने बताया कि उन्होंने नोएडा शहर के अलग-अलग इलाकों में रहने वाले 21 लोगों को अपनी कार्यकारिणी में जगह दी है। कार्यकारिणी में महेश कुमार को महासचिव के पद पर नियुक्त किया गया है,वहीं रविंद्र कुमार, सतवीर गौतम, नरेंद्र कुमार और कृष्ण कुमार को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है, रोहित कुमार कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे, वही महानगर अध्यक्ष द्वारा प्रेम सिंह, विनोद सागर ,अंगद कुमार, प्रवेश कुमार, गिरिराज, गीता देवी, सुरेश चंद्र, अभिषेक गौतम, रघुवीर सिंह, मनोज कुमार और दुष्यंत कुमार को सचिव नियुक्त किया है वही मानसिंह, रेखा शर्मा और पवन गौतम को महानगर अध्यक्ष द्वारा कार्यकारिणी सदस्य के तौर पर नियुक्त किया गया है। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता वीर सिंह यादव द्वारा सभी नवनियुक्त पदाधिकारी को नियुक्ति पत्र दिए गए, उन्होंने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी बाबा साहेब अंबेडकर वाहिनी अपना अहम किरदार निभाएगी। कार्यक्रम के दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेता वीर सिंह यादव समाजवादी, बाबा साहेब अंबेडकर वाहिनी के जिला अध्यक्ष हुकुम सिंह भारती, जयकरण चौधरी, लाल सिंह गौतम, सतबीर गौतम और हरपाल सिंह समेत समेत तमाम पार्टी कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

नोएडा पुलिस ने 100 मोबाइल असली मालिकों तक पहुंचाए

नोएडा, 12 जुलाई (देशबन्धु)। नोएडा पुलिस ने सर्विलांस की मदद से 100 फोनो को ट्रैक किया। उनको ढूंढा और असली मालिकों को आज सुपुर्द किया। ये काम नोएडा पुलिस के सर्विलांस सेल के सहयोग से किया गया। डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी और एडीसीपी हृदेश कठेरिया ने थाना फेज-2 में लोगों के गुम हुए अलग-अलग कंपनियों के 100 स्मार्ट मोबाइल फोन उनके मालिकों को दिए। डीसीपी ने बताया कि ये मोबाइल फोन भीड़-भाड़ वाले बाजारों, सब्जी व फलों की मंडियों व साप्ताहिक बाजारो में सामान खरीदते समय नीचे झुकने, बैठने व घक्का मुक्की में गिर गये थे। कुछ मोबाइल ऐसे भी है जो लोगों के यात्रा के दौरान मोबाइल ऑटो, टेक्सियो, बसों व मेट्रो ट्रेनो में छूट गए थे। बाइक चलाते समय ब्रेकर आने पर जेंबो से निकल कर गिर गये थे। ई-रिक्शा में यात्रा करते समय ब्रेकर आने पर गिर गए थे। खुले में काम करने वाले कारीगरों के काम समाप्त करने के बाद वही काम के दौरान छूट गये थे सार्वजनिक पार्क में खेलने के दौरान, व्यायाम करने के दौरान छूट गए थे।

■ **सर्विलांस सेल की ली मदद, ये अलग-अलग स्थानों से किए गए ट्रैस**

रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद सफायर ने किया कुशल्या आंगनबाड़ी केंद्र में समाजसेवी प्रोजेक्ट का आयोजन

गाजियाबाद, 12 जुलाई (देशबन्धु)। रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद सफायर ने कुशल्या गांव आंगनबाड़ी केंद्र में समाजसेवी प्रोजेक्ट का आयोजन किया। जिसमें क्लब की ओर से सभी महिलाओं को कैल्शियम टैबलेट्स, आयरन टैबलेट्स, एवं

कैल्शियम सिरप वितरित किए गए। साथ ही दीपा गर्ग के सौजन्य से दलिया और दाल के पैकेट्स भी महिलाओं को भेंट स्वरूप प्रदान किए गए। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष रिया गोयल, सचिव पूर्ति बंसल, और कोषाध्यक्ष अलका गर्ग सहित कुल 13 सदस्य उपस्थित रहे। यह आंगनबाड़ियां क्लब की ही सदस्य दीपा गर्ग एवं रक्तो का सिंघल द्वारा गोद ली गई हैं। इस अवसर पर बच्चों के लिए डेंटल टॉक का आयोजन किया गया, जिसमें क्लब की सदस्य एवं डॉक्टर पूर्ति बंसल ने बच्चों को दांतों की सफाई, ब्रश करने की विधि तथा दंत स्वच्छता से संबंधित आवश्यक जानकारियां दीं। साथ ही, क्लब की सदस्य डाइटीशियन अमीता गर्ग द्वारा गर्भवती महिलाओं एवं स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए पोषण संबंधी उपयोगी जानकारी साझा की गई। उन्हें बताया गया कि इस विशेष समय में क्या खाना चाहिए जिससे मां और बच्चे दोनों स्वस्थ रहें। सदस्य पारुल गोयल के सौजन्य से लगभग 100 बच्चों को रेनकोट वितरित किए गए, जिससे वे इस बरसात के मौसम में भी सुरक्षित रह सकें। इसके अतिरिक्त क्लब एवं सहयोगी सदस्यों की ओर से बच्चों को केले, बिस्किट, फ्रूटी, चिप्स आदि खाद्य सामग्री प्रदान की गई, जिससे उन्हें पोषण के साथ-साथ आनंद भी प्राप्त हो। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में जागरूकता बढ़ाते हुए से महिलाओं को कपड़े के थैले वितरित किए गए। प्लॉस्टिक के स्थान पर पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने का संदेश प्रमुखता से दिया गया। इसमें विशेष रूप से निशा गर्ग, रिंकी अग्रवाल, किरण गोयल, विनीता भार्गव, पारुल गर्ग, राधना आनन्द, चारु चंदाना, मनीषा गर्ग आदि उपस्थित रहीं और आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया। सभी सदस्यों ने मिलकर सेवा भावना के साथ इस प्रोजेक्ट को सफल बनाया।

आदित्य बिरला की इंद्रिया ज्वैलरी का खुला शो रूम

नोएडा, 12 जुलाई (देशबन्धु)। इस स्टोर के साथ ब्रांड ने इस क्षेत्र में अपना छठा स्टोर शुरू किया है, जो करोल बाग, साउथ एक्सटेंशन, राजौरी गार्डन, द्वारका और पीतमपुरा जैसे मौजूदा स्थानों की श्रृंखला में शामिल हो गया है। नोएडा के केंद्र में स्थित यह नया स्टोर ग्राहकों को एक संपूर्ण और गहराई से जुड़ा अनुभव देने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है, इसमें 'कारीगरी रूम' जैसी विशेष जगहें शामिल हैं। जहां शिल्पकला की सुंदरता को दर्शाया गया है। इस स्टोर में हाल ही में लॉन्च हुआ इंद्रिया का 'आस्मानियत'कलेक्शन भी उपलब्ध है। स्टोर में 5,000 से अधिक एक्सक्लूसिव डिज़ाइन्स और 20,000 से भी अधिक कलाकृतियां शामिल हैं, जो पारंपरिक हस्तकला और आधुनिक सोच का बेहतरीन मेल प्रस्तुत करती हैं। इस नई लॉन्च के साथ, इंद्रिया की उपस्थिति अब उत्तर, दक्षिण, पश्चिम और पूर्व भारत में कुल 27 स्टोर्स तक पहुंच चुकी है। इसमें दिल्ली में 6, हैदराबाद में 4, मुंबई और पुणे में 3-3, अहमदाबाद, जयपुर और पटना में 2-2, तथा इंदौर, सूरत, लखनऊ, विजयवाड़ा और ओडिशा में 1-1 स्टोर शामिल हैं। यह विस्तार न केवल इंद्रिया की बढ़ती पहुंच को दर्शाता है, बल्कि बारीकी से तैयार किए गए आभूषणों को उपभोक्ताओं तक सुलभ बनाने के प्रति ब्रांड की प्रतिबद्धता को भी उजागर करता है। इंद्रिया के सीईओ संदीप कोहली ने कहा कि इंद्रिया न केवल व्यक्तित्व का उत्सव मनाता है, बल्कि उस समृद्ध सांस्कृतिक ताने-बाने और कलात्मक विरासत को भी सम्मान देता है जो उसे आकार देती है।

नारी अबला नहीं, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा सकार होता नहीं दिखा : सीमा परिहार

नोएडा, 12 जुलाई (देशबन्धु)। नारी अबला नहीं अपने पर आ जाए तो सब कुछ कर सकती है। नारी को खुद को सकक्षम बनना होगा। अभी राजनीति में नहीं आऊंगी।

साथ मिला और आगे तय होगा क्या करना है। ये बात दस्यु सुंदरी सीमा परिहार ने कही। उनको भारतीय किसान यूनियन (एस) की महिला मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया। ये पीडीएमएम (पिछड़ा , दलित , मुस्लिम मोर्चा) का एक संगठन है। इस गठबंधन में सात से ज्यादा पार्टियां है। सीमा परिहार ने कहा कि अब मैं किसी के दबाव में नहीं हूं। गांव में जाकर महिलाओं और लोगों से बातचीत करुंगी। उनकी समस्याओं को समझने का प्रयास करुंगी। उन्होंने कहा कि आज के समय में बाबा अपनी पोती का रेप कर रहा है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा दिया गया लेकिन वो साकार होता नहीं दिख रहा है। इसमें कुछ गलतियां हमारी भी है। हर बेटी के मां बाप को सक्षम होना चाहिए। बेटियों को सक्षम होना चाहिए।

मेरठ साउथ नमो भारत स्टेशन पर खुले खाद्य व पेय आउटलेट्स

गाजियाबाद, 12 जुलाई (देशबन्धु)। एनसीआरटीसी ने नमो भारत कॉरिडोर पर यात्री सुविधाओं में बढ़ोत्तरी की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, अब मेरठ साउथ स्टेशन पर भी यात्रियों के लिए कोका कोला हैप्पीनेस स्टेशन, अमूल और दी-रैपिड कैफे तीन खाद्य एवं पेय (एफ एंड बी) आउटलेट्स की शुरूआत की है। यात्री यहां स्वादिष्ट स्नैक्स और उच्च गुणवत्ता वाले पेय पदार्थों का लुत्फ उठा सकते हैं।

एनसीआरटीसी के प्रवक्ता पुनीत वत्स ने बताया कि नमो भारत कॉरिडोर पर इससे पहले साहिबाबाद, गाजियाबाद, आनंद विहार और दुहाई जैसे प्रमुख स्टेशनों पर खाद्य एवं पेय (एफ एंड बी) आउटलेट्स पहले से ही उपलब्ध हैं। अब मेरठ साउथ स्टेशन पर इन खाद्य एवं पेय (एफ एंड बी) आउटलेट्स के खुलने के साथ ही यह स्टेशन यात्रियों के लिए और अधिक सुविधाजनक बन गया है। ये सभी आउटलेट्स स्टेशन के कॉनकोर्स लेवल के नॉन रेवेन्यू एरिया में स्थित हैं। इसके साथ ही यहां भविष्य में अन्य प्रतिष्ठित ब्रांड्स के आउटलेट्स शुरू करने की भी योजना है। उन्होंने बताया कि एनसीआरटीसी द्वारा इन खाद्य एवं पेय (एफ एंड बी) आउटलेट्स ब्रांड्स के साथ की गई यह रणनीतिक साझेदारी, यात्रियों और स्थानीय निवासियों को विश्वसनीय, स्वादिष्ट और सुरक्षित खाद्य उत्पाद उपलब्ध कराने की दिशा में एक अहम प्रयास है। इन आउटलेट्स पर लस्सी, बटरमिल्क, आइसक्रीम, घी, दूध, चॉकलेट्स, प्रोटीन ड्रिंक, जूस, फ्रेश स्वीट्स के साथ-साथ बर्गर, वेज रोल्स और पिज्जा जैसे ताज़े फास्ट फूड-स्नैक्स व विभिन्न प्रकार के पेय पदार्थ उपलब्ध हैं।

एनसीआरटीसी का प्रयास है कि नमो भारत से यात्रियों के लिए यात्रा को सिर्फ तेज और सुरक्षित ही नहीं, बल्कि सुविधाजनक और संतुलित भी बनाया जाए। इसी उद्देश्य के तहत अन्य एफएमसीजी और फूड ब्रांड्स के आउटलेट्स को भी स्टेशनों के पेड व नॉन पेड एरिया में स्थान देने की प्रक्रिया चल रही है। आने वाले समय में स्टेशनों पर फास्ट फूड चेन, कैफे, कॉन्विनियंस स्टोर्स, फार्मेसी, रिफ्रेशमेंट स्टॉल, बुकस्टोर और लाइफस्टाइल प्रोडक्ट्स के आउटलेट्स भी दिखाई देंगे।

ग्रेटर गाजियाबाद बनने से नहीं बुनियादी सुविधाओं से खोड़ा का विकास होगा : ब्रह्मेश्वरनाथ मिश्रा

■ **मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद लोग विरोध जताने लगे**

खोड़ा, 12 जुलाई (देशबन्धु)। खोड़ा का विकास पेयजल सीवर स्कूल अस्पताल पार्क श्मशान घाट बारात घर आदि बुनियादी सुविधाएं मिलने के बाद होगा। ग्रेटर गाजियाबाद में शामिल करने पर विकास कार्य प्रभावित होगा। पंद्रह दिन पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गाजियाबाद आगमन के दौरान खोड़ा लोनी मुरादनगर नगर पालिका परिषद को सम्मिलित करके ग्रेटर गाजियाबाद बनाने पर लोग मुखर होकर विरोध जताने लगे है। लोगो का मानना है कि अभी चंद वर्ष पहले ही खोड़ा लोनी और मुरादनगर को नगर पालिका परिषद का दर्जा मिला। अनियोजित और अवैध कॉलोनी के नाम पर अभी कॉलोनियों में बुनियादी सुविधाएं भी नहीं मिली है। शासन की तरफ से इन्हें नगर निगम में सम्मिलित करने की योजना बनाई जाने लगी। गाजियाबाद शहर काफी विकसित हो चुका है। खोड़ा लोनी मुरादनगर जैसे क्षेत्रों को गाजियाबाद के विकास से तुलना अनुचित है। खोड़ा लोनी मुरादनगर और गाजियाबाद आर्थिक भौगोलिक शैक्षणिक किसी रूप में समानांतर नहीं है। गाजियाबाद जिला पहले अपराध के गढ़ के रूप में जाना जाता था। लेकिन अब विकसित होकर औद्योगिक और शिक्षा क्षेत्र में पहचान बनाई है। रिहाइश के लिए दिल्ली के समीप होने की वजह से लोगो को पसंद है। परन्तु खोड़ा मुरादनगर लोनी की पारिस्थितिकी गाजियाबाद शहर से बिल्कुल भिन्न और विपरीत है। जहां एक तरफ शासन की ओर से जिला तहसील नगर पालिका परिषद नगर पंचायतों का गठन करके विभिन्न क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। वहीं ग्रेटर गाजियाबाद के गठन से राजनीतिक समीकरण बिगड़ने के साथ साथ राजनीतिक प्रतिद्वंदिता बढ़ेगी। विकास की रफ्तार थम जाएगी। जिन क्षेत्रों में तीन चार निकाय होने के बावजूद विकास अधूरा है वहां एक सिंगल बॉडी के लिए विशाल क्षेत्र का समुचित विकास करना कैसे संभव हो सकेगा। वयोवृद्ध समाजसेवी ब्रह्मेश्वरनाथ मिश्रा का कहना है कि खोड़ा को पेयजल सीवर अस्पताल स्कूल बारातघर श्मशान घाट चाहिए। लोग पेयजल के लिए तरस रहे है। शासन स्तर से विकास के खोखले स्वप्न गढ़े जा रहे है बारह लाख की आबादी के अंतर्गत महिलाएं युवा बुजुर्ग कंधे और साइकिल स्कूटी पर बोतलबंद पानी ढो रहे है।

मुख्यमंत्री द्वारा गाजियाबाद आगमन के दौरान पहले दो बार खोड़ा को मंच से पाइपलाइन द्वारा गंगाजल देने की घोषणा कर चुके है। उनका कहना है कि ऐसा लगता है कि पिछले नगर निकाय चुनावों के दौरान भाजपा की हुई पराजय के कारण शासन स्तर से विकास को विराम देने की योजना पर कार्य किया जा रहा है।

उवाच

कार्यों के संबंध में जारी होने वाली आरएफपी में एक प्री-बिड मीटिंग की की व्यवस्था का प्रविधान प्राधिकरण स्तर से जरूर किया जाए। जीएन सिंह द्वारा एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग में मेडिकल डिवाइसेज पार्क प्रमोशनल कौंसिल के कार्यालय के साथ साथ इंडियन फ़ार्माकोपोइया कमीशन व डिप्टी ड्रग्स कंट्रोलर तथा स्टेट लाइसेंसिंग अथॉरिटी को भी जगह उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया : **अवनीश अवस्थी, मुख्यमंत्री सलाहकार।**

मेडिकल डिवाइस पार्क की 15 जुलाई से 15 अगस्त तक तैयार करना होगी प्रगति रिपोर्ट

- **मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, जीएन सिंह ने प्राधिकरण अधिकारियों के साथ एमडीपी का किया दौरा**
- **जिन आवंटियों ने लीजप्लान के बाद निर्माण कार्य नहीं शुरू कर रहे हैं उनसे मांगा जाएगा कार्य योजना का प्रस्ताव**

ग्रेटर नोएडा,12 जुलाई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी व स्वास्थ्य सलाहकार जीएन सिंह द्वारा शनिवार यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण के सेक्टर-28 स्थित मेडिकल डिवाइसेज पार्क का दौरा किया गया। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह द्वारा दोनों अधिकारियों का स्वागत किया तथा 350 एकड़ में विस्तारित उत्तर प्रदेश सरकार की इस महत्वकांशी मेडिकल डिवाइसेस पार्क परियोजना की प्रगति से अवगत कराया गया। उल्लेखनीय ही कि भारत सरकार के सहयोग से यीडा में विकसित किया जा रहा मेडिकल डिवाइसेस पार्क देश में सबसे बड़ा है। बैठक में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी कपिल सिंह द्वारा अवगत किया गया कि प्राधिकरण द्वारा अभी तक 89 भूखंडों का आवंटन किया जा चुका है, जिनमें से 65 आवंटियों को चेक लिस्ट जारी हो चुकी है तथा 47 अवंटियों द्वारा रजिस्ट्री करवा दी गई है, 10 अवंटियों द्वारा बिल्डिंग मैप मंजूर हो चुके हैं, 7 कंपनीज द्वारा स्थल पर निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इस पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने परियोजना विभाग को अगले 1 सप्ताह में सभी 89 आवंटियों के लीज प्लान तैयार करने के निर्देशित दिए गए।

भारत सरकार के योजना के अनुसार कॉमन साइंटिफिक फैसिलिटीज की बिल्डिंग का कार्य अंतिम चरण में है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया की लीज डीड व कब्जा के बाद भी कई कंपनीज द्वारा कंस्ट्रक्शन का कार्य प्रारंभ नहीं करवाया गया है, उस पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है तथा सभी से डीपीआर के अनुसार कार्ययोजना मांगी गई है। बैठक में अवनीश अवस्थी द्वारा निर्देशित किया गया की कार्यों के संबंध में जारी होने वाली आरएफपी में एक प्री-बिड मीटिंग की की व्यवस्था का प्रविधान प्राधिकरण स्तर से जरूर किया जाए। जीएन सिंह द्वारा एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग में मेडिकल डिवाइसेज पार्क प्रमोशनल कौंसिल के कार्यालय के साथ साथ इंडियन फ़ार्माकोपोइया कमीशन व डिप्टी ड्रग्स कंट्रोलर तथा स्टेट लाइसेंसिंग अथॉरिटी को भी जगह उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया। बैठक में डॉ. अजय सचान, डिप्टी ड्रग कंट्रोलर, डॉ. सेल्वराजन, निदेशक व साइंटिफिक ऑफ़िसर (आईपीसी) तथा स्टेट ड्रग कंट्रोलर द्वारा भी प्रतिभाग किया गया। इससे कंपनीज को विभिन्न लाइसेंसेज, डिवाइसेज सेफ्टी सर्टिफिकेट, आईएसओ सर्टिफिकेट व ट्रेनिंग में सहायता मिलेगी। बैठक में कई कंपनीज के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे तथा उनके द्वारा बनाए जाने जाने वाले प्रोडक्स के संबंध में जानकारी दी गई। शरद जैन, मैसर्स कृष मेडिकोज़ द्वारा लोन की आवश्यकता के संबंध में अवगत कराया गया, जिस पर अवस्थी द्वारा प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देशित किया गया की अलॉटी को बैंक से लोन दिलाने में हर संभव सहायता की जाए। मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा उपस्थित आवंटियों से के कॉमन साइंटिफिक सेंटर में उनके लिए आवश्यक फैसिलिटीज की जानकारी ली गई। मेसर्स एवियंस बायोमेडिकल्स द्वारा 22 करोड़ इन्वेस्टमेंट किया जा रहा है तथा 80000 वर्गमीटर में बन रही मैसर्स स्योन मेड टेक द्वारा करीब 80 करोड़ के इन्वेस्टमेंट से फैक्ट्री सेट अप की जा रही है जिसकी टेक्नोलॉजी यूएसए से ली जा रही है तथा इनके प्रोडक्ट अभी 22 देशों में एक्सपोर्ट किए जा रहे हैं। अवस्थी द्वारा निर्देशित किया गया की आज 15 जुलाई है, 15 अगस्त तक प्रोग्रेसिव रिपोर्ट तैयार करें। बैठक में मुख्य कार्यपालक अधिकारी सहित प्राधिकरण के अन्य अधिकारी कपिल सिंह, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, शैलेंद्र भाटिया विशेष कार्याधिकारी, शैलेंद्र कुमार सिंह विशेष कार्याधिकारी, प्रवीण मित्तल, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एमडीपी प्रमोशनल कौंसिल, राजेंद्र भाटी महा प्रबंधक परियोजना, मेहराम सिंह विशेष कार्याधिकारी, चीफ इंजीनियर यूपीपीसीएल, स्मिता सिंह एजीएम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रीन बेल्ट में अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई शुरू

ग्रेटर नोएडा,12 जुलाई (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने ग्रीन बेल्ट में अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। शनिवार को जैतपुर-वैशपुर की ग्रीन बेल्ट मैं हो रहे अवैध निर्माण को उद्यान विभाग की टीम ने तोड़ दिया और दोबारा निर्माण करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। दरअसल सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर ओएसडी गुंजा सिंह ने ग्रीन बेल्ट में अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई के लिए अभियान शुरू किया है। उन्होंने उद्यान विभाग की टीम को निर्देश दिए हैं कि ग्रेटर नोएडा के किसी भी ग्रीन बेल्ट में अतिक्रमण दिखे तो उसे तत्काल तोड़ने की कार्रवाई करें। उन्होंने यह भी चेतावनी दी है कि किसी भी ग्रीन बेल्ट में नया अवैध निर्माण होता पाया गया तो उद्यान विभाग के संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के कड़ी खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

■ **उद्यान विभाग ने जैतपुर- वैशपुर की ग्रीन बेल्ट में अतिक्रमण को तोड़ा**

कूड़े का प्रबंधन न करने पर कंपनी पर 40 हजार रुपए का जुर्माना

ग्रेटर नोएडा,12 जुलाई (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने कूड़े का उचित प्रबंध न करने वाले बल्क वेस्ट जेनरेटरों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक चेतराम सिंह ने बताया कि विभाग की टीम ने शनिवार को सेक्टर ईकोटेक 3 स्थित स्टेरिआन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड पर 40,500 का जुर्माना लगाया है। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट 2016 रूल के अनुसार पुणे को प्रक्रिया न करने पर स्वास्थ्य विभाग के निरीक्षक संजीव विधूड़ी और उनकी टीम ने यह कार्रवाई की है। जुर्माने की रकम तीन कार्य दिवस में जमा करने के निर्देश दिए गए। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने सभी बल्क वेस्ट जनरेटरों से कूड़े का उचित प्रबंधन करने और ग्रेटर नोएडा को स्वच्छ शहर बनाने में सहयोग की अपील की है।

कीटनाशक दवा से बेहोश हुआ किसान

रबूपुरा,12 जुलाई (देशबन्धु)। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत फसल में कीटनाशक दवा का छिड़काव करते समय एक किसान बेहोश हो गया। मौके पर पहुंचे परिजनों ने जेवर के निजी अस्पताल भर्ती कराया है। जहां उस की हालत गंभीर बनी हुई है। गांव नगला भटोना निवासी किसान के पुत्र अंकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि उसके पिता हरि सिंह शनिवार की सुबह अपनी ईख की फसल में कीटनाशक दवा का छिड़काव करने के लिए गए थे। छिड़काव जे दौरान सांस लेते समय दवा चढ़ाने से उनकी तबीयत हुई और वह बेहोश होकर वही गिर पड़े। आस-पास काम कर रहे लोगो से जानकारी होने परिजन मौके पर पहुंचे और किसान को जेवर के कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया। आईसीयू वार्ड में भर्ती किसान की हालत गंभीर बताई जा रही है।

अदालत के आदेश पर फाइनेन्स कंपनी व बिल्डर के खिलाफ मुकदमा दर्ज

ग्रेटर नोएडा, 12 जुलाई (देशबन्धु)। सूरजपुर कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को कोर्ट के आदेश पर फ्लैट दिलाने के नाम पर निवेशक से हुई धोखाधड़ी के मामले में बिल्डर और फाइनेंस कंपनी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आगरा निवासी वीरेंद्र कुमार भारती का कहना है कि वर्ष-2016 में अपने परिवार के लिए ग्रेटर नोएडा के सेक्टर ईटा-2 स्थित मिगसन विन परियोजना में फ्लैट बुक कराया था। बिल्डर कंपनी मैसर्स एसजेपी एंड रिसॉर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और इसके निदेशक सुनील मिगलानी व राजेश्वर शर्मा ने दावा किया था कि 16 जून 2020 तक फ्लैट का कब्जा मिल जाएगा। फ्लैट की कुल कीमत करीब 31 लाख रुपए तय हुई थी। लेकिन पीड़ित के अनुसार उसने अब तक करीब 36 लाख 61 हजार 40 रुपए बिल्डर को अदा कर दिए हैं। इसके बावजूद न तो बिल्डर ने कंप्लीशन सर्टिफिकेट दिया और न ही फ्लैट का कब्जा। कंपनी ने बाद में फ्लैट की कीमत बढ़ी हुई बताकर 9.50 लख रुपए की अतिरिक्त मांग की। पीड़ित ने आईआईएफएल फाइनेंस लिमिटेड से 25 लाख रुपए का होम लोन लिया था। लेकिन बिल्डर की मिलीभगत से फाइनेंस कंपनी ने अचानक जनवरी 2025 में बिना सूचना और सहमति के पीड़ित का लोन खाता बंद कर दिया। जब आपत्ति जताई तो शाखा प्रबंधक ने बताया कि बिल्डर यह फ्लैट किसी और को ऊंची कीमत पर बेचना चाहता है। पीड़ित के अनुसार जब वह बिल्डर के दफ्तर गया तो वहां मौजूद बाउंसरों ने उसे धमकाकर भगा दिया और कहा कि फ्लैट किसी और को बेचा जाएगा।

बिल्डर द्वारा जबरन जमीन पर कब्जा करने का आरोप

रबूपुरा,12 जुलाई (देशबन्धु)। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत बिल्डर द्वारा बगैर मुआवजा लिए किसानों की जमीन पर जबरन कब्जा करने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित किसानों ने स्थानीय पुलिस पर बिल्डर से साठ-गांठ कर किसानों से अभद्रता, मारपीट व मोबाइल छीनने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री से न्याय की गुहार लगाई है। सीएम पोर्टल के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजे पत्र के मुताबिक गांव रौनीजा निवासी किसान जगदीश, श्रीचंद, अमरेश, प्रमोद, राजेश आदि का आरोप है कि गांव स्थित भूमि गाटा संख्या 63 का कोई मुआवजा (प्रतिकर) नहीं लिया गया है तथा पशुपालन कर जीवन यापन का जरिया है।

बिल्डर ने स्थानीय पुलिस की मदद से पशुओं के चारे को तहस नहस कर दिया है। आरोप है कि किसानों के विरोध करने पर पुलिसकर्मियों ने किसानों से गाली गलौज की और उन्हें थाने बुलाकर एक कमरे में बंद कर दिया और एक सिपाही द्वारा मारपीट कर मोबाइल छीन लिए। किसानों के मुताबिक उपरोक्त जमीन का मुआवजा नहीं लिया गया है तथा मामले की मा0 उच्च न्यायालय ने याचिका विचाराधीन है। पीड़ित किसानों ने मुख्यमंत्री से मामले की जांच कराने व दोषियों के खिलाफ कारवाई की मांग की है। उधर सूत्रों के दावे अनुसार राजनैतिक चापलूसी के चलते कोतवाली में लंबे समय से तैनात सिपाही द्वारा भाजपा बूथ प्रभारी, किसानों समेत लोगों से अभद्रता करने के कई मामले सामने आ चुके हैं तथा अनेकों बार अवैध उगाही के भी आरोप लगे हैं लेकिन शिकायत के बावजूद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।

■ **पुलिस ने की किसानों से अभद्रता, मोबाइल छीने, जमीन खाली करने का बना रही दबाव**

शिक्षक संघ मेरठ मंडल के उमेश राठी निर्विरोध अध्यक्ष व अंजू शर्मा बनी महामंत्री

ग्रेटर नोएडा,12 जुलाई (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ मेरठ मण्डल का त्रिवार्षिक अधिवेशन/निर्वाचन आईआईएमटी कॉलेज ग्रेटर नोएडा में संपन्न हुआ। सभी जनपदों के नामांकन प्राप्त होने के उपरांत ब्लॉक दनकौर के जूनियर हाई स्कूल खानपुर में कार्यरत शिक्षक उमेश राठी (गौतम बुद्ध नगर) को मेरठ मंडल अध्यक्ष, अंजू शर्मा (मेरठ) को महामंत्री, विमल कुमार शर्मा (बुलंदशहर) को कोषाध्यक्ष, शीतल कुमार त्यागी (मेरठ) को मंत्री, भरत कुमार (बुलंदशहर) को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अनिल कुमार (बुलंदशहर) को उपाध्यक्ष, कृष्ण कुमार शर्मा (गौतम बुद्ध नगर) को उपाध्यक्ष, रतन पाल सिंह (मेरठ) उपाध्यक्ष, मनीष कुमार (मेरठ) उपाध्यक्ष, किरण कुशवाहा (गौतम बुद्ध नगर) उपाध्यक्ष, सतीश चंद्र (गौतमबुध नगर) उपाध्यक्ष, दीपक बालियान (गौतमबुद्ध नगर) संयुक्त मंत्री, ज्ञानचंद (गौतम बुद्ध नगर) संयुक्त मंत्री चुना गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के राष्ट्रीय/प्रांतीय अध्यक्ष योगेश त्यागी ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रांतीय महामंत्री नरेश कौशिक भी मौजूद रहें। निर्वाचन के पर्यवेक्षक के रूप में प्रांतीय उपाध्यक्ष देवेंद्र सारस्वत (मथुरा) एवं विनोद पंवार अध्यक्ष सहारनपुर मंडल उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष योगेश त्यागी ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई दी। और सभी से संघठित होकर शिक्षकों के हित में सदैव तत्पर रहने को कहा।

अधिवेशन के बाद प्रांतीय महामंत्री ने भी नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई दी तथा सभी को संघठन पद की शपथ ग्रहण करायी। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष मनोज नागर, ब्लॉक महामंत्री पम्मी मलिक ने किया।

NAME CHANGE

I, REENU W/O JAIVINDAR KHARI R/O KHAIRPUR GURJAR POST BISRAKH G.B. NAGAR U.P 203207 HAVE CHANGED MY NAME TO RAINU KHARI FOR ALL FUTURE PURPOSES.

LOST AND FOUND

It is Publicly informed that Mr. Mahesh Kumar S/o Mr. Dharam Pal Singh rio Residential Vacant plot no. 8 area measuring 40 sq. yds. i.e.33.44 sq. mtr. Out of Khet no. 497, Situated at Village Kulesara, Pargana Dadri, Tehsil & District Gautam Budh Na-gar, as vide doc. no. 12000, book no.1, volume no. 41113, page no. 365-400, dated 31.05.2022, SRO-Sadar, Greater Noida, his absolute owner also we will be confirmed that in the subject property prior chain original/copy Sale Deed 2019 is mussing also no such legal dispute in the subject property if any person found pis contact below..Mahesh kumar Mob no: 9910973042

ग्रामीणों को जनसंख्या नियंत्रण के लिए किया गया जागरूक

ग्रेटर नोएडा,12 जुलाई (देशबन्धु)। दिवस विश्व जनसंख्या दिवस के तहत नट की मढैया गांव में स्वाभिमान टीम द्वारा होंडा इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से एक विशेष जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिम्स अस्पताल की डॉक्टर और स्थानीय आशा कार्यकर्ता भी उपस्थित रहीं। जिला बाल विकास परियोजना अधिकारी संध्या सोनी ने बताया कि इस अवसर पर ग्रामीण महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया और परिवार नियोजन विषयक जानकारी हासिल की। जिम्स की डॉक्टर ने महिलाओं को अस्थायी व स्थायी गर्भनिरोधक उपायों की जानकारी दी और यह भी बताया कि ये सभी सुविधाएं सरकारी अस्पतालों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों पर नि:शुल्क उपलब्ध हैं। कार्यक्रम में समूह गतिविधियों के माध्यम से छोटा परिवार, सुखी परिवार की अवधारणा को सरल भाषा में समझाया गया। साथ ही, इच्छुक महिलाओं को मौके पर ही गर्भनिरोधक साधन भी वितरित किए गए। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित कर प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया और स्वाभिमान टीम ने सभी सहभागियों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

डाढ़ा गोलचक्कर के पास सड़क धंसी, किसी समय हो सकता है हादसा

ग्रेटर नोएड़ा, 12 जुलाई (देशबन्धु)। सदर तहसील के नजदीक डाढ़ा गोलचक्कर के पास एक सड़क अचानक धंस गई। इस सड़क पर से रोजाना भारी संख्या में वाहन और लोग गुजरते है। लेकिन हाल ही में सड़क धंसने के कारण वाहनों और रोजाना गुजरने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क धंसने के कारण वहां गड्ढ़ा बन गया है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि कुछ दिनों से सड़क के नीचे हल्की दरारें दिख रही थीं, लेकिन समय रहते मरम्मत नहीं की गई। अब सड़क का हिस्सा पूरी तरह से धंस चुका। लोगों का कहना है कि कई बार अधिकारियों को जानकारी दी गई, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। लोगों का कहना है, यदि पहले समय पर मरम्मत हो गई होती तो, आज ये घटना नहीं हो पाती।

इस मार्ग से स्कूल बस, ऑटो, बाइक, कार और अन्य भारी वाहन भी गुजरते हैं, जिससे खतरा और बढ़ गया है। फिलहाल सड़क के उस हिस्से पर कोई चेतावनी बोर्ड, बैरिकेडिंग नहीं लगाए गए हैं, जिससे राहगीरों को जानकारी मिल सके। इससे अनजान लोग वहां से गुजरते समय हादसे का शिकार हो सकते हैं।

पत्र नहीं मित्र देशबन्धु

पश्चिमी उतर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय 209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा

समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें

खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता

फोन:- 0120-4270009

देशबन्धु

समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें

क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा

Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises

सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें

नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता

Mob.: 9910280173

Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

मूसलाधार बारिश ने शहर के जल निकासी व्यवस्था की खोली पोल

■ **सेक्टर बीटा-एक व डेल्टा-एक आदि सेक्टर में भारी जलभराव**

ग्रेटर नोएडा,12 जुलाई (देशबन्धु)। शनिवार को हुई मूसलाधार बारिश ने शहर की जल निकासी व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी। खासकर बीटा-1, दो व डेल्टा-एक आदि सेक्टर में बारिश के तुरंत बाद ही भारी जलभराव देखने को मिला, जिससे स्थानीय लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बीटा-1 सेक्टर की सड़कें पानी में डूब गईं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को घंटों तक परेशान होना पड़ा। जलभराव के चलते कई दोपहिया वाहन बंद हो गए और लोग पैदल ही कीचड़ और पानी से भरी गलियों से गुजरने को मजबूर हो गए।

हालांकि एक ओर जहां बड़ों को इस जलभराव से खासी दिक्कत हुई, वहीं दूसरी ओर छोटे-छोटे बच्चों के लिए यह बारिश मौज-मस्ती का मौका बन गई। बच्चे पानी में खेलते, उछलते-कूदते नजर आए और बारिश का आनंद लेते दिखाई दिए। लेकिन इस पूरी स्थिति ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की तैयारियों की पोल खोल दी है। मानसून से पहले विकास और जल निकासी व्यवस्था को लेकर बड़े-बड़े दावे किए गए थे, मगर हकीकत महज एक बारिश में ही उजागर हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि बीटा-1 सेक्टर में हर साल बरसात के मौसम में यही हालात बनते हैं, लेकिन इसके स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।अब लोग प्राधिकरण से मांग कर रहे हैं कि जल निकासी की व्यवस्था को सुधारने के लिए जल्द कदम उठाए जाएं, ताकि आने वाले दिनों में और ज्यादा परेशानी न उठानी पड़े। ऋषि पाल आर डब्ल्यूए डेल्टा-एक ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों बारिश से पहले मौजूदा ठेकेदार पानी की निकासी के लिए ड्रेन की सफाई करते थे, लेकिन अब मौके पर ड्रेन की सफाई नहीं होती है अब तो एक या दो फोटो लिया और फाइल में लगा दिया और फिर कागजों में ही बिल बन जाता है।

आरोप है कि प्राधिकरण के सीनियर अधिकारियों से लेकर सुपरवाइजर तक का कमिशन बंधा हुआ होता है। इसलिए जगह-जगह सेक्टर में जल भराव की स्थिति बनी हुई है।

विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों व समाज के प्रति किया गया जागरूक

ग्रेटर नोएडा, 12 जुलाई (देशबन्धु)। केसीसी इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल एंड हायर एजुकेशन, ग्रेटर नोएडा में शनिवार को संस्थान का चतुर्थ दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ। समारोह की अध्यक्षता पद्मश्री प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा, कुलपति, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय ने की। उन्होंने अपने संबोधन में शिक्षा, नैतिक मूल्यों और समाज के प्रति जिम्मेदारी पर बल देते हुए छात्रों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में प्रो. भारत भास्कर, निदेशक, भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम), अहमदाबाद, उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में प्रबंधन, नेतृत्व और नवाचार की भूमिका पर प्रकाश डाला। विशिष्ट वक्ता आर.के. राय, अतिरिक्त विकास आयुक्त, भारत सरकार, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय थे, जिन्होंने अपने बहुआयामी अनुभवों को साझा करते हुए एमएसएमई क्षेत्र में हो रहे तकनीकी और नीतिगत परिवर्तनों की जानकारी दी। राय ने तकनीकी केंद्र योजनाओं और उद्यमिता विकास की दिशा में हो रहे कार्यों पर भी विस्तृत प्रकाश डाला। इस अवसर पर बिश्वजीत भट्टाचार्य (आईबीएम इंडिया), विवेक नारायण शर्मा (एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड, सुप्रीम कोर्ट), डॉ. नीलम त्यागी (प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय), डॉ. उपमा गौतम (प्रोफेसर, यूएसएलएलएस, जीजीएसआईपीयू), सुनील मिर्जा (महाप्रबंधक, हिंदू ग्रुप), प्रदीप बागची (डिप्टी एडिटर, टाइम्स ऑफ इंडिया), प्रो. (डॉ.) ध्रुबज्योति पाटी (निदेशक, इंडिया टुडे मीडिया इंस्टिट्यूट), रजत वधन (सीईओ, एग्रोनेक्स्ट)। संस्थान के चेयरमैन श्री दीपक गुप्ता ने स्वागत किया और दीक्षांत समारोह के आयोजन को संस्थान की उपलब्धियों की प्रतीक बताया।

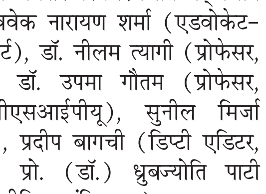

फिजियोथेरेपी के छात्र से पुलिसकर्मी पर रोडरेज में फोन छीनने का लगाया आरोप

दनकौर,12 जुलाई (देशबन्धु)। दनकौर कस्बा निवासी एक फिजियोथेरेपी के छात्र से शुक्रवार देर शाम कोतवाली में तैनात एक पुलिसकर्मी ने रोडरेज में फोन छीन लिया और छात्र को जेल भेजने की धमकी देकर भगा दिया। शनिवार सुबह पीड़ित छात्र अपने पिता के साथ कोतवाली पहुंचा और चौकी प्रभारी से घटना की शिकायत की। इसके बाद प्रभारी ने छात्र को को फोन वापस कर घर भेज दिया। पीड़ित छात्र अंकुश ने बताया कि वह एक निजी यूनिवर्सिटी में फिजियोथेरेपी की पढ़ाई कर रहा है। उसके पिता कस्बे में होटल संचालक का काम करते हैं। वह देर शाम अपनी कार लेकर कोतवाली के पास से गुजर रहा था। तभी सामने से पुलिस की गाड़ी आ गई। पुलिस की गाड़ी में सवार पुलिसकर्मी ने छात्रा से गाड़ी पीछे हटाने के लिए कहा, लेकिन गाड़ी हटाने के लिए पीछे और साइड में अन्य वाहनों के चलते जगह नहीं थी। जब उसने गाड़ी नहीं हटाई तो एक पुलिसकर्मी ने छात्र को कार से उतारकर उसके बाल खींचकर गाली गलौज की और फोन छीन लिया।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी 2 सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जपनद गौतमबुद्धनगर-201308 उ0प्र0

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम निलौनी शाहपुर में उप जिलाधिकारी सदर से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र सं० 267/एस०टी० एस०डी०एम०/2017 दिनांक 18.05.2017 स्व० प्रेमपाल पुत्र भोजराज निवासी ग्राम रोनीजा परगना व तहसील जेवर, जिला गौतमबुद्धनगर की मृत्यू दिनांक 29.12.2012 को हो चुकी है, मृतक के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम निम्न प्रकार दर्ज किया जाना प्रस्तावित है–

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काशतकार का नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग	विशेष
निलौनी शाहपुर	245	स्व0 प्रेमपाल पुत्र भोजराज निवासनी ग्राम रोनीजा परगना व तहसील जेवर, जिला गौतमबुद्धनगर	श्रीमती रामवती	पत्नी	52 वर्ष	विधवा

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अदंर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर उनके पारिवारिक सदस्यों के नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड, 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर या प्राधिकरण द्वारा अन्य अनुमन्य लाभ संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार

यमुना एक्सप्रेसवे औ0 वि0 प्राधिकरण

साहित्य

एस आर हरनोट : हिमाचली लोक जीवन के अनूठे गायक

कहानी

■ अह

राकेशरेणु

एस.आर. हरनोट का नाम हिन्दी के महत्वपूर्ण कथाकारों में शामिल है । उन्होंने हिमाचल के ग्रामीण जीवन, लोक संस्कृति, परंपराओं, मान्यताओं को अपनी कहानी तथा उपन्यास का विषय बनाया है । हिमाचल के पहाड़ी जनजीवन की जटिलताओं, संबंधों में पैबस्त स्वार्थ व कुटिलता और हितों के टकराव की कथा आख्यानों में पिरोकर कहने का कौशल जैसा हरनोट में है वैसा हिमाचल के किसी अन्य कथाकार में नहीं। किंवदंतियाँ, लोक कथाएँ और आख्यान न केवल उनकी कथा रचना को शक्ति और परिप्रेक्ष्य देते हैं बल्कि उसमें सहजता, प्रवाह व ज़रूरी तनाव भी भरते हैं। कथा साहित्य, ख़ास तौर पर औपन्यासिक कृति में ये तीनों तत्व गतिशीलता और पठनीयता के लिए ज़रूरी हैं। इसके साथ ही, उपन्यास में आरंभिक पृष्ठों का रचाव और कसाव सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है।

हरनोट से पहले हिमाचल प्रदेश में जन्मे अथवा वहाँ रह कर लेखन करने वाले नामचीन कथाकारों की एक लंबी श्रृंखला है जिसकी शुरूआत चंद्रधर शर्मा गुलेरी से हुई मानी जाती है। हिन्दी जगत को उसकी पहली कहानी 'उसने कहा था' देने का श्रेय गुलेरी जी को ही प्राप्त है । उनके बाद यशपाल का नाम उल्लेखनीय रूप से लिया जाता है। निर्मल वर्मा और रस्किन बांड आदि का संबंध भी हिमाचल प्रदेश से रहा है, भले ही वे दिल्ली अथवा देहरादून जैसी जगहों पर बसकर लेखन करते रहे। मोहन राकेश भी थोड़े समय तक शिमला मे रहकर अध्यापन और लेखन किया। लेकिन इनमें से किसी ने भी अपने लेखन में हिमाचल के ग्रामीण व लोक जीवन में प्रवेश करने की कोशिश नहीं की । उन्हें अपने उपन्यासों का विषय नहीं बनाया ।

हरनोट इस मानी में विशिष्ट हैं । उनके पास हिमाचल के पहाड़ी जीवन की अछूती और अनूठी कथाओं का समृद्ध ख़ज़ाना है। हरनोट हिमाचल के एक गाँव से आते हैं । उनका संबंध संघर्षशील दलित समाज से है। उन्हें पहाड़ी जीवन की दूभरताओं और दृढ़ताओं की गहरी जानकारी है। सामाजिक पदानुक्रम में नीचे रखे गए तबकों की पीड़ाओं और उनके साथ होने वाले अमानवीय व्यवहार की भी गहरी जानकारी उन्हें है । हिमाचल की परंपराओं, किंवदंतियों और मिथकीय कथाओं के बीच उनका जीवन गुज़रा है। अपनी कहानियों और उपन्यासों में हरनोट जी ने हिमाचल के इसी पहाड़ी जीवन के संघर्ष, सुख-दुःख, आपसी खींचतान और जिजीविषा को अभिव्यक्ति दी है। उनके उपन्यास जहाँ एक ओर परम्परा से चले आ रहे भेदभाव और शोषण की प्रविधियों का दस्तावेज़ प्रस्तुत करते हैं वहीं दूसरी तरफ़ आधुनिकता और विकास के नाम पर पहाड़ी संसाधनों और दलित-वंचित तबकों के दोहन-शोषण के नए-नए तरीक़ों की जानकारी विस्तार से रखते हैं। इन पंक्तियों के लेखक की सीमित जानकारी में हिमाचल का कोई दूसरा ऐसा उपन्यासकार नहीं है जो एस आर हरनोट की तरह अपने उपन्यासों में हिमाचल के सुदूर पर्वतीय जीवन और उनकी विडंबनाओं की दारुण किंतु विश्वसनीय जानकारी दे सके। उपन्यास और कहानियों में जो काम हरनोट में किया है, आधुनिक हिन्दी कविता में वह सुरेश सेन निशान्त और उनके बाद अब अजेय कुमार, आत्मारंजन और गणेश गनी जैसे कवि कर रहे हैं ।

हरनोट ने विपुल लेखन किया है - दर्जन भर कहानी संग्रहों के बीच उनके अब तक 'हिडिम्ब' और 'नदी रंग जैसी लड़की' नाम से दो उपन्यास प्रकाशित हैं। दोनों उपन्यासों के केन्द्र में हिमाचल के गाँव हैं। पहले उपन्यास हिडिम्ब का शीर्षक पौराणिक आख्यानों के एक खल पात्र के नाम को इंगित करता है जिसे महाभारत की कथा के अनुसार भीम ने मार गिराया था । लेकिन वह मारा कहाँ गया ? वह आज भी हज़ार-हज़ार रूपों में हमारे बीच उपस्थित है। हिमाचल के पर्वतों में ही उसका वास था । और, यदि वह आज भी जीवित है, जो कि है, तो हिमाचल के खल पात्रों में जीवित है जो पहाड़ के लोगों के जीवन की सरलता व छोटे-छोटे सुखों पर गिद्ध दृष्टि जमाए है । वह येन-केन-प्रकारेण किसानों की ज़मीन, लड़कियों का कौमार्य, स्त्रियों का शील और कृषि श्रमिकों का श्रम और आत्म सम्मान छीन लेना चाहता है । हिमाचल ही क्यों, वह समूचे देश में मौजूद है । पूरे देश में उसका आचरण एक-सा है - उतना ही विध्वंसक और अधोगामी । राक्षसी प्रवृत्ति वाले ऐसे पात्रों को इंगित करने के लिए हिडिम्ब से बेहतर कोई शीर्षक हो भी नहीं सकता था । अपने आत्मकथ्य में इस बात को और स्पष्ट करते हुए हरनोट लिखते हैं- 'प्राचीन काल से ही दो तरह की शक्तियाँ काम कर रही हैं - दैवी और आसुरी । प्रागैतिहासिक मिथक पुराण कथाएँ इसी बात को प्रमाणित करती हैं । लोकोत्तर अंध आस्था ने मगर इसे प्राय: भौतिक और स्थूल स्तर पर ग्रहण किया है और इन संदर्भों को उत्सव के रूप में मनाया है । जैसे कि होलिकादहन, दशहरे पर रावण का पुतला जलाना आदि । लोक यह दावा करता है कि दहन के साथ-साथ वे बुराइयों को भी जला रहे हैं । पर ऐसा हुआ कहाँ है ! उपन्यास का शीर्षक 'हिडिम्ब' इसी प्रवृत्ति से उपजा है ।'

जाहिरा तौर पर यह उपन्यास मिथकीय हिडिम्ब मात्र की कथा नहीं है बल्कि उस प्रवृत्ति और मानसिकता का प्रतीक है जो भले ही समाज में मनुष्यता के आरंभ से रहा हो लेकिन आज के उपभोक्तावादी दौर में वह हर तरफ़ दिखाई पड़ता है। इसके बहुतेरे चेहरे हैं जिनके शिकार आमतौर पर समाज के सबसे कमज़ोरतबके ही होते हैं।

अलग-अलग होने के बावजूद हरनोट के दोनों ही उपन्यासों की कथाभूमि में कुछ साम्य देखे जा हैं - पहला, वे हिमाचल के पहाड़ी गाँव के खेतिहर परिवारों के जीवन संघर्ष की जीवंत और यथार्थवादी कथा कहते हैं। दूसरे, दोनों ही उपन्यासों में मुख्य कथा को सूत्रबद्ध करने वाली एक-एक नदी है जो एक छोटी-सी लड़की के रूप में उपस्थित है - सरल, निर्मल, उच्छल, अतल और उज्वल। हरनोट के उपन्यासों में नदी प्रकृति के पवित्रतम स्वरूप का प्रतीक है जो छोटी सी बालिका विपु और शतु के रूप में उपस्थित होती है । हिडिम्ब में यह बालिका विपु घाटी के प्रत्येक ईमानदार और सरल आदमी के साथ है । उनका हित चाहती है । किंतु नदी और प्रकृति के साथ छेड़-छाड़ करने, उन्हें गंदा करने वालों को समूल नष्ट करने के लिए संकल्पबद्ध भी प्रतीत होती है । और, आखिरकार ऐसा ही होता है । हिडिम्ब के अंत में घनघोर आँधी-तूफ़ान, ओला वृष्टि के बाद हुए विनाश के उपरांत शावणू को अपने आंगन से नदी की ओर जाकर उसमें विलीन होते पैरों के छोटे-छोटे निशान दिखाई देते हैं जो उसी संकल्पबद्ध बालिका के हैं । वह बालिका नदी है, पर्वत, वन और पहाड़ी स्त्रियों की प्रतीक भी । वह प्रकृति है । वही संहारक है वही सर्जक । वह पहाड़ की उदात्तता का प्रतीक है । लेकिन जब उसे अवरुद्ध करने की कोशिश होती है अथवा मैला करने की, तो वह उसका प्रतिकार करती है । विध्वंस मचाती है । यह गंदगी को साफ़ कर नवीन सृजन करने के लिए ज़रूरी है ।

'नदी रंग जैसी लड़की' का आरम्भ ही एक क़िस्म की यूटोपियन संकल्पना से होता है - नदी के लड़की बन जाने की संकल्पना से । उपन्यास में कथा नायिका सुनमा जो कालांतर में वय के साथ दादी सुनमा में बदल जाती है, की अंतरंग दोस्त बालिका शतु है। हरनोट शतु नामक जिस छोटी सी खूबसूरत लड़की का रूपक रचते हैं, उपन्यास में उसका आगमन कथा-फ़लक का विस्तार करता है। रूपक की यह बालिका बीच-बीच में अंतर्ध्यान हो जाती है । फिर अचानक उपस्थित होती है । हर बार कथानक को व्यापक अर्थ संदर्भ देती हुई। आख़िर का चौथाई हिस्सा उसी के वृत्तांत में लीन हो गया लगता है । वह सरकारी मुलाजिम और कंपनी मालिक जैसे विध्वंसकर्ता शक्तियों से मुक्त समाज की कल्पना करती है - 'बस हम और तुम हों और हमारी मछलियाँ हों और लोकगीत गाते मज़दूर और किसान हों।' यह उपन्यास कई स्तरों पर घटित होता है। कई बार प्रतीत होता है कि वृद्ध हो चुकी दादी सुनमा उम्र के असर से जागते हुए तरह-तरह के सपने देखती है। उसकी बड़बड़ाहट से कहानी आगे बढ़ती है और बहुधा एक क़िस्म का जादुई यथार्थ रचती है । उपन्यास का अंत उसी मार्मिक जादुई यथार्थ का मर्मस्पर्शी विस्तार है जिसकी चर्चा मैंने ऊपर की । एक भरपूर जीवन जीने के बाद दादी सुनमा उसी नदी में समा गई जिससे वह जीवनपर्यंत प्रेरणा पाती रही। उपन्यास का अंत सुनमा दादी के नदी कन्याओं के संग, शतु के संग काग़ज़ की नाव में जाने का रूपक रचता है जो वस्तुत: उसके नदी की भाँति जीने, उसमें ही समा जाने और अमर हो जाने का रूपक है । कहना न होगा कि विपु विपाशा और शतु शतद्रु नामक नदियों के ही संक्षिप्त बालरूप हैं । दोनों उपन्यासों की सभी महत्वपूर्ण घटनाएँ इन्हीं नदियों के इर्दगिर्द और साथ-साथ घटित होती हैं ।

तीसरा सादृश्य दोनों उपन्यासों के स्त्री पात्रों के चित्रण में देखा जा सकता है । हरनोट दोनों ही उपन्यासों में परिवार में रमी किंतु मज़बूत आत्मबल की धनी स्त्री पात्रों की रचना करते हैं । एक में वे 'दारोश' सरीखी कहानी लिख कर स्त्री विरोधी प्रथा के ख़िलाफ़ अपनी असहमति और विरोध जता चुके हैं । वहीं से उनके स्त्री संबंधी विचार मज़बूती से प्रकट होते हैं । हिडिम्ब में जब मंत्री के गुंडे शावणू परिवार को डराने-धमकाने, प्रताड़ित और अपमानित करने के मक़सद से उनके घर पहुँच जाते हैं तो शावणू की अर्द्धांगिनी सुरमा देई डरने की बजाए हाथ में दरात उठाकर उन्हें खदेड़ देती है । उसके पराक्रम पर स्वयं शावणू को भी भरोसा नहीं होता । बिलकुल घरेलू सी उसकी पत्नी इस संकट की घड़ी में शक्ति का रूप धर लेती है । बेटे की मृत्यु के बाद विक्षिप्तावस्था में भटकती सुरमा देई के सम्मुख ठेकेदार के आ जाने पर हाथ में दरात लिए वह उसका पीछा करती है, खदेड़ती हुई रेस्ट हाउस में पहुँच जाती है और अंतत: उसके गुप्तांग काट लेती है । स्त्री शक्ति का यह आक्रोश अनायास नहीं है । हरनोट के लिए यह एक संकेत है । समाज में हिडिम्बों की बढ़ते दुराचार के असह्य हो जाने का प्रकट विरोध है ।

दूसरी तरफ़ नदी रंग जैसी लड़की में सुनमा देई (दोनों उपन्यासों की नायिका के नामों में बस एक हर्फ़ का अंतर है । वही हर्फ़ बराबर अंतर उनके कार्य व्यवहार और व्यक्तित्व में भी है) का चरित्र पितृसत्ता को चुनौती देने वाला और स्त्रियों की स्वतंत्र इयत्ता का खूबसूरत आख्यान रचने वाला है । यह समकालीन स्त्री चेतना के अनुकूल भी है । सुनमा देई का जीवन सामान्य नहीं है । उसे असामान्य बनाने में तथाकथित विकास की बड़ी गहरी भूमिका रही है । सुनमा पर्वत, नदी , पर्यावरण और आम जन के विरोध में अमानवीय व विध्वंसक व्यवस्था का साथ देने वाली सभी ताक़तों से लोहा लेती है । वह दुर्धर्ष आत्मबल की धनी है । पति की अकाल मृत्यु के बाद परंपराओं को धता बताती वह सुहाग चिन्हों को पहले की ही तरह धारण करती रहती है । धीरे-धीरे समाज उसकी संवेदनाओं को समझने लगता है।

प्रकृति और पर्यावरण हरनोट की चिंता के केन्द्र में हैं । उनकी दृष्टि में इनका कितना अधिक महत्व है इसे नदी रंग जैसी लड़की की एक पंक्ति 'ज्नदी का मरना उसे भगवान के मरने जैसा लगता' से समझा जा सकता है । इन सबके के बावजूद दोनों उपन्यासों को केवल पर्यावरण केंद्रित मान लेना उन्हें सीमित करना होगा । अपने बुनियादी चरित्र में ये दोनों ही उपन्यास राजनीतिक हैं क्योंकि दोनों ही उपन्यासों में एक क़िस्म का वर्ग संघर्ष है - साधन संपन्न तबके का वंचितों से संघर्ष, अपनी भूख मिटाने के लिए सब कुछ हड़प लेने की इच्छा से जीवन की छोटी-छोटी ख़ुशियाँ और संसाधन बचा लेने का संघर्ष । हिडिम्ब में यह संघर्ष कहीं अधिक तीखा है। इस वर्ग संघर्ष का अगुआ शावणू और उनका परिवार है जिसे दलित होने की वजह से प्रताड़ित होना पड़ता है और जो बेटे और पत्नी को गँवा कर भी अपनी ज़मीन की रक्षा के लिए तन कर खड़ा होता है, मंत्री और उसके गुर्गों को चुनौती देता रहता है । अंत तक नहीं झुकता ।

नदी रंग जैसी लड़की में यद्यपि दलित संघर्ष नहीं है किंतु यहाँ वर्ग संघर्ष दूसरे रूप में मौजूद है, किसानों और सत्ताधारियों के बीच संघर्ष के रूप में ।अपने गाँवों को और पहाड़, प्रकृति, पर्यावरण और लोक संस्कृति में जो अच्छा है, उसे बचा लेने के लिए संकल्पबद्ध सुनमा देई के रूप में है। एक स्तर पर इस उपन्यास में हिमाचल प्रदेश का ठोस इतिहास भी साथ-साथ चलता है । सुनमा देई के स्वाधीनता संग्रामी पिता मास्टर भागदत्त और श्वसुर देवीदत्त वज़ीर की कथा उसे आगे बढ़ाती है । स्वाधीन भारत में जिस मंत्री-संतरी वाले तंत्र को देश के आम लोगों, मजलूमों की रक्षा के लिए खड़ा होना चाहिए था । किंतु वही उनके लूट और विनाश का कारण बन गए हैं ।

हरनोट के उपन्यासों को पढ़ते हुए फणीश्वरनाथ रेणु की याद आती है । 'मैला आँचल' याद आता है । वैसी ही चित्रमय, संगीतमय भाषा । मानो आप उपन्यास न पढ़ रहे हों, कोई फ़िल्म देख रहे हों । पहाड़ी नदी के पानी-सी पारदर्शी भाषा ।पहाड़ का जैसा जीवन वैसी ही भाषा । हिमाचली लोक की भाषा । रेणु की तरह हरनोट ने भी आंचलिक शब्दों का रोचक और प्रभावपूर्ण प्रयोग किया है । इनमें से अनेक शब्द पारिभाषिक हैं और उनके पीछे कोई कथा या किंवदंतियाँ छिपी हैं । पाठ से अलग करके देखने पर भले वे कठिन लगें लेकिन पाठ के साथ सहज ही इन शब्दों के अर्थ खुलते जाते हैं और हिंदी का शब्द परिवार समृद्ध होता चलता है । ये लेखक के जीवन जगत के शब्द हैं । इसलिए इनके अर्थ खुलने में बाधा नहीं आती । काहिका, गुर, बुक्कल, कूहल, क्यार, पूड़, घासणी, बजंतर, पुरांदू, कूजो और दूसरे पर्वतीय फूलों के नाम आदि जैसे शब्द हिन्दी की वर्धमान गतिशीलता को बनाए रखते हैं । यही काम उपन्यास में प्रयुक्त हिमाचली लोकगीत और लोक कथाएँ करती हैं ।

हरनोट उम्मीद, सरलता और संभावना के गायक उपन्यासकार हैं। कई बार कविता जैसी तरल और प्रतीक भाषा में वे अपना रूपक गढ़ते हैं । हरनोट की वैचारिकी हर तरह के भेदभाव मिटाकर सम समाज की रचना की वैचारिकी है ।वह प्रकृति के साथ तालमेल बनाए रखने और उसके सहज प्रवाह में प्रवाहित होने रहने की वैचारिकी है । वह वैज्ञानिक और जनधर्मी वैचारिकी है । वह दलितों और स्त्रियों को परिवार और समाज में उनके हक़ व समान आदर दिलाने वाली वैचारिकी है । वह 'सार-सार को गही रहे थोथा देय उड़ाए' की वैचारिकी है ।

हरनोट के उपन्यासों को पढ़ते हुए फणीश्वरनाथ रेणु की याद आती है । 'मैला आँचल' याद आता है । वैसी ही चित्रमय, संगीतमय भाषा । मानो आप उपन्यास न पढ़ रहे हों, कोई फ़िल्म देख रहे हों । पहाड़ी नदी के पानी-सी पारदर्शी भाषा ।पहाड़ का जैसा जीवन वैसी ही भाषा । हिमाचली लोक की भाषा । रेणु की तरह हरनोट ने भी आंचलिक शब्दों का रोचक और प्रभावपूर्ण प्रयोग किया है । इनमें से अनेक शब्द पारिभाषिक हैं और उनके पीछे कोई कथा या किंवदंतियाँ छिपी हैं । पाठ से अलग करके देखने पर भले वे कठिन लगें लेकिन पाठ के साथ सहज ही इन शब्दों के अर्थ खुलते जाते हैं और हिंदी का शब्द परिवार समृद्ध होता चलता है । ये लेखक के जीवन जगत के शब्द हैं । इसलिए इनके अर्थ खुलने में बाधा नहीं आती ।

■ फ़ैज़ अहमद फ़ैज़

बहुत मिला न मिला ज़िन्दगी से ग़म क्या है
मता-ए-दर्द बहम है तो बेश-ओ-कम क्या है

हम एक उम्र से वाक़िफ़ हैं अब न समझाओ
के लुत्फ़ क्या है मेरे मेहरबाँ सितम क्या है

करे न जग में अलाव तो शेर किस मक़सद
करे न शहर में जल-थल तो चश्म-ए-नम क्या है

अजल के हाथ कोई आ रहा है परवाना
न जाने आज की फ़ेहरिस्त में रक़म क्या है

सजाओ बज़्म ग़ज़ल गाओ जाम ताज़ा करो
बहुत सही ग़म-ए-गेती शराब कम क्या है

लिहाज़ में कोई कुछ दूर साथ चलता है
वरना दहर में अब ख़िज़्र का भरम क्या है

बात बस से निकल चली है

दिल की हालत सँभल चली है

अब जुनूँ हद से बढ़ चला है

अब तबीअत बहल चली है

अश्क ख़ूँनाब हो चले हैं

ग़म की रंगत बदल चली है

लाख पैग़ाम हो गये हैं

जब सबा इक पल चली है

जाओ, अब सो रहो सितारो

दर्द की रात ढल चली है

शांतिप्रिय नेवला

■ जेम्स थर्बर

सांपों के देश में एक ऐसा नेवला पैदा हो गया, जो सांपों से ही क्या, किसी भी जानवर से लड़ना नहीं चाहता था. सारे नेवलों में यह बात फैल गयी. वे कहने लगे, अगर वह किसी और जानवर से लड़ना नहीं चाहे, तो कोई बात नहीं, मगर सांपों से लड़ना और उनका खात्मा करना तो हर नेवले का फर्ज है.

'फर्ज क्यों ?' शांतिप्रिय नेवले ने पूछा.

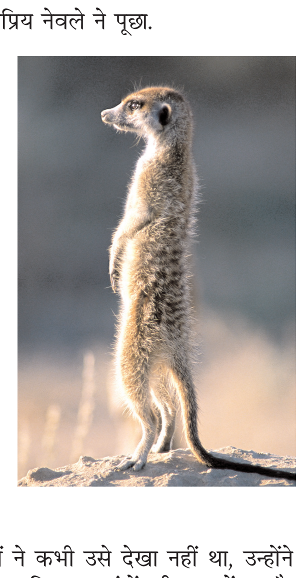

उसका यह पूछना था कि चारों ओर यह चर्चा फैल गयी कि वह न केवल सांपों का हिमायती और नेवलों का दुश्मन है, बल्कि नये ढंग से सोचने वाला और नेवला-जाति की परम्पराओं एवं आदर्शों का विरोधी भी है.

'वह पागल है.' उसके पिता ने कहा.

'वह बीमार है.' उसकी मां ने कहा.

'वह बुजदिल है.' उसके भाइयों ने कहा.

तब तो जिन नेवलों ने कभी उसे देखा नहीं था, उन्होंने भी कहना शुरू कर दिया कि वह सांपों की तरह रेंगता है, और नेवला-जाति को नष्ट कर देना चाहता है.

शांतिप्रिय नेवले ने प्रतिवाद किया- 'मैं तो शांतिपूर्वक सोचने-समझने की कोशिश कर रहा हूं.'

'सोचना गद्दारी की निशानी है!' एक नेवला बोल उठा.

'सोचना तो हमारे दुश्मनों का काम है' दूसरा नेवला चिल्लाया.

फिर तो यह भी अफवाह फैल गयी कि सांपों की तरह उस नेवले के भी जहर के दांत हैं. तब उस पर मुकद्दमा चला और बहुमत से उसे देशनिकाले की सजा दे दी गयी.

शिक्षा- जो दुश्मन के हाथों न मारा जाये, वह अपने ही लोगों के हाथों मारा जा सकता है.

■ फ़ैज़ अहमद फ़ैज़

याद की राहगुज़र जिसपे इसी सूरत से
मुद्दतें बीत गयीं हैं तुम्हें चलते-चलते
खत्म हो जाय जो दो-चार कदम और चलो
मोड़ पड़ता है जहाँ दश्त-ए-फ़रामोशी का
जिसके आगे न कोई मैं हूँ, न कोई तुम हो

साँस थामें हैं निग़ाहें, कि न जाने किस दम
तुम पलट आओ, गुज़र जाओ, या मुड़ के देखो
गरचे वाकिफ़ हैं निगाहें, के ये सब धोखा है
गर कहीं तुमसे हम-आग़ोश हुई फिर से नज़र
फूट निकलेगी वहाँ और कोई राहगुज़र
फिर इसी तरह जहां होगा मुकाबिल पैहम
साया-ए-ज़ुल्फ़ का और

जुंबिश-ए-बाज़ू का सफ़र

दूसरी बात भी झूठी है, कि दिल जानता है
यहाँ कोई मोड़, कोई दश्त, कोई राह नहीं
जिसके परदे में मेरा माह-ए-रवां डूब सके
तुमसे चलती रहे ये राह, यूँ ही अच्छा है
तुमने मुड़ कर भी न देखा तो कोई बात नहीं!

निदान

■ डॉ श्यामबाबू शर्मा

इंसान बनने के लिए
भेज दिए जाते हैं
बच्चे
बड़ी आशा विश्वास से
धीरे धीरे सीखते हैं
सबक सऊर संस्कार
और संविधान
बच्चे बड़े हो जाते हैं
करने लग जाते हैं
सवाल
समाज पर
संस्कृति पर
अर्थ अनर्थ अर्थ पर
वैधानिक बंटाधार पर
और अपनी योग्यता के
अधिकार पर
बच्चों में होता है पौरूष
आंदोलन का
आह्वान का
बच्चे नहीं रुकते
नहीं डरते आंधियों से
आग की तपिश से
इतने पढ़े लिखे शिक्षित
रोजगार के लिए लड़ते बच्चे
बच्चे भविष्य की नीव हैं
हर क्षेत्र की जरूरत हैं
राजनीति रैली
जय-जयकार के
कहां से आयेंगे बच्चे
अकुरी से फंसाये जाते हैं
फिर हांके जाते हैं
बेरोज़गार बच्चे
मजहबी बियाबान में
धीरे-धीरे निपटाए जाते हैं
बधिया करके
वैचारिकी के इंतकाल से
छटपटाते तड़पते
जिंदा लाशों से दिन काटते
बच्चों में भर दिया जाता है
नफरती फितूर
राष्ट्रवाद के विसिख से
सूखते बच्चे
समाज ने नहीं सोचा
तरकश तूणीर और
विसिख संधान पर
सौंप दिया देश
इतने बच्चे और इतने सवाल
वे क्या करते!
विचारों समझ को गढ़ने वाले
इंसान बनाने वाले
स्कूलों का निदान जरूरी था।

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770
ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

रूस के शीर्ष राजनयिक द्विपक्षीय वार्ता के लिए पहुंचे उत्तर कोरिया

वाशिंगटन, 12 जुलाई (एजेंसियां)। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव उत्तर कोरिया पहुंचे हैं, जहां वे उत्तर कोरियाई विदेश मंत्री के साथ बातचीत करेंगे। एक रूसी समाचार एजेंसी के अनुसार, यह दौरा दोनों देशों के बीच बढ़ती साझेदारी का एक और संकेत है। योनहाप ने रूसी समाचार एजेंसी तास के हवाले से बताया कि उनका विमान पूर्वी तटीय शहर वॉनसन पहुंचा, जहां प्योंगयांग ने 1 जुलाई को अपने पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए एक तटीय पर्यटन क्षेत्र खोला था। लावरोव की उत्तर कोरिया यात्रा रविवार तक चलेगी, जिसके बाद वह शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों की विदेश मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए चीन जाएंगे।

बांग्लादेश में चुनाव से पहले सुधार की दलील को बीएनपी ने खारिज किया, कहा

अब चुनाव में देरी स्वीकार नहीं की जाएगी

ढाका, 12 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने नोबेल विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के तर्क पहले न्याय और सुधार, फिर चुनाव को सख्ती से खारिज कर दिया है। पार्टी ने स्पष्ट कहा है कि अब किसी भी सूरत में चुनाव में देरी स्वीकार नहीं की जाएगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शनिवार को पार्टी के सदस्यता अभियान के दौरान बीएनपी की स्थायी समिति के सदस्य डॉ. अब्दुल मोईन खान ने कहा कि अब सबसे अहम मुद्दा जनता को मताधिकार का अधिकार देना है और इसके लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव जल्द से जल्द कराए जाने चाहिए। डॉ. खान ने कहा कि बीएनपी अब पहले सुधार, फिर चुनाव जैसी दलील नहीं मानेगी। सुधार और न्याय एक सतत प्रक्रिया है। अंतरिम सरकार का मुख्य कर्तव्य लोकतंत्र की पुनर्स्थापना है, और इसके लिए सत्ता को जल्द से जल्द जनता को लौटाया जाना चाहिए।

उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को संयम बरतने की सलाह देते हुए कहा कि उनका आचरण लोकतांत्रिक होना चाहिए, न कि सत्तारूढ़ अवामी लीग की तरह। इससे एक

दिन पहले, बीएनपी के वरिष्ठ संयुक्त महासचिव रुहुल कबीर रिजवी ने भी यह मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा था कि सुधार कोई स्थिर प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक

> **अब सबसे अहम मुद्दा जनता को मताधिकार का अधिकार देना है और इसके लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव जल्द से जल्द कराए जाने चाहिए : डॉ. अब्दुल मोईन खान**

गतिशील प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि सुधार कोई थाईलैंड की पहाड़ी श्रृंखला की तरह स्थिर नहीं है। रिजवी ने यह भी कहा कि सुधार जरूरी हैं, लेकिन उन्हें चुनाव टालने के बहाने के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। जनता को गुमराह करने की कोशिश क्यों की जा रही है? चुनाव टालने की जो कोशिश की जा रही है, वह लोकतंत्र के खिलाफ है। सबसे जरूरी काम सत्ता को जनता के हाथों में लौटाना है। बीएनपी की यह कड़ी प्रतिक्रिया उस वक्त आई है, जब एनसीपी के संयोजक नाहिद इस्लाम ने कहा था कि देश की जनता न्यायिक और राजनीतिक सुधारों के बिना आम चुनाव नहीं होने देगी।

बांग्लादेश में डेंगू बना चुनौती, स्कूल-कॉलेज के छात्र ज्यादा संक्रमित

ढाका। बांग्लादेश में डेंगू के मामलों में तेजी से वृद्धि जारी है। कई स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस साल कुल संक्रमितों की संख्या 14,069 तक पहुंच गई है और 54 लोगों की मौत हो चुकी है। मच्छर की वजह से पैदा होने वाली इस बीमारी ने देश के स्वास्थ्य सेवा ढांचे में गंभीर कमियों को उजागर किया है, जिससे जन स्वास्थ्य विशेषज्ञों में चिंता बढ़ गई है, क्योंकि कई गंभीर रूप से बीमार मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पा रहा है। कोमिला जिले में चिंता बढ़ती जा रही है, जहां शनिवार को प्रोथोम अलो की रिपोर्ट के अनुसार, एक ही दिन में 72 नए मामले सामने आए।

बांग्लादेश में छात्र की हत्या से भड़का जन-आक्रोश

बीएनपी कार्यकर्ताओं पर लिंचिंग का आरोप

ढाका। बांग्लादेश में छात्र और स्क्रैप का काम करने वाले लाल चंद उर्फ सोहाग की हत्या के बाद जनाक्रोश फूट पड़ा है। दो दिन पहले ढाका में उसकी हत्या हुई थी। न्याय की मांग करते हुए ढाका में लोग सड़क पर उतर आए हैं।

ढाका में सर सलीमुल्लाह मेडिकल कॉलेज (मिटफोर्ड) अस्पताल के बाहर दिनदहाड़े लाल चंद उर्फ सोहाग की हत्या हुई थी। कथित तौर पर बुधवार शाम करीब 6 बजे अस्पताल के तीसरे गेट के पास कई लोगों ने मिलकर लोहे और सीमेंट के टुकड़ों से सोहाग को बेरहमी से मारा। ईंटों-पत्थरों से उसका सिर कुचल दिया। इसके बाद हमलावर उसके बेजान शरीर को घसीटकर सड़क पर ले गए, जहां सैकड़ों लोगों की मौजूदगी में उन्होंने अपनी क्रूरता जारी रखी।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कथित तौर पर जबरन वसूली इसकी मुख्य वजह थी। बांग्लादेश के प्रमुख अखबार द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की युवा शाखा, जुबो दल के सदस्यों पर इस लिंचिंग में शामिल होने और जबरन वसूली के विवाद में हमला करने का आरोप है। लाल चंद उर्फ सोहाग के साथ क्रूरता का वीडियो सीसीटीवी में कैद हो गया था। बाद में घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुआ, जिससे आक्रोश की लहर दौड़ पड़ी।

सुडोकू 6972

6			1				2	
		4						
	5		6	2	4	7		
2		7		8				
3	4						5	8
				4		1		7
		8	4	5	1		7	
						5		
	6				2			9

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6972

१		२		३	■	४		५	
	■		■	६			■		■
७			■		■	८			९
	■		■	१०			■	■	
■	११		१२		■	■	१३		
■		■		■	१४			■	
१५		१६		■		■	१७	१८	
	■		■	१९		२०	■		
२१			■		■	२२			२३
	■	२४					■	■	

बायें से दायें:-

१. कलाकार, गुणवान, निपुम (उर्दू)
४. झंडा, ध्वज (उर्दू)
६. गति, चाल वेग (उर्दू)
७. विफल(उर्दू)
८. बातचीत
१०. प्रार्थना करना
११. गुत्थी, फंसाव कठिनाई, चिंता
१३. नाइंसाफी
१४. हर्ष, पुलक
१५. एक बंददार, मर्दाना पहनावा
१७. लोभी
१९. विपदा,विरक्ति
२१. धनी, अमीर (उर्दू)
२२. चुभना, गड़ना, अनुचित जान पड़ना
२४. पछताना (मुहावरा)

ऊपर से नीचे:-

१. आज्ञा पत्र (उर्दू)
२. उदारमना (उर्दू)
३. बीच, मध्य (उर्दू)
४. पतंगा, लिखित आज्ञा पत्र(उर्दू)
५. गाज, बिजली
९. समानार्थी
११. श्रम, उद्यम उत्पादक, जीवन के लिए आवश्यक सामग्री उत्पन्न करने का धंधा
१२. छोटी खिड़की, गवाक्ष
१३. पृथ्वी
१४. रोकने वाला
१५. बदलना (अंतरिम)
१६. बचा-खुचा
१८. गहरी इच्छा, लालसा
१९. युद्ध
२०. एड़ी के ऊपर की हड्डी की गांठ
२३. अनेक

वर्ग पहेली-6971

१ प्रा	णा	२ धा	र	■	■	३ ख	ल	४ ब	ली
तः	■	रा	■	५ वि	क	ट	■	ल	■
६ का	ल	वा	च	क	■	७ प	रि	वा	८ र
ल	■	बि	■	९ ल	ला	ट	■	■	ति
■	१० नि	क	११ ट	ता	■	■	१२ औ	जा	र
■	भीं	■	ह	■	१३ प	र	ला	■	म
१४ नौ	क	१५ रा	नी	■	हे	■	१६ द	१७ क्षि	ण
ज	■	ज	■	१८ कु	ली	१९ न	■	ति	■
२० वा	र्षि	क	■	सु	■	२१ व	न	जा	२२ त
न	■	२३ र	ह	म	दि	ल	■	■	रू

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : रविवार 13 जुलाई , 2025 श्रावण कृष्ण पक्ष 3

राशिफल

मेष - आज आपके किसी काम या प्रोजेक्ट में सरकार से लाभ होगा। ऑफिस में महत्वपूर्ण मुद्दों पर अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श करेंगे। ऑफिस के कामकाज के लिए बाहर जाना होगा। कार्यभार बढ़ेगा।

वृषभ - विदेश गमन के लिए सुनहरे अवसर आएंगे। विदेश बसने वाले स्नेही या मित्रों का समाचार मिलेगा। व्यापारियों को व्यापार में धन लाभ होगा। नए आयोजन हाथ में ले सकेंगे। लंबी दूरी की यात्रा होगी, तीर्थ यात्रा होगी।

मिथुन - किसी भी प्रकार के अनिष्ट से बचने के लिए आज क्रोध की भावनाओं को नियंत्रण में रखने की जरूरत है। नई दवाई या चिकित्सा शुरू करने के लिए आज का दिन अनुकूल नहीं है। खर्च बढ़ जाने से आर्थिक तंगी अनुभव होगी।

कर्क - आज का दिन दोस्तों और स्वजनों के साथ आनंदपूर्वक गुजार सकेंगे। मनोरंजक प्रवृत्तियों का भी आनंद प्राप्त होगा। व्यापार में भी लाभ होने की संभावना अधिक है। भागीदारों से भी लाभ होगा।

सिंह - आज आपके परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। पारिवारिक सदस्यों के साथ मिलकर आप आनंदपूर्वक समय व्यतीत करेंगे। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। यश, कीर्ति और आनंद की प्राप्ति होगी।

कन्या - आज आपको किसी न किसी कारणवश से मन में चिंता रहेगी। विशेष रूप से संतान और स्वास्थ्य के बारे में आप अधिक चिंतित होंगे। पेट संबंधी बीमारियों की शिकायत रहेगी। विद्यार्थियों की पढ़ाई में कठिनाइयां आएंगी।

तुला - आज आप शारीरिक रुप से शिथिलता और मानसिक रुप से चिंता का अनुभव करेंगे। माता के विषय में चिंता रहेगी। स्थायी संपत्ति से संबंधित कामों में सावधानी बरतें।

वृश्चिक - आज का दिन खुशी से व्यतीत करेंगे। नए काम की शुरुआत करेंगे। घर में भाई-बहनों के साथ मेल-मिलाप रहेगा। स्वजनों और मित्रों के साथ मुलाकात होगी। किसी छोटी यात्रा के योग हैं।

धनु - आज का दिन मध्यम फलदायी हैं। निरर्थक व्यय होगा। मन में ग्लानि रहेगी। परिजनों के साथ गलतफहमी के कारण मनमुटाव हो सकते हैं। कामों में मनवांछित सफलता नहीं मिल पाएगी। दुविधायुक्त मनोदशा के कारण निर्णय नहीं ले पाएंगे।

मकर - आज निर्धारित कार्य सफलता से पूरे होंगे। ऑफिस या व्यवसायिक स्थल पर आपका वर्चस्व बढ़ेगा। गृहस्थ जीवन में आनंद का वातावरण रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। मानसिक स्वस्थता बनी रहेगी।

कुंभ - आज किसी का पक्ष ना लें। पैसे की लेन-देन से परहेज करें। खर्च में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिजनों के साथ वाद-विवाद से बचें। किसी के साथ गलतफहमी होने से झगड़ा होगा। क्रोध को नियंत्रण में रखना पड़ेगा।

मीन - आज आपके लिए लाभदायक दिन है। नौकरी व्यवसाय में आय वृद्धि होगी। बुजुर्ग और मित्रों की तरफ से आपको लाभ होगा। नए मित्र बनेंगे। इनसे मित्रता भविष्य के लिए लाभदायक साबित होगी।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

अफ्रीका में हैजा व एमपॉक्स का प्रकोप, इस साल 4,200 से ज्यादा की मौत

अदीस अबाबा, 12 जुलाई (एजेंसियां)। अफ्रीका में 2025 में हैजा और एमपॉक्स (मंकीपॉक्स) जैसी बीमारियों के कारण अब तक 4,200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

यह जानकारी अफ्रीका रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (अफ्रीका सीडीसी) ने दी है। एक ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, अफ्रीका सीडीसी में एमपॉक्स के डिप्टी इन्सिडेंट मैनेजर, याप बूम द्वितीय ने बताया कि हैजा और एमपॉक्स को इस साल की सबसे बड़ी बीमारी माना जा रहा है, जिसकी वजह से कुल 4,275 लोगों की मौत हो चुकी है। अफ्रीकी संघ की एक खास स्वास्थ्य एजेंसी के अनुसार, इस साल की शुरुआत से अब तक अफ्रीका के 21 देशों में लगभग 1,76,136 लोग हैजा से बीमार हुए हैं, और 3,697 लोगों की मौतें हुई हैं। अफ्रीका में बार-बार हैजा फैलने की सबसे बड़ी वजह साफ पानी की कमी है। इसके अलावा, अफ्रीका की बदहाल स्वास्थ्य सेवाएं हैं, जिनकी स्थिति और दयनीय हो गई है। अफ्रीका सीडीसी के अनुसार, 2025 की शुरुआत से अब तक, अफ्रीका के 23 देशों में एमपॉक्स के 79,024 मामले सामने आए हैं।

अजित डोभाल के बयान से बौखलाया पाकिस्तान

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल की ओर से 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर दिए गए बयान से पाकिस्तान तिलमिला उठा है। डोभाल ने शुक्रवार को पहली बार पाकिस्तान की बखिया उधेड़ते हुए कहा कि भारत ने पाकिस्तान के भीतर मौजूद नौ आतंकी ठिकानों को बेहद सटीक तरीके से निशाना बनाया और इस दौरान एक भी चूक नहीं हुई। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन मात्र 23 मिनट में पूरा हुआ और इसका आधार पूरी तरह खुफिया जानकारी थी। अब पाकिस्तान के हुक्मरान भारतीय एनएसए के इस खुलासे पर बौखला गए हैं।

दरअसल, डोभाल ने विदेशी मीडिया को चुनौती देते हुए कहा था कि अगर भारत को नुकसान पहुंचा है, तो एक भी फोटो, एक भी सैटेलाइट इमेज दिखा दें। यहां तक कि एक शीशा भी टूटा हो तो बताएं। हम जानते थे कौन कहां है और हमने उसी जगह को निशाना बनाया। हमसे कोई चूक नहीं

■ **पाकिस्तान ने भारत पर संप्रभुता के उल्लंघन व अंतरराष्ट्रीय कानूनों की धज्जियां उड़ाने का लगाया आरोप**

हुई। डोभाल के इस बयान के बाद पाकिस्तान में खलबली मच गई। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर डोभाल के बयान को तोड़फोड़ और झूठ से भरा हुआ करार दिया। इसके साथ ही पाकिस्तान ने भारत पर संप्रभुता के उल्लंघन और अंतरराष्ट्रीय कानूनों की धज्जियां उड़ाने का आरोप लगाया।

लाल सागर में नागरिक जहाजों पर फिर से हूती विद्रोहियों का हमला

संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेस ने की कड़ी निंदा

> **सभी पक्षों को हर समय अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करना चाहिए : एंटोनियो गुटेरेस**

संयुक्त राष्ट्र, 12 जुलाई (एजेंसियां)। यमन में हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में नागरिक जहाजों पर फिर से हमले शुरू कर दिए हैं, जिसकी संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कड़ी निंदा की है।

संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने एक बयान में कहा कि दो कमर्शियल जहाजों का डूबना, कम से कम चार क्रू मेंबर्स की मौत और अन्य के घायल होने की घटनाएं इस महत्वपूर्ण जलमार्ग में एक खतरनाक रूप ले रही हैं। प्रवक्ता ने बताया कि कम से कम 15 चालक दल के सदस्यों के लापता होने की खबर है। महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने हूती विद्रोहियों से अपील की है कि वे ऐसे किसी भी कदम को न उठाएं जो लापता क्रू मेंबर्स की तलाश और बचाव अभियान में बाधा पहुंचाए।

प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि नाविकों की सुरक्षा पर हमले के साथ-साथ, यह कृत्य नौवहन की स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है। यह समुद्री परिवहन के लिए खतरा उत्पन्न करता है और पहले से ही संवेदनशील तटीय पर्यावरण के लिए गंभीर पर्यावरणीय, आर्थिक और मानवीय क्षति का जोखिम पैदा करता है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, गुटेरेस ने जोर देकर कहा कि सभी पक्षों को हर समय अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करना चाहिए।

पाकिस्तान में बाढ़ को लेकर अलर्ट, 17 जुलाई तक सतर्क रहने की चेतावनी

इस्लामाबाद, 12 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में मानसून की बारिश के बीच अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि कई जगह तेज बारिश से नदियों का पानी बढ़ सकता है। कुछ कमजोर इलाकों में बाढ़ आने की भी आशंका जताई गई है। पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और पंजाब की प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) ने लोगों से सावधान रहने और पानी भरे हुए इलाकों में जाने से बचने की अपील की है।

खासकर 17 जुलाई तक अलर्ट रहने के कारण लोगों को सतर्क रहने को कहा गया है। अरब सागर से आई नमी की वजह से पंजाब में मॉनसून एक्टिव है। लाहौर में रुक-रुक कर बारिश हो रही है, जिससे नमी (ह्यूमिडिटी) बढ़ गई है। एनडीएमए के अनुसार, 26 जून से अब तक देशभर में मूसलाधार बारिश और अचानक आई बाढ़ के कारण कम से कम 98 लोगों की जान चली गई है और 185 अन्य घायल हो गए हैं। पंजाब प्रांत में सबसे अधिक 37 मौतें हुईं, जिनमें 20 बच्चे शामिल हैं।

आज का इतिहास

1534- ऑटोमन सेना ने उत्तर पश्चिमी फारस में ताबरिज पर कब्जा किया।
1645- अलेक्सेई रोमानोव अपने पिता माइकल की जगह रूस के शासक बने।
1830- राजा राम मोहन राय और अलेक्जेंडर डफ ने कलकत्ता में स्कॉटिश चर्च कॉलेज की स्थापना की।
1882- रूस में ट्रेन के पटरी से उतर जाने के कारण 200 लोगों की मौत।
1929- क्रांतिकारी जतिंद्रनाथ ने अपनी ऐतिहासिक भूख हड़ताल शुरू की।
1931- डोगरा सैनिकों ने श्रीनगर में अदालत के बाहर इकट्ठा हुए प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की जिसमें 22 कश्मीरी मारे गए। इसे जम्मू-कश्मीर में शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है।
1974- भारत ने अपना पहला एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले में खेला।
1977- जनता पार्टी की सरकार ने भारत रत्न और अन्य नागरिक सम्मानों को वापस लेने की घोषणा की, लेकिन 1980 में कांग्रेस सरकार ने इसे फिर से शुरू किया।
1995- बंगाली लेखिका आशापूर्णा देवी का निधन।
1998- भारत के लिएंडर पेस ने हॉल आफ़ फ़ेम टेनिस चैंपियनशिप में अपने जीवन का प्रथम ए.टी.पी. ख़िताब जीता।
2000- फिजी में महेन्द्र चौधरी समेत 18 बंधक रिहा।
2006- परमाणु बम निर्माण संबंधी ईरान मसला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के हवाले।

सुविधा डब्ल्यूएचओ ने पारंपरिक चिकित्सा में एआई के प्रयोग के लिए पहला रोडमैप किया तैयार

डब्ल्यूएचओ ने आयुष में भारत के प्रयासों को किया स्वीकार

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों, विशेष रूप से आयुष (आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी) में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को एकीकृत करने में भारत के अग्रणी प्रयासों को स्वीकार किया है। इसकी जानकारी आयुष मंत्रालय ने दी। डब्ल्यूएचओ ने अपने तकनीकी विवरण पारंपरिक चिकित्सा में एआई में भारत के इन प्रयासों को प्रमुखता से उजागर किया है, जो पारंपरिक चिकित्सा में डिजिटल तकनीकों के उपयोग को दर्शाता है।

मंत्रालय ने बताया कि भारत की ओर से मिले प्रस्ताव के बाद हमारे प्रयासों को सराहा गया है। हमारे प्रस्ताव के परिणामस्वरूप डब्ल्यूएचओ ने पारंपरिक चिकित्सा में एआई के अनुप्रयोग के लिए पहला रोडमैप तैयार किया।

मंत्रालय ने इस मान्यता को पारंपरिक चिकित्सा के लिए मजबूत वैज्ञानिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में भारत के नेतृत्व का प्रमाण करार दिया। केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव ने कहा कि डब्ल्यूएचओ के तकनीकी विवरण में भारत की एआई-आधारित पहल हमारी प्राचीन चिकित्सा प्रणालियों को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ने की दिशा में भारतीय वैज्ञानिकों की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। इसके अंतर्गत आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी में एआई-संचालित अनुप्रयोग शामिल हैं, जैसे नाड़ी

■ **आयुष में एआई समावेश पर डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट ऐतिहासिक**

रीडिंग, जीभ परीक्षण और प्रकृति मूल्यांकन को मशीन लर्निंग और डीप न्यूरल नेटवर्क के साथ जोड़ने वाली निदान सहायता प्रणालियां। जाधव ने आगे कहा कि एसएएचआई पोर्टल, नमस्ते पोर्टल और आयुष अनुसंधान पोर्टल जैसे डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से भारत न केवल अपनी सदियों पुरानी चिकित्सा विरासत को संरक्षित कर रहा है, बल्कि व्यक्तिगत, साक्ष्य-आधारित और वैश्विक स्तर पर सुलभ स्वास्थ्य सेवा के भविष्य को भी आकार दे रहा है। डब्ल्यूएचओ के विवरण में आयुर्जेनोमिक्स पर भी प्रकाश डाला गया है, जो जीनोमिक्स को आयुर्वेदिक सिद्धांतों के साथ जोड़ने वाली एक वैज्ञानिक उपलब्धि है। यह पहल आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के तहत एआई-आधारित विश्लेषण से रोगों के पूर्वानुमानित संकेतों की पहचान कर वैयक्तिक परामर्श प्रदान करती है। इससे आधुनिक रोगों के लिए हर्बल योगों के जीनोमिक और आणविक आधार को समझने के प्रयासों को भी मान्यता मिली है।

वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि ये एआई-सक्षम प्लेटफॉर्म भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को संरक्षित और सत्यापित करने के साथ-साथ उन्हें वैश्विक साक्ष्य-आधारित डिजिटल स्वास्थ्य ढांचे में एकीकृत कर रहे हैं।

दुनिया को जानें

नासा करेगा एक्सियम मिशन-4 के प्रस्थान का सीधा प्रसारण

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। नासा ने घोषणा की है कि वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से एक्सियम मिशन-4 के प्रस्थान और पृथ्वी पर वापसी का सीधा प्रसारण करेगा। यह मिशन एक निजी अंतरिक्ष यात्री मिशन है, जिसमें भारत के शुभांशु शुक्ला समेत 4 अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं। प्रस्थान 14 जुलाई, सोमवार को सुबह 7:05 बजे अंतरिक्ष स्टेशन के हॉर्मनी मॉड्यूल के स्पेस-फेसिंग पोर्ट से स्पेसएक्स ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट के जरिए होने की संभावना है। पृथ्वी वापसी के बाद यह यान कैलिफोर्निया तट के पास सागर में लैंड करेगा।

नासा की कवरेज सुबह 4:30 बजे हैच क्लोजिंग के साथ शुरू होगी और इसे नासा+ सहित कई सोशल मीडिया और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर देखा जा सकेगा। 4:55 बजे चालक दल ड्रैगन यान में प्रवेश करेगा और हैच बंद की जाएगी। इसके बाद 6:45 बजे अंडॉकिंग कवरेज शुरू होगी और 7:05 बजे यान अंतरिक्ष स्टेशन से अलग होगा। प्रसारण यान के अलग होने के 30 मिनट बाद तक जारी रहेगी, जिसके बाद एक्सिओम स्पेस अपने प्लेटफॉर्म पर ड्रैगन की पृथ्वी वापसी और स्प्लैशडाउन का प्रसारण करेगा।

प्रादेशिकी

खरगे को देश और प्रधानमंत्री पर भरोसा नहीं है : विज

चण्डीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने शनिवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष को अपने देश और अपने देश के लोगों और प्रधानमंत्री पर भरोसा नहीं है, बल्कि उन्हें विदेशियों पर भरोसा है। श्री विज ने कहा कि खड़गे जी हमारी बात पर भरोसा करें न करें, लेकिन पाकिस्तान तो उनका अपना अज़ीज़ है उनके प्रधानमंत्री/ उप-प्रधानमंत्री पर तो भरोसा कर लें कि भारत-पाकिस्तान युद्ध रुकवाने में ट्रम्प ने मध्यस्थता करने के लिए किसी भी तरह की कोई बातचीत नहीं की थी। उन्होंने श्री खड़गे के बयान कि 'मोदी जी और भाजपा कितना झूठ बोलते हैं। जब भारत-पाकिस्तान युद्ध चल रहा था, तब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा था कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान युद्ध समाप्त कर दिया है', पर कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कह दिया कि कोई भी किसी भी तरह की बातचीत नहीं हुई है और पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री ने भी कह दिया की कोई बातचीत नहीं हुई है।

हरिद्वार में 'ऑपरेशन कालनेमि' जेल भेजे गए 13 फर्जी बाबा

वेश बदलकर अपनी संदिग्ध गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे फर्जी बाबा : एसएसपी

- सीएम धामी के ऑपरेशन कालनेमि को आगे बढ़ा रही पुलिस
- बोले- हरिद्वार की धार्मिक गरिमा से कोई समझौता नहीं होगा

हरिद्वार, 12 जुलाई (देशबन्धु)। ऑपरेशन कालनेमि के तहत उत्तराखंड में छद्म वेशधारियों के खिलाफ युद्ध स्तर पर अभियान चल रहा है। शुक्रवार को देहरादून में एक बांग्लादेशी नागरिक समेत 25 फर्जी बाबा पकड़े गए थे। हरिद्वार पुलिस ने भी छद्म वेशधारियों के खिलाफ अभियान चलाया। धर्मनगरी में 13 फर्जी बाबा पकड़े गए। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी ने ऑपरेशन कालनेमि का स्वागत किया। हिंदुत्व की हार्डकोर लाइन पर बिना रुके आगे बढ़ रहे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लैंड जेहाद, लव जेहाद, मजार जेहाद के खिलाफप सख्त एक्शन लेने के बाद उत्तराखंड में गुरु पूर्णिमा के दिन गुरुवार को ऑपरेशन कालनेमि लॉच किया था। राजधानी देहरादून में जहां ऑपरेशन कालनेमि के तहत पहले दिन शुक्रवार को 25 फर्जी बाबा पकड़े गए थो हरिद्वार में भी ये धरपकड़ अभियान जोर शोर से चला। सीएम पुष्कर सिंह धामी के आदेश पर शनिवार को हरिद्वार पुलिस ने ऑपरेशन कालनेमि चलाकर 13 फर्जी बाबाओं को पकड़ा है। ये लोग साधु का वेश धारण कर आमजन को गुमराह कर रहे थे। लंबे समय से इनकी शिकायतें मिल रही थीं। नगर कोतवाली क्षेत्र में कार्रवाई के दौरान ये सभी पकड़े गए। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने कहा कि हमने ऑपरेशन कालनेमि शुरू किया है। इसके तहत हमने अनेक लोगों को पकड़ा है जो वेश बदलकर अपनी गतिविधियां चला रहे थे। हरिद्वार की धार्मिक गरिमा से कोई समझौता नहीं होगा। कांवड़ मेले से पहले पुलिस का ये सख्त संदेश है कि फर्जीवाड़ा हरगिज बर्दाश्त नहीं होगा।

18 बहुरूपिए सपेरे बाबा भी गिरफ्तार

हरिद्वार। ऑपरेशन कालनेमि के तहत हरिद्वार पुलिस ने श्यामपुर थाना क्षेत्र से 18 बहुरूपिए सपेरे बाबाओं को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार ये लोग कांवड़ियों को रोककर परेशान कर रहे थे। उन्हें तंत्र-मंत्र और जादू-टोना आदि की कलायें दिखाने का प्रयास कर रहे थे। इस कारण कई स्थानों पर काफी भीड़भाड़ हो रही थी। इन बहुरूपियों के कृत्य से कांवड़ियों के भड़कने और उग्र होने की आशंका थी। जिससे अपराध घटित होने की भय था। इसी के दृष्टिगत थाना श्यामपुर पुलिस टीम ने मौके पर से 18 बहरूपिए सपेरे बाबाओं को गिरफ्तार कर थाने पर लाया गया है।

अखाड़ा परिषद ने 'ऑपरेशन कालनेमि' का स्वागत किया

हरिद्वार। साधु संतों की सर्वोच्च संस्था अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने ऑपरेशन कालनेमि का समर्थन किया है। उन्होंने इसे एक महत्वपूर्ण ड्राइव बताते हुए कहा कि इससे कांवड़ के समय जो लोग धर्म का सहारा लेकर लोगों को ठगने का कार्य कर रहे थे, चाहे वह भगवा के वेश में हों या फिर अन्य वेश में, उन सब पर लगाम लगेगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के लिए गए इस फैसले का उन्होंने स्वागत किया। महंत रविंद्र पुरी ने कहा कि उत्तराखंड ही नहीं बल्कि संपूर्ण भारत में इस ड्राइव को शुरू करना चाहिए। यह लोग धार्मिक पर्वों पर अपने आप को एक्टिव करते थे और मासूम बोले भाले लोगों का धर्म भ्रष्ट करने का कार्य भी यह करते थे। उन्होंने कहा कि इस ड्राइव से यह सब लोग जेल में होंगे और लोगों की आस्था से खिलवाड़ नहीं होगा।

कैथल में 'प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना' के लाभार्थियों से मिले सैनी

कैथल, 12 जुलाई (एजेंसियां)। 'प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना' के तहत हरियाणा के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लोग सोलर पैनल लगाकर बिजली बिलों से राहत पा रहे हैं। कैथल जिले के प्योदा गांव में ग्रामीणों ने इस योजना का लाभ उठाया, जिससे उनके बिजली बिल काफी कम हो गए। योजना के तहत मिलने वाली सब्सिडी से सोलर पैनल लगाना किफायती हुआ है। ग्रामीणों ने पीएम मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताया है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को 'प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना' की समीक्षा के लिए कैथल जिले के प्योदा गांव पहुंचे। उन्होंने लाभार्थियों से बातचीत की, जिनमें से एक ने बताया कि 48 दिन पहले सोलर पैनल लगाने के बाद उनका बिजली बिल काफी कम हो गया है, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिली है। इस योजना ने बिजली खर्च में कमी लाकर ग्रामीणों को आर्थिक लाभ पहुंचाया है। सीएम सैनी ने इस दौरान अन्य लाभार्थियों के साथ योजना की विस्तृत जानकारी पर चर्चा की और स्थापित सौर पैनलों का स्वयं निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों और लाभार्थियों, दोनों से योजना पर प्रतिक्रिया भी ली। अधिकारियों ने सीएम सैनी को बताया कि इस गांव में अब तक 16 से ज्यादा सोलर पैनल लगाए गए हैं। वहीं, हरियाणा में 26 हजार से ज्यादा सोलर पैनल लगाए गए हैं। सीएम ने इस दौरान इस योजना के तहत मिलने वाली सब्सिडी के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वह इस योजना के बारे में जागरूकता भी फैलाएं। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत हरियाणा के एक लाख गरीब परिवारों को सौर ऊर्जा उपलब्ध करवाने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार की ओर से 1.10 लाख रुपए तक की सब्सिडी दी जा रही है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना भारत सरकार की एक पहल है। इसका उद्देश्य देश के 1 करोड़ घरों में रूफटॉप सोलर पैनल लगाकर हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करना है। यह योजना न केवल बिजली बिल को कम करने या शून्य करने में मदद करती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देती है।

सार संक्षेप

सोनीपत पहुंची रोड स्वीपिंग मशीन, मेयर ने दिखाई हरी झंडी

सोनीपत। हरियाणा के सोनीपत नगर निगम मेयर राजीव जैन ने झंडी दिखाकर रोड स्वीपिंग मशीन की शुरुआत की। यह मशीन केंद्र के प्रदूषण विभाग के तहत काम कर रहे वायु गुणवत्ता प्रबंधन कमीशन (सीएक्यूंएम) की ओर से उपलब्ध करवाई गई है, जिस पर 70 लाख रुपए की लागत आई है। श्री जैन ने बताया कि इससे पहले कमिशन ने 16 लाख रुपए की लागत से धूल मिट्टी को दबाने हेतु पानी छिड़काव के लिए दो ट्रैक्टर टैंकर उपलब्ध करवाये हैं। कमीशन द्वारा विशेषकर सर्दियों के मौसम में वायु की गुणवत्ता में सुधार रहे इसके लिए एंटी स्मोक गन उपलब्ध करवाई जाएगी। मेयर ने बताया कि पहले भी सड़क सफाई के लिए दो मशीन चलाई जा रही है, जो मुख्य सड़कों के किनारों से धूल मिट्टी साफ करती हैं। उन्होंने कहा कि सफाई व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है, इसके लिए जन सहयोग अति आवश्यक है।

कारोबारी से 5.81 लाख की ठगी करने का आरोपी गिरफ्तार

सिरसा। हरियाणा में सिरसा के एक कारोबारी से इलेक्ट्रिक व्हीकल डीलरशिप के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने आरोपी ठग नयन को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि साइबर ठग ने फर्जी ई-मेल और बैंक खातों के जरिए ठगी की है। आरोपी की पहचान बिहार के नालंदा निवासी नयन कुमार के रूप में हुई है। नयन ने सिरसा निवासी कारोबारी गोपाल कागजी से इलेक्ट्रिक वाहन डीलरशिप देने के नाम पर पांच लाख 81 हजार 100 रुपये की साइबर ठगी की थी। शिकायतकर्ता कागजी ने बताया कि उसे कम निवेश में इलेक्ट्रिक वाहन की डीलरशिप लेने का लालच दिया गया, जिसके बाद उसे ई-मेल भी मिली। इसके बाद उसने पंजीयन और सिक्योरिटी के रूप में दिये गये खाता नंबर पर पांच लाख 81 हजार रुपये जमा कर दिए। बाद में उसे एहसास हुआ कि उसके साथ ठगी हुई है। गोपाल ने तुरंत थाना साइबर क्राइम सिरसा में रिपोर्ट दर्ज कराई।

कांवड़ क्षेत्र में एसडीआरएफ ने घायल को पहुंचाया अस्पताल

देहरादून। उत्तराखंड में शनिवार को कांवड़ मेला क्षेत्र से राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) ने जहां एक घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाया, वहीं एक अन्य अस्वस्थ बुजुर्ग व्यक्ति मृत घोषित किया गया। मृतक उत्तर प्रदेश के बुलन्दशहर जिले का रहने वाला है।

सुडोकू 6972 का हल

6	8	3	1	9	7	4	2	5
7	2	4	8	3	5	9	1	6
1	5	9	6	2	4	7	8	3
2	1	7	5	8	6	3	9	4
3	4	6	7	1	9	2	5	8
8	9	5	2	4	3	1	6	7
9	3	8	4	5	1	6	7	2
4	7	2	9	6	8	5	3	1
5	6	1	3	7	2	8	4	9

अवैध रूप से चल रहे 200 से अधिक मदरसों को गया सील

उत्तराखण्ड के मदरसों से पढ़ने वाले बच्चों को नहीं मिल रहा कही प्रवेश

- सरकार पर हर वर्ष पड़ रहा करोड़ों का वित्तीय भार
- मदरसों के साथ बोर्ड को भी करना चाहिए सील

देहरादून, 12 जुलाई (देशबन्धु)। धामी के बिना मान्यता के अवैध रूप से चल रहे मदरसों को सील किया जा रहा है। प्रदेश में लगभग 200 से अधिक मदरसों को सील कर दिया गया है लेकिन यहां यह कहना है कि जब अवैध रूप से चल रहे मदरसों को सील किया जा रहा है क्या ऐसे मदरसो बोर्ड को भी बंद नहीं किया जाना चाहिए जिसकी दी गई डिग्री की कोई मान्यता नहीं है और न ही उन मदरसों के पढ़ने वाले बच्चों का कोई भविष्य है जिसकों उत्तराखण्ड मदरसा बोर्ड ने मान्यता दी हो। जब से उत्तराखण्ड मदरसा बोर्ड बना है तबसे उत्तराखण्ड मदरसा बोर्ड से मान्यता लेने वाले मदरसे संचालक समकक्षता की लड़ाई लड़ रहे हैं। जब मदरसा बोर्ड की डिग्री की कोई अहमियत नहीं है तो सरकार हर साल करोड़ो रूपये इस बोर्ड पर क्यों खर्च कर रही है? उत्तराखण्ड में 466 मदरसे ऐसे है जिन्होंने उत्तराखण्ड मदरसा बोर्ड से मान्यता ले रखी है और यह मदरसे मुंशी, मौलवी, कामिल, आलिम व फाजिल की शिक्षा दे रहे है लेकिन इन मदरसों की शिक्षा की किसी अन्य बोर्ड में कोई मान्यता नहीं है। इन मदरसों से पढ़ने के बाद कोई भी छात्र अन्य बोर्ड में दाखिला नहीं ले पा रहा है। जिसकों लेकर मदरसा संचालक लम्बे समय से समकक्षता की लड़ाई लड रहे है। मदरसा संचालक कई मंचों पर अपनी मांग उठा चुके हैं लेकिन कहीं भी कोई भी हल नहीं निकला है। वर्ष 2018 में तात्कालीन मुख्यमंत्री ने समकक्षता लाने का आश्वासन दिया था लेकिन वह आश्वासन भी ठंडे बस्ते में चला गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सामने में कई बार समकक्षता का मामला आया है लेकिन सरकार ने बिना मान्यता के अवैध रूप से चल रहे मदरसों के खिलाफ तो कार्रवाई की है और 200 से अधिक अवैध मदरसों को सील किया है लेकिन मान्यता प्राप्त मदरसों में पढ़ रहे बच्चों के भविष्य के बारे में सरकार ने कोई निर्णय नहीं लिया है।

क्या है समकक्षता

देहरादून। समकक्षता क्या है यहां यह भी बताना जरूरी है। उत्तर प्रदेश मदरसा बोर्ड मुंशी व मौलवी का 10 वीं के समकक्ष मान्यता देता है उत्तर प्रदेश में मदरसा बोर्ड से मुंशी व मौलवी की पढ़ाई करने के बाद बच्चा उत्तर प्रदेश शिक्षा बोर्ड में 11 वीं प्रवेश ले सकता है और कामिल करने के बाद युनिवर्सिटी में बीए, आलिम करने के बाद एम तथा फाजिल करने के बाद उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकता है। परंतु उत्तराखण्ड मदरसा बोर्ड में समकक्षता न होने के कारण मदरसों में पढ़ने वाला बच्चा अन्य बोर्ड में प्रवेश नहीं ले सकता है।

मुंशी व मौलवी

यह मदरसा शिक्षा प्रणाली में एक प्रारंभिक स्तर का प्रमाण पत्र है, जो आमतौर पर 10वीं कक्षा के समकक्ष माना जाता झस्नातक (बैचलर्स) स्तर के समकक्ष माना जाता है.

फाजिल: यह एक स्नातकोत्तर स्तर की डिग्री है, जो इस्लामी अध्ययन में उच्च शिक्षा का प्रतीक है।

उत्तराखण्ड के कई मदरसों ने ले रखी है उत्तर प्रदेश मदरसा बोर्ड से मान्यता

देहरादून। उत्तराखण्ड मदरसा बोर्ड में समकक्षता न होने के कारण उत्तराखण्ड के कई मदरसों ने उत्तर प्रदेश के मदरसा बोर्ड से मान्यता ले रही है या फिर मदरसा संचालक ऐसा करते है अपने यहां पढ़ने वाले बच्चों को उत्तर प्रदेश के मदरसों से परीक्षा दिलाते है जिससे की उनका भविष्य सुरक्षित हो।

अधिकारी किसानों के बजाए बीमा कंपनियों को पहुंचा रहे लाभ: सैलजा

चंडीगढ़, 12 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने राज्य में फसल बीमा योजना की गंभीर खामियों और किसानों के साथ हो रहे अन्याय पर चिंता व्यक्त करते हुए केंद्र एवं राज्य सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। कुमारी सैलजा ने शनिवार को कहा कि फसल बीमा योजना का मूल उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक आपदाओं के समय आर्थिक राहत देना था, लेकिन यह योजना अब बीमा कंपनियों के मुनाफे का जरिया बनकर रह गई है। बीमा के नाम पर घोटाला करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। मीडिया को जारी बयान में कुमरी सैलजा ने कहा है कि प्रदेश के अलग अलग जिलों में हजारों किसान कई वर्षों से फसल बीमा का क्लेम पाने के लिए भटक रहे हैं। लेकिन उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया जा रहा है। किसान एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय में चक्कर काटने में लगा हुआ है। अधिकारियों और बीमा कंपनियों का गठजोड़ किसानों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। किसानों को परेशान करने वाले ऐसे अधिकारियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। कुमारी सैलजा ने कहा कि जब किसान अपनी फसलों का बीमा करवाता है तो कंपनियां न तो समय पर सर्वे कराती हैं और न ही नुकसान के आकलन में पारदर्शिता रखती हैं। अनेक किसानों को तो बीमा क्लेम से संबंधित कोई दस्तावेज ही नहीं दिया जाता, जबकि वाहन बीमा जैसे क्षेत्रों में उपभोक्ता को पूरी बीमा पॉलिसी सौंपी जाती है। यह दोहरी नीति किसानों के साथ अन्याय है।

बच्चों के बीच पहुंच डीएम मनीष कुमार बने शिक्षक

- छात्रों को सिखाए ट्रिग्नोमेट्री के सिद्धांत और मानचित्र अध्ययन की बारीकियां

चंपावत, 12 जुलाई (देशबन्धु)। जिलाधिकारी मनीष कुमार जिला लाइब्रेरी के औचक निरीक्षण के दौरान एक शिक्षक की भूमिका में छात्रों के सामने नजर आए। लाइब्रेरी में अध्ययनरत छात्रों को जिलाधिकारी ने ट्रिग्नोमेट्री के जहां सिद्धांत समझाइए, वही मानचित्र अध्ययन की बारीकियां को बेहद सरल तरीके से समझाया। जिलाधिकारी के शिक्षक स्वरूप को देखकर जिला लाइब्रेरी में अध्ययनरत छात्र भी बेहद खुश नजर आए। डीएम मनीष कुमार ने छात्रों से विभिन्न विषयों पर संवाद किया। साथ ही अध्ययन के दौरान होने वाली परेशानियों के विषय में जानकारी ली और उनके निराकरण के लिए आश्वस्त किया। जिलाधिकारी मनीष कुमार जिला लाइब्रेरी के निरीक्षण के दौरान नए रूप में नजर आए। लाइब्रेरी में अध्ययन कर रहे छात्रों को एक शिक्षक के रूप में जिलाधिकारी नहीं ट्रिग्नोमेट्री के सिद्धांत व मानचित्र अध्ययन की बारीकियां सिखाई। साथ ही छात्रों से संवाद कर उन्हें विषयों को रटने की जगह समझने के सिद्धांत पर अपनी स्टडी को आगे बढ़ने का सुझाव दिया। वहीं लाइब्रेरी में अध्ययन कर रहे छात्रों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुन उनके निराकरण हेतु निर्देश जारी किए। इस दौरान शिक्षक के रूप जिलाधिकारी ने छात्रों की करियर काउंसलिंग कर भविष्य के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इस दौरान पुस्तकालय में कंप्यूटर व स्टडी केबिन की स्थापना, एसी की व्यवस्था, साउंड एवं मोशन रिकॉर्डिंग युक्त सीसीटीवी कैमरों की स्थापना जैसे सुझाव छात्रों ने दिए। जिसके लिए जिलाधिकारी ने छात्रों को आश्वासन दिया कि जल्द इस दिशा में कार्य किया जाएगा। डीएम ने लाइब्रेरियन को स्पष्ट निर्देश दिए कि लाइब्रेरी में किसी प्रकार की अशांति उत्पन्न करने वाले तत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि अध्ययन का शांत वातावरण बना रहे।

नल से जल नहीं हो गया करोड़ों का खेल जल जीवन मिशन में घोटाले की गूंज'

देहरादून, 12 जुलाई (देशबन्धु)। उत्तराखंड में ग्रामीण क्षेत्रों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई केंद्र सरकार की बहुचर्चित योजना जल जीवन मिशन अब सवालों के घेरे में है। योजना को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की सक्रियता ने एक बार फिर इस मिशन की पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़ा कर दिया है। ईडी ने जल जीवन मिशन में मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका के चलते उत्तराखंड पेयजल निगम के कई पूर्व और वर्तमान अधिकारियों को नोटिस जारी किए हैं। सूत्रों के मुताबिक, जांच के दायरे में निगम के पूर्व प्रबंध निदेशक, वर्तमान मुख्य अभियंता और कई अन्य उच्चाधिकारी शामिल हैं। इस कार्रवाई के बाद विभागीय गलियारों में हड़कंप मचा हुआ है। खुलासा हुआ है कि केंद्र सरकार ने मिशन के तहत भेजी गई भारी भरकम राशि के दुरुपयोग की आशंका के चलते अगली किस्त जारी नहीं की है। वहीं, उत्तराखंड में परियोजना पर कार्य कर रहे ठेकेदारों को भुगतान नहीं मिल पा रहा है, जिससे जमीनी कार्य भी प्रभावित हो रहा है। सूत्रों का कहना है कि एक 'आलूवालिया' नामक व्यक्ति, जो कथित तौर पर अधिकारियों से सांठगांठ कर रहा था, अब फरार है। बताया जा रहा है कि उसी ने कई अहम दस्तावेज ईडी को सौंपे हैं, जिससे जांच को गति मिली है। इस व्यक्ति की भूमिका मिशन से जुड़ी मोटी रकम के गबन में बताई जा रही है। ईडी को जिन बिंदुओं पर शिकायतें मिली हैं, उनमें निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में लापरवाही, घटिया सामग्री का इस्तेमाल, निर्धारित समयसीमा का उल्लंघन और फर्जी भुगतान जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। इससे पहले भी मिशन में स्थानीय स्तर पर भ्रष्टाचार की बातें सामने आती रही हैं, लेकिन अब जांच एजेंसी के हस्तक्षेप से मामला गंभीर मोड़ पर है। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी इस पूरे मामले का स्वत: संज्ञान लेंगे और जांच के आदेश देंगे? या फिर यह मामला भी अन्य फाइलों की तरह दबा दिया जाएगा? यह आने वाला समय तय करेगा कि भ्रष्टाचार के इस धब्बे को राज्य सरकार किस तरह से साफ करती है।

कारोबारी से 5.81 लाख की ठगी करने का आरोपी गिरफ्तार

सिरसा, 12 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा में सिरसा के एक कारोबारी से इलेक्ट्रिक व्हीकल डीलरशिप के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने आरोपी ठग नयन को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि साइबर ठग ने फर्जी ई-मेल और बैंक खातों के जरिए ठगी की है। आरोपी की पहचान बिहार के नालंदा निवासी नयन कुमार के रूप में हुई है। नयन ने सिरसा निवासी कारोबारी गोपाल कागजी से इलेक्ट्रिक वाहन डीलरशिप देने के नाम पर पांच लाख 81 हजार 100 रुपये की साइबर ठगी की थी। शिकायतकर्ता कागजी ने बताया कि उसे कम निवेश में इलेक्ट्रिक वाहन की डीलरशिप लेने का लालच दिया गया, जिसके बाद उसे ई-मेल भी मिली। इसके बाद उसने पंजीयन और सिक्योरिटी के रूप में दिये गये खाता नंबर पर पांच लाख 81 हजार रुपये जमा कर दिए।

जिला प्रशासन का आइडिया, सीएम की प्रेरणा से जाम मुक्त शहर

तिब्बती मार्किट में 132, परेड ग्राउंड में 96 और कोरोनेशन में 18 वाह्न क्षमता की ऑटोमेटिक पार्किंग बनकर तैयार

- अमरनाथ तिवारी

- पार्किंग आपरेट के लिए जिला प्रशासन ने तैनात किए तकनीकी कुशल ऑपरेटर, बीमा कवर भी

देहरादून, 12 जुलाई (देशबन्धु)। दून में जिला प्रशासन ने मुख्यमंत्री के आधुनिक उत्तराखंड के विजन को साकार करते हुए ऑटोमेटिक मैकेनिकल पार्किंग योजना को मूर्त रूप दिया है। जिला चिकित्सालय कोरोनेशन, तिब्बती मार्केट और परेड ग्राउंड में तैयार की गई इन ऑटोमेटिक मैकेनिकल पार्किंग सुविधाओं का जल्द ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लोकार्पण करेंगे। कोरोनेशन अस्पताल में ऑटोमेटिक पार्किंग शुरू हो चुकी है। यहां पर अस्पताल स्टाफ के वाहन स्वचालित रूप से पार्क हो रहे हैं। इससे मरीजों और तीमारदारों के लिए भू-स्तरीय पार्किंग में अतिरिक्त जगह की सुविधा मिल रही है। जिला प्रशासन ने परेड ग्राउंड में 96, तिब्बती मार्केट में 132 और कोरोनेशन में 18 वाहनों की क्षमता वाली पार्किंग बहुत ही छोटे जगह पर निर्मित की गई है। इसकी खास बात ये भी है कि इन पार्किंग को अन्य स्थानों पर भी शिफ्ट किया जा सकता है। टेस्टिंग और ट्रायल कमीशनिंग पूरी होने के बाद ये पार्किंग शहर में जाम की समस्या से निजात दिलाने में कारगर साबित होंगी।

जिलाधिकारी सविन बंसल ने पार्किंग के संचालन के लिए दो कुशल तकनीकी ऑपरेटर की तैनाती के साथ ही पार्किंग में वाहनों को किसी प्रकार का नुकसान होने पर पर बीमा कवर की सुविधा भी प्रदान की है। जिला प्रशासन का यह प्रयोग भविष्य में अन्य स्थानों पर ऐसी पार्किंग विकसित करने की दिशा में एक सफल कदम माना जा रहा है। इस अभिनव पहल से शहर में पार्किंग सुविधा में इजाफा के साथ यातायात दबाव कम होगा। जिलाधिकारी की अगुवाई में जिला प्रशासन मुख्यमंत्री के आधुनिक उत्तराखंड विजन को साकार करने में जुटा है। राज्य में निर्मित पहली ऑटोमेटिक मैकेनिकल पार्किंग कोरोनेशन चिकित्सालय को हैंडओवर कर दी गई। तिब्बती मार्केट और परेड ग्राउंड में भी ऑटोमेटिक पार्किंग तैयार हो गई है। इन तीनों पार्किंग को मुख्यमंत्री जल्द लोकार्पण कर जनमानस को समर्पित करेंगे।

गैरसैंण विकासखंड में 13 प्रधान और दो क्षेत्र पंचायत सदस्य चुने गए निर्विरोध

चमोली, 12 जुलाई (देशबन्धु)। गैरसैंण ब्लॉक में 95 ग्राम पंचायतों में 13 प्रधान और 40 क्षेत्रपंचाय सदस्यों में से दो ग्राम सभाओं से क्षेत्र पंचायत सदस्य निर्विरोध चुने गए हैं। जबकि कुल 679 ग्राम पंचायत वार्डों में से 390 पर किसी भी सदस्य ने नामांकन नहीं करवाया। गैरसैंण विकासखंड के ग्राम पंचायत भटग्वाली से जयवीर सिंह, मज्याणी मल्ली से लकिता नेगी, कुनीगाड़ मल्ली से आशादेवी,रामड़ा तल्ला से दिवान राम, रंगचौंड़ा से मनोज नेगी,कल्याणा तल्ला से सुमित्रा देवी,मटकोट से अनीता देवी, सिंटोली से रतन सिंह, नैल कुमोली से सबीना, सेरा से हुक्म सिंह, बंज्यांणी से सरला देवी, भेड़ियांणा से इंद्र सिंह, भंडारीखोड़ से बसंती फर्सवाण को प्रधान पद के लिए निर्विरोध चुना गया है। जबकि क्षेत्र पंचायत के 40 वार्डों में से वार्ड फरकंडे से फरीदा बेगम और सारकोट से आरती देवी को ग्रामीणों ने निर्विरोध चुना है। जिला पंचायत में कोठा वार्ड से गौर सिंह के नामांकन वापस लेने से अब तीन प्रत्याशी मैदान में हैं। ग्राम पंचायतों के कुल 679 वार्डों में से कुल 281 सदस्य निर्विरोध हैं, जबकि आठ वार्डों में चुनाव होने हैं। 390 ग्राम पंचायत के वार्डों में किसी ने भी नामांकन नहीं किया।

प्रादेशिकी

इटावा में शादी के पांच माह बाद युवक नहर में कूदा

इटावा, 12 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में इटावा जिले के जसवंतनगर इलाके में शनिवार को एक युवक भोगनीपुर नहर में कूद गया। पुलिस क्षेत्राधिकारी आयुषी सिंह ने बताया कि अमन ने पारिवारिक विवाद के चलते भोगनीपुर नहर में छलांग मार दी है, उसकी खोज के लिए एसडीआरएफ की टीम को लगाया गया है लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं लग सका है। जिस युवक ने नहर में कूद कर जान दी है उसकी शादी इसी साल जनवरी माह में हुई थी। शादी के बाद से पति-पत्नी के बीच विवाद के चलते युवक तनाव में रह रहा था। 22 साल के अमन ने दिल्ली-हावड़ा रेलमार्ग पर बने पुल से छलांग लगा दी। देखते ही देखते अमन नहर की तेज धार में लापता हो गया। घटना के बाद नहर किनारे अफरातफरी मच गई और देखते ही देखते भारी भीड़ जमा हो गई।

प्रदेश में किसानों की समृद्धि के बिना खुशहाली असंभव : योगी

लखनऊ, 12 जुलाई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है जहां किसान की समृद्धि के बिना खुशहाली नहीं आ सकती। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में भारत में पशु नस्लों का

■ मुख्यमंत्री ने भारत में पशु नस्लों का विकास कार्यशाला का किया शुभारंभ

विकास कार्यशाला का शुभारंभ के अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत में कृषि व पशुधन एक-दूसरे से जुड़े रहे हैं। अन्नदाता किसान के घर में पशुधन होगा और पशुपालक भी खेतीबाड़ी से अवश्य जुड़ा होगा। इनके आपसी संबंध को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्ष में किसानों की खुशहाली व समृद्धि के लिए बढ़ाए गए कदम अत्यंत महत्वपूर्ण व सराहनीय हैं। मोदी की प्रेरणा से यूपी में भी इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए गए हैं। डबल इंजन सरकार की ऊर्जा का लाभ यूपी ने लिया है। यूपी दुग्ध उत्पादन में देश में नंबर एक पर है। उन्होंने गोरखपुर के कृत्रिम गर्भाधान प्रशिक्षण संस्थान तथा पशुपालन अवसंरचना विकास निधि के तहत यूपी में तीन प्रोजेक्ट (अमेठी, बरेली व मथुरा) का बटन दबाकर उद्घाटन किया। केंद्र सरकार का

भारत में कृषि व पशुधन एक-दूसरे से जुड़े रहे हैं : योगी आदित्यनाथ

धन्यवाद देते हुए योगी ने कहा कि उन्होंने यूपी में मिल्क प्रोड्यूसर को प्रोत्साहित किया है। झांसी के बलिनी, गोरखपुर, आगरा, काशी समेत यूपी में पांच मिल्क प्रोड्यूसर कार्यरत हैं। इससे लाखों महिलाएं जुड़ी हैं, जो समितियों के माध्यम से दुग्ध कलेक्शन, आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करती हैं और पशुपालन की अच्छी नस्ल की भी चिंता करती हैं। दुग्ध कलेक्शन के माध्यम से वैल्यू एडिशन से किसानों व पशुपालकों के जीवन में खुशहाली लाने में योगदान दे सकते हैं। योगी ने कहा कि 2017 में हम लोगों के सामने बहुत चुनौती थी। समय के अनुरूप पशुधन की नस्लों में सुधार नहीं हुए, जिसके परिणाम स्वरूप बड़े पैमाने पर पशुधन सड़कों, खेतों, कसाईखानों में जाते थे।

खुरपका-मुंहपका की चुनौतियों का किया जिक्र

मुख्यमंत्री ने एफएमडी बीमारी (खुरपका-मुंहपका) की चुनौतियों का जिक्र करते हुये कहा कि एफएमडी के वैक्सीनेशन कार्यक्रम प्रारंभ हुए, फिर बीच में उसे रोका गया, लेकिन केंद्रीय मंत्री ने सेचुरेशन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आज आश्वासन दिया है। उन्होने आश्वस्त किया कि पशुधन को एफएमडी मुक्त बनाकर पशुपालकों के जीवन में खुशहाली लाने में योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि पशुधन का असर वहां के क्लाइमेटिक जोन, उसके पालन, रखरखाव, नस्ल पर भी प्रभाव पड़ता है। यूपी के अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग गोवंश दिखेंगे। स्थानीय स्तर पर देसी पद्धतियों से जिन्होंने नस्ल को सुधारने के लिए प्रयास किए, उन्होंने अच्छी नस्ल को बढ़ाने में सफलता प्राप्त कर ली। जो लोग प्रयास नहीं कर पाए, वहां पशुधन काफी पिछड़ा हुआ था। आज के समय में बहुत सारी स्थानीय नस्लें लुप्तप्राय की ओर हैं। उन पर ध्यान देंगे तो पशुपालकों को स्थायी समृद्ध निधि दे सकते हैं।

सपा के पूर्व विधायक ने सौंपा ज्ञापन

मवाना, 12 जुलाई (देशबन्धु)। कांवड़ यात्रा मार्ग की जर्जर हालत को लेकर समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक प्रभुदयाल बाल्मीकि ने शुक्रवार को उपजिलाधिकारी मवाना को राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने ज्ञापन में मवाना-पौड़ी मार्ग व हस्तिनापुर मार्ग पर जगह-जगह पड़े गड्ढों और जलभराव को लेकर कांवड़ यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा पर चिंता जताई। पूर्व विधायक ने बताया कि गंगाजल लेकर आने वाले

■ कांवड़ यात्रा मार्ग की बदहाल स्थिति पर जताया रोष

कांवड़िए हर साल लाखों की संख्या में इसी मार्ग से गुजरते हैं, लेकिन मार्ग की हालत बेहद खराब है। कई किलोमीटर तक सड़क पर पानी भरा है, सड़क टूट चुकी है और दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। बावजूद इसके, प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 15 जुलाई तक सड़क की मरम्मत नहीं की गई, तो समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता व क्षेत्रीय जनता तहसील मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन करेंगे, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

रजवाहा कांवड़ मार्ग का डीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण

मवाना, 12 जुलाई (देशबन्धु)। कावड़ यात्रा को सकुशल, शांतिपूर्ण संपन्न कराए जाने हेतु जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में शनिवार को जिलाधिकारी डा. वी.के. सिंह एवं एसएसपी विपिन ताडा द्वारा संयुक्त रूप से तहसील सरधना से सरूरपुर रजवाहा, करनावल, नारंगपुर, रासना मिर्जापुर, लाहौरगढ़, भदौड़ा, डालमपुर, थिरोट, कल्याणपुर से पुरा महादेव मंदिर तक कावड़ मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया गया। उन्होंने कांवड़ मार्ग पर बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, साफ -सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, मोबाइल टॉयलेट, सड़क मरम्मत पेंचवर्क, जल निकासी, झाड़ियों की कटाई, गोताखोर व मोटरबोट की व्यवस्था, शौचालय, पेयजल, साईनेज, स्ट्रीट लाईट, विद्युत खंभों को पालिथीन से कवर कराने, ट्रांसफार्मर को जाली से कवर कराने, चिकित्सा शिविर आदि व्यवस्थाओं का

■अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

जायजा लिया। उन्होंने ग्राम प्रधानों से वार्ता कर की गई व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की व संबंधित अधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी सहित अन्य अधिकारियों ने पुरा महादेव मंदिर में जलाभिषेक भी किया। इस अवसर पर एसडीएम सरधना दीक्षा जोशी,अपर जिलाधिकारी प्रशासन सत्य प्रकाश सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कांवड़ियों ने की कई ढाबों में तोड़फोड़

मेरठ। उत्तर भारत की प्रमुख धार्मिक यात्राओं में से एक कांवड़ यात्रा 11 जुलाई (कल) से शुरू हो गई। इससे पहले ही यूपी-उत्तराखंड में होटल-ढाबों और गाड़ियों में तोड़फोड़ की 7 बड़ी घटनाएं हो गईं। 2 ढाबों पर खाने में प्याज का टुकड़ा मिला। 4 जगह गाड़ियों की टक्कर से कांवड़ खंडित हो गई। एक जगह कांवड़ के पास कुछ लोगों ने थूक दिया। ये सब घटनाएं भूलवश हो रही हैं या कोई साजिश है? यह बड़ा सवाल है। पिछले साल इस तरह की 20 से ज्यादा घटनाएं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दिल्ली-देहरादून नेशनल हाईवे पर हुई थीं। उत्तराखंड से शुरू होकर 5 राज्यों में जाने वाली 700 किलोमीटर लंबी कांवड़ यात्रा के मार्गों पर इस बार राज्य सरकारों ने सुरक्षा के इंतजाम भरपूर किए हैं।

सार संक्षेप

सपा का पीडीए अपराधियों के संरक्षण का जरिया : केशव

बहराइच। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को कहा कि समाजवादी पार्टी का पीडीए (पारिवारिक विकास एजेन्सी) फर्जी है और यह केवल अपराधियों व गुंडों के संरक्षण का माध्यम है। सदर विधानसभा क्षेत्र की विधायक अनुपमा जायसवाल के आवास पर उनकी सास के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करने आए मौर्य ने कहा कि जब सपा सरकार थी, तब इसका उदाहरण देखा जा चुका है। उस समय न तो पिछड़ों की चिंता थी, न दलितों की, न ही अति पिछड़ों की, केवल तुष्टिकरण की नीति अपनाई गई।

ट्रॉली ने बाइक में मारी टक्कर, तीन की मौत

मेरठ। मेट्रो में नाइट ड्यूटी करने के बाद शनिवार सुबह बाइक से 3 युवक अपने घर कैथवाड़ी की ओर जा रहे थे। लगभग साढ़े 7 बजे रोहटा ब्लॉक के सामने सड़क पर अचानक एक युवक आ गया। उसे बचाने के लिए बाइक सवार ने ब्रेक लगाया, तभी सामने से आ रही ईंटों से भरी तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक सवार तीनों युवकों को कुचल दिया। टक्कर लगने के बाद ड्राइवर ने ब्रेक लगाया लेकिन ट्रैक्टर सहित ट्रॉली पलट गई। जिसमें तीन युवक की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस पहुंची। युवकों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

युवक ने दोस्त की गला दबाकर कर दी हत्या

मेरठ। सरधना थाना क्षेत्र के नवाबगढ़ी गांव निवासी शकील अंसारी ने बताया- मेरा 15 साल का बेटा उवैस 10 जुलाई को नमाज पढ़ने की बात कहकर घर से निकला था। वह अब तक वापस नहीं लौटा है। परिवार ने सभी रिश्तेदारों और जान-पहचान वालों से संपर्क किया, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं मिला। खोजबीन के बाद जब उसका पता नहीं चला तो पिता ने पुलिस को सूचना दी। शनिवार को पुलिस शकील के पड़ोसी असद को गिरफ्तार कर ले गई। असद पुलिस को गांव से एक किमी दूर जंगल लेकर गया। यहां निर्माणाधीन मकान में किशोर का शव मिला। उसके गले में चोट के निशान थे। सिर पर ईंट से वार किया गया था। चेहरा काला पड़ा था। एसपी देहात डॉ. राकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि आरोपी कुकर्म करता है। बताया कि आरोपी और किशोर दोनों मित्र थे। आरोपी उसे निर्माणाधीन मकान ले गया। जहां उसने उसके साथ कुकर्म करने की बात कही। मगर किशोर ने विरोध कर दिया। इसके बाद आरोपी ने उस पर हमला कर दिया। गला दबाकर उसकी हत्या कर दी।

प्रेमी युगल ने खाया जहर

मेरठ। प्रेमी युगल ने जहर खाकर सुसाइड कर लिया। 9वीं की छात्रा अपने घर से दूर रहने वाले शादाब से प्रेम करती थी। शादी करने की जिद पर अड़ी थी। परिवार ने शादी से इनकार कर दिया था। 10 जुलाई यानी गुरुवार को दोनों ने फोन पर तय किया कि साथ जी नहीं सकते, मगर साथ मर तो सकते हैं। दोनों फोन पर जुड़े रहे, लड़की ने पहले जहर खाया, फिर लड़के ने भी सुसाइड कर लिया। दोनों की शव शुक्रवार सुबह उनके घरों के कमरे में मिला। उन्हें अलग-अलग अस्पतालों में ले जाया गया, मगर बचाया नहीं जा सका। लड़की की मौत के 6 घंटे बाद लड़के ने भी दम तोड़ दिया। शुक्रवार शाम दोनों के जनाजे उठे।

थाना दिवस पर भंडारे एवं डीजे संचालकों की बैठक

मवाना, 12 जुलाई (देशबन्धु)। मवाना क्षेत्र में कांवड़ यात्रा के दौरान लगने वाले भंडारों एवं डीजे संचालकों को लेकर आज थाना दिवस पर एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। इसमें क्षेत्र के सभी भंडारे लगाने वालों एवं डीजे संचालकों को थाने में बुलाकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। थाना प्रभारी निरीक्षक अखिलेश मिश्र द्वारा सभी आयोजकों को स्पष्ट किया गया कि भंडारे और शिविर बिना अनुमति नहीं लगाए जाएंगे। प्रत्येक शिविर पर आयोजक का नाम, मोबाइल नंबर, शिविर संख्या एवं सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य होंगे। साथ ही शिविर की स्वच्छता, ट्रैफिक प्रबंधन, अग्निशमन की व्यवस्था, बिजली की सुरक्षा एवं महिला सुरक्षा को लेकर भी जरूरी निर्देश दिए गए। इंस्पेक्टर ने कहा कि कांवड़ यात्रा की पवित्रता एवं जनसुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सभी आयोजकों को प्रशासन द्वारा जारी 28 बिंदुओं के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करना होगा। इसके अंतर्गत शिविर स्थल पर साफ-सफाई, जल व्यवस्था, बिजली सुरक्षा, ध्वनि प्रदूषण से बचाव, आपात स्थिति में संपर्क हेतु हेल्पलाइन नंबर, टेंट की मजबूती, फायर एक्सटिंग्विशर, तथा रात के समय पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी भी शिविर या डीजे संचालक द्वारा दिशा-निर्देशों का उल्लंघन किया गया।

■ इंस्पेक्टर ने दिए सख्त दिशा-निर्देश

प्राकृतिक चिकित्सा भारत की संस्कृति का अभिन्न अंग : प्रो.पीके शर्मा

मेरठ, 12 जुलाई (देशबन्धु)। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में नमो गंगे ट्रस्ट द्वारा आयोजित इंटरनेशनल हेल्थ एंड वेलनेस एक्सपो 2025 का भव्य आयोजन हुआ। जिसमें देश-विदेश के चिकित्सा विशेषज्ञों,आयुर्वेदाचार्य, शोधकर्ताओं और नीति-निर्माताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर आयोजित आरोग्य संगोष्ठी में स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी.के. शर्मा ने वक्ता के रूप में संबोधन दिया।

साथ ही सुभारती विश्वविद्यालय को प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु कुलपति प्रो. पी.के. शर्मा को नमो गंगे ट्रस्ट द्वारा सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दिल्ली विधानसभा के स्पीकर विजेन्द्र गुप्ता, मणिपुर के विधायक रामेश्वर सिंह, आयुर्वेद विशेषज्ञ आचार्य मनीष, पद्मश्री डॉ. मोहसीन वली, सुभारती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी.के. शर्मा, इंटरनेशनल नेचुरोपैथी ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष डॉ. अनंत बिरादर, कार्यक्रम संयोजक डॉ. दीप्ति शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। कुलपति प्रो.पी.के. शर्मा ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में प्राकृतिक चिकित्सा और नेचुरोपैथी के ऐतिहासिक महत्व, वर्तमान उपयोगिता और भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा भारत की संस्कृति का अभिन्न अंग है। आज पूरा विश्व प्राकृतिक चिकित्सा को अपने जीवन में आत्मसात कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा रोगों की रोकथाम और स्वस्थ जीवनशैली को भी बढ़ावा देती है। इसका मुख्य उद्देश्य शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करना है।

■ इंटरनेशनल हेल्थ एंड वेलनेस एक्सपो में सुभारती को मिला सम्मान

वृद्ध की नदी में डूबकर मौत

फर्रुखाबाद, 12 जुलाई (देशबन्धु)। कमालगंज थाना क्षेत्र के ग्राम कटाह निवासी 65 वर्षीय रमेश काली नदी पर मछली मारने के लिए गए थे। मछली पकड़ने के दौरान रमेश गहरे पानी में चले गए जिससे उनकी पानी में डूब कर मौत हो गई। 65 वर्षीय रमेश सुबह 9:00 बजे काली नदी में मछली मारने के लिए गए हुए थे। मछली मारते समय वह गहरे पानी में चले गए जिससे उनकी पानी में डूब कर मौत हो गई। रमेश की मौत की खबर परिजनों को लगता ही कोह राम मच गया। पुलिस को सूचना दी गई पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गोताखोरों के माध्यम से रमेश का पता लगाने के लिए नदी में उतार दिया। थाना अध्यक्ष राजीव कुमार शुक्ला को रमेश को ढूंढने के लिए लगाया गया काफी देरके बाद रमेश को नदी से बाहर निकल गया तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। रमेश के भजनों का रो-रो कर बुराहाल है।

ढ़ाबा संचालक ऐसा कोई काम न करें जिससे भावनाएं आहत हो : राजीव कृष्ण

लखनऊ, 12 जुलाई (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने कांवड़ यात्रा के मद्देनजर यात्रा मार्ग पर पड़ने वाले ढाबा संचालकों से अपील की है कि वह खान पान में अशुद्धि अथवा मिलावट जैसा ऐसा कोई काम न करें जिससे धार्मिक भावनाओं को चोट पहुंचती हो। कृष्ण ने शनिवार को यहां एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि आगरा, बरेली, मेरठ, प्रयागराज जोन में कावड़ यात्रा को लेकर विशेष इंतजाम किए गए हैं। पवित्र श्रावण मास में कांवड़ यात्रियों के जल अर्पण की प्रक्रिया जारी है। इस दौरान सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम किए गए हैं। इस संबंध में सीमावर्ती दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान के अधिकारियों के साथ बैठक कर आपसी समन्वय बनाये रखने पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रियों के लिए ढाबों में शुद्ध शाकाहारी भोजन परोसने की अपील की गयी है और इसकी निगरानी के लिये फूड सेफ्टी की अधिकृत एजेंसी के अफसर तैनात किये हैं जबकि पुलिस समन्वय और सहयोग के लिए तैनात है। उन्होने कहा कि खाने पीने की चीजों में किसी भी प्रकार की मिलावट की कोई जानकारी सम्बंधित अधिकारियों को दी जा सकती है। उन्होने ढाबा संचालकों से अपील की कि ढ़ाबा संचालक ऐसा कोई काम न करें जिससे भावनाएं आहत हो। डीजीपी ने कहा कि कांवड़ यात्रा के लिये मेरठ जोन में ट्रैफिक स्कीम लागू है वहीं विभिन्न घाटों पर पुलिस के गोताखोर लगाए गए हैं। कांवड़ यात्रा मार्ग की निगरानी सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के जरिए की जा रही है।

इसमें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का भी प्रयोग किया जा रहा है। यात्रा मार्ग के हर एक किमी पर पुलिस के जवान पेट्रोलिंग कर रहे हैं। संवेदनशील इलाकों में चौकी बनाई गई। उन्होने कहा कि हादसों से बचने के लिए डीजे की हाइट और साउंड के लिए नियम बनाए गये हैं जिसका पालन करना होगा।

■ अधिकारियों के साथ बैठक कर आपसी समन्वय बनाए रखने पर दिया जोर

तक्षशिला के छात्र ने जीता सिल्वर

मेरठ, 12 जुलाई (देशबन्धु)। कंकरखेड़ा स्थित तक्षशिला पब्लिक स्कूल के कक्षा 11 के छात्र प्रशांत कुमार ने 24 वे जूनियर नेशनल वूशु चौम्पियनशिप 2025 में 80 किलो भार वर्ग में वूशु खेल में सिल्वर मेडल जीता। चौम्पियनशिप का आयोजन तेलंगाना के हैदराबाद शहर में हुआ। इस ओपन स्पर्धा में सभी राज्यों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। स्कूल के चेयरमैन डॉ. ओमपाल सिंह, प्रधानाचार्य डॉ. प्रवीन कुमार पथरा ने प्रशांत कुमार व उसके अभिभावकों को सिल्वर मेडल जीतने पर बधाइयां दीं।

■ 24वीं जूनियर वूशु नेशनल चौम्पियनशिप में किया नाम रौशन

वेतन भोगी सहकारी समिति मवाना की मतदाता सूची प्रकाशित

मवाना, 12 जुलाई (देशबन्धु)। एएस इंटर कॉलेज वेतन भोगी सहकारी समिति लिमिटेड मवाना की आगामी चुनाव प्रक्रिया की तैयारियां शुरू हो गई हैं। शनिवार को कॉलेज परिसर में समिति की मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया। जिला सहायक सहकारी निर्वाचन अधिकारी एवं सहायक आयुक्त, सहायक निबंधक सहकारिता मेरठ के आदेशों के अनुपालन में यह सूची कॉलेज के सूचना पट पर प्रधानाचार्य डॉ. मेघराज सिंह व प्रबंधक पवन कुमार रस्तोगी की उपस्थिति में जारी की गई। इस दौरान समिति के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। अब आगामी 15 दिनों के भीतर चुनाव कार्यक्रम घोषित किया जाएगा, जिसमें अध्यक्ष और सदस्य पदों के लिए मतदान होगा। जिन व्यक्तियों का नाम मतदाता सूची में नहीं है, वे अपनी आपत्तियां प्रधानाचार्य कार्यालय में दर्ज करा सकते हैं। इसके पश्चात अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी और चुनाव कार्यक्रम की घोषणा होगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि चुनाव प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर विशेष कुमार रस्तोगी, विपिन कुमार और चंद्रप्रकाश भी मौजूद रहे।

■ 15 दिन में मांगी गई आपत्तियां

आयोजन — *मेरठ पब्लिक स्कूल मेन विंग का 44वां स्थापना दिवस आयोजित*

शास्त्री जी की विचारधारा ही हमारी मार्गदर्शिका : डॉ. अलक श्रीवास्तव

मेरठ, 12 जुलाई (देशबन्धु)। मेरठ पब्लिक स्कूल (मेन विंग) ने शनिवार को अपने 44वें स्थापना दिवस को अत्यंत गरिमापूर्ण, भावविभोर और श्रद्धामयी वातावरण में मनाया। यह दिवस केवल एक शैक्षणिक संस्था की स्थापना का उत्सव नहीं था, बल्कि एक विचार, एक दर्शन, और एक प्रेरणा की पुनः स्थापना का पर्व था। यह दिन समर्पित था उस महान व्यक्तित्व की स्मृति को, जिन्होंने इस विद्यालय की नींव रखी परम श्रद्धेय ताराचंद शास्त्री जी। कार्यक्रम का शुभारंभ 39 समर्पण- 39 सत्र से हुआ। अंतिम सत्र में विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ.अलका श्रीवास्तव गौड़ ने 'संकल्प संदेश'।

■ विद्यालय की प्रबंधन समिति के सभी सदस्यों का किया गया भव्य स्वागत

प्रस्तुत करते हुए कहा कि शास्त्री जी की विचारधारा ही हमारी मार्गदर्शिका है। विद्यालय प्रांगण में वैदिक मंत्रों के मध्य शांति और पवित्रता का ऐसा वातावरण उत्पन्न हुआ जिसने प्रत्येक उपस्थित व्यक्ति को आत्मिक रूप से जोड़ दिया। विद्यालय की प्रबंधन समिति के सभी सदस्यों का पारंपरिक पुष्पगुच्छ और पावन पटका पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया। इसके बाद, विद्यालय की आधारशिला के प्रस्तर का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजन किया गया, मानो अतीत की यादों और भविष्य की आशाओं को एक सूत्र में बांधा जा

रहा हो। 'वंदन सत्र में उपस्थितजन उस क्षण भावनाओं से अभिभूत हो उठे, जब ताराचंद शास्त्री को श्रद्धा-सुमन अर्पित किए गए। वक्ताओं ने उनकी दृढ़ता, साहस, संस्कारों में आस्था, और शिक्षा के प्रति समर्पण को याद करते हुए कहा, शास्त्री जी केवल शरीर नहीं, विचार थेय केवल संस्थापक नहीं, हमारे संस्कारों की आत्मा थे। इसके पश्चात 'मंत्र पुष्पांजलि' सत्र में श्रीमद्भगवद्गीता के कर्मयोग पर आधारित श्लोकों का पाठ किया गया।

भजनों के मधुर स्वरों ने पूरे परिसर को भक्ति, आस्था और आत्मशुद्धि की अनुभूति से भर दिया। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो स्वयं ईश्वर आशीर्वाद स्वरूप वहाँ उपस्थित हों। 'स्मरण यात्रा' सत्र ने विद्यालय की 44 वर्षों की संघर्षों से भरी लेकिन यशस्वी यात्रा को जीवंत कर दिया। संस्थापक की दूरदृष्टि, निष्ठा और सेवा भावना को दर्शाते हुए यह बताया गया कि कैसे एक साधारण विचार ने एक गौरवशाली शिक्षण संस्थान का रूप ले लिया, और कैसे हर वर्ष का यह सफर छात्रों के जीवन निर्माण का आधार बनता गया। कार्यक्रम के महत्वपूर्ण अध्याय हवन ने पूरे विद्यालय को सामूहिक आध्यात्मिकता, ध्यान से भर दिया। अग्नि की लपटों में जैसे न केवल आहुति दी जा रही थी, बल्कि एक बार फिर उन मूल्यों की पुष्टि हो रही थी जिन पर यह संस्थान खड़ा है। ताराचंद शास्त्री जी केवल एक संस्थापक नहीं, बल्कि एक युगदृष्टा थे। उन्होंने हमें सिखाया कि शिक्षा केवल ज्ञान नहीं, बल्कि आत्मा और आचरण की श्रेष्ठता है। उनका जीवन इस बात का साक्षात उदाहरण है कि अनुशासन, सेवा और धैर्य से कोई भी सपना साकार किया जा सकता है। हम सभी संकल्प लेते हैं कि यह विद्यालय भविष्य में भी संस्कृति, सेवा और मूल्य आधारित शिक्षा का आलोक स्तंभ बना रहेगा।

कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ हुआ। यह आयोजन न केवल एक स्मृति था, बल्कि एक सामूहिक संकल्प भी शिक्षा का दीप इसी प्रकार पीढ़ी दर पीढ़ी जलता रहे। यह आयोजन यह स्पष्ट कर गया कि मेरठ पब्लिक स्कूल (मेन विंग) केवल एक विद्यालय नहीं, बल्कि संस्कारों की एक चलती-फिरती पाठशाला है। जहां हर वर्ष की स्थापना दिवस पर स्मृति और संकल्प एकत्र होकर शिक्षा के यज्ञ में आहुति देते हैं।

'मिट्टी - एक नई पहचान' में नजर आएंगे ईश्वाक सिंह

मुंबई। अभिनेता ईश्वाक सिंह इन दिनों अपनी नई वेब सीरीज 'मिट्टी- एक नई पहचान' को लेकर चर्चा में हैं। यह सीरीज ग्रामीण भारत की पृष्ठभूमि पर आधारित है और एक ऐसे शहरी प्रोफेशनल की कहानी कहती है जो अपनी जड़ों से फिर से जुड़ता है। इस कहानी की तुलना शाहरुख़ खान की फिल्म स्वदेश से भी की जा रही है, लेकिन ईश्वाक़ का मानना है कि दोनों की भावनात्मक यात्रा अलग है। ईश्वाक ने कहा कि मिट्टी और 'स्वदेश' की शुरुआत भले ही मिलती-जुलती हो, लेकिन उनके किरदारों की भावनात्मक यात्रा एकदम अलग है। स्वदेश एक ऐसे व्यक्ति की कहानी थी जो बदलाव लाने की कोशिश करता है, जबकि 'मिट्टी' एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है जो खुद को खोजने निकला है।

वैज्ञानिकों ने पार्किंसंस बीमारी के लिए बनाई नई दवा

पार्किंसंस मरीजों को रोजाना दवा लेने का बोझ खत्म

- दवा से करीब 80 लाख लोगों की बदलेगी जिंदगी
- पार्किंसंस दवा में मुख्य दवाइयां लेवोडोपा व कार्बिडोपा शामिल

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल के वैज्ञानिकों के नेतृत्व में एक टीम ने पार्किंसंस बीमारी से पीड़ित लोगों के लिए एक नई दवा बनाई है। ये दवा हफ्ते में एक बार इंजेक्शन के रूप में लेनी होती है। इस दवा से करीब 80 लाख लोगों की जिंदगी बदल सकती है, क्योंकि इससे मरीजों को रोजाना कई गोलियां लेने से छुटकारा मिल सकता है। बार-बार दवा लेना मुश्किल होता है, खासकर बुजुर्गों के लिए या जिनको दवा निगलने में दिक्कत होती है। ऐसे में दवा सही समय पर न लेने से न सिर्फ दवा का असर कम होता है, बल्कि इसके साइड इफेक्ट्स बढ़ जाते हैं और बीमारी ठीक से कंट्रोल नहीं हो पाती।

इस समस्या को समाधान करने के लिए, दक्षिण ऑस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय (यूनिसा) की टीम ने एक ऐसी इंजेक्शन वाली दवा बनाई है जो लंबे समय तक काम करती है। इस दवा में पार्किंसंस की दो मुख्य दवाइयां, लेवोडोपा और कार्बिडोपा, शामिल हैं। ये दवा पूरे हफ्ते असर करती है।

ड्रग डिलीवरी एंड ट्रांसलेशनल रिसर्च पत्रिका में प्रकाशित शोध में बताया गया कि यह दवा खास तरह की होती है, इसे बायोडिग्रेडेबल कहते हैं। इस दवा को इंजेक्शन के रूप में लगाया जाता है। यह दवा धीरे-धीरे सात दिनों तक शरीर में असर करती है। यूनिसा के फार्मास्यूटिकल इनोवेशन सेंटर के प्रोफेसर संजय गर्ग ने कहा है कि यह नई इंजेक्शन वाली दवा इलाज के नतीजों को बेहतर बना सकती है। इससे मरीजों के लिए भी दवा लेना आसान हो जाएगा। साथ ही बीमारी ठीक होने में मदद मिलेगी। प्रोफेसर गर्ग ने कहा कि हमारा मकसद ऐसी दवा बनाना था जो इलाज को आसान बनाए। मरीज दवा को सही तरीके से लें, और दवा का असर लगातार बना रहे। यह हफ्ते में एक बार लगने वाला इंजेक्शन पार्किंसंस की देखभाल में बड़ा बदलाव ला सकता है।

वायु प्रदूषण से बढ़ा ब्रेन ट्यूमर का खतरा

एक नए अध्ययन के अनुसार, वायु प्रदूषण न केवल दिल और फेफड़ों को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि यह ब्रेन में एक सामान्य ट्यूमर, मेनिन्जियोमा के खतरे को भी बढ़ा सकता है। मेनिन्जियोमा नामक ट्यूमर, जो आमतौर पर कैंसररहित (नॉन-कैंसरस) होता है, मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी को ढकने वाली पतली परत (मेनिन्जेस) में बनता है। यह ट्यूमर ज्यादातर हानिरहित होता है, लेकिन कभी-कभी इसके कारण सिरदर्द, दौरे पड़ते हैं या ये अन्य न्यूरोलॉजिकल समस्याओं की वजह बन सकते हैं। न्यूरोलॉजी जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि प्रदूषण और मेनिन्जियोमा के बीच एक संभावित संबंध हो सकता है, हालांकि यह साबित नहीं हुआ कि प्रदूषण ही इसका कारण है। अध्ययन में ट्रैफिक से जुड़े प्रदूषकों जैसे नाइट्रोजन डाइऑक्साइड और अल्ट्राफाइन कणों (बारीक कण) का विश्लेषण किया गया, जो शहरी क्षेत्रों में अधिक पाए जाते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन लोगों का इन प्रदूषकों के संपर्क में ज्यादा समय बीता, उनमें मेनिन्जियोमा का खतरा अधिक था। डेनमार्क कैंसर इंस्टीट्यूट की शोधकर्ता उल्ला ह्विडटफेल्ड ने बताया, अल्ट्राफाइन कण इतने छोटे होते हैं कि वे रक्त-मस्तिष्क अवरोध को पार कर सकते हैं और मस्तिष्क के ऊतकों को प्रभावित कर सकते हैं।

टीवी व मोबाइल से पहले, सिनेमा हॉल में देखी फिल्में दिलो दिमाग पर छा जाती थीं : काजोल

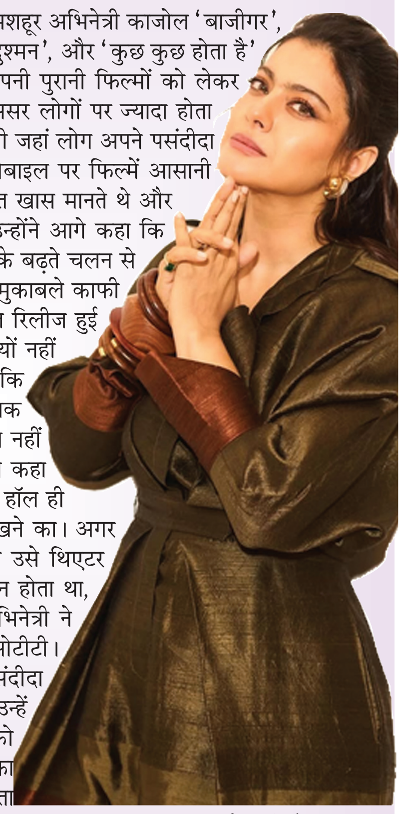

मुंबई, 12 जुलाई (एजेंसियां)। बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री काजोल 'बाजीगर', 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'गुप्त', 'इश्क', 'दुश्मन', और 'कुछ कुछ होता है' जैसी यादगार फिल्मों के लिए जानी जाती हैं। अपनी पुरानी फिल्मों को लेकर उन्होंने कहा कि पहले के जमाने में फिल्मों का असर लोगों पर ज्यादा होता था, क्योंकि सिनेमा हॉल ही एकमात्र जगह होती थी जहां लोग अपने पसंदीदा सितारों को देख सकते थे। उस वक्त टीवी या मोबाइल पर फिल्में आसानी से नहीं मिलती थीं, इसलिए लोग फिल्मों को बहुत खास मानते थे और उनकी यादें भी लंबे समय तक बनी रहती थीं। उन्होंने आगे कहा कि आजकल सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफॉर्म के बढ़ते चलन से फिल्मों को लेकर उत्साह और याददाश्त पहले के मुकाबले काफी कम हो गई हैं।जब काजोल से पूछा गया कि आज रिलीज हुई फिल्मों की याददाश्त पहले वाली फिल्मों जैसी क्यों नहीं है, इस पर काजोल ने कहा कि मुझे लगता है कि आज भी कुछ फिल्में अच्छी और याद रखने लायक होती हैं, लेकिन शायद उनकी संख्या कम है। मैं ये नहीं कहूंगी कि आज ऐसी कोई फिल्म नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि पहले समय में सिर्फ सिनेमा हॉल ही एकमात्र तरीका था अपने पसंदीदा सितारों को देखने का। अगर किसी को शाहरुख खान को देखना होता था, तो उसे थिएटर जाना पड़ता था। अगर कोई अजय देवगन का फैन होता था, तो वो भी उन्हें देखने सिनेमा हॉल जाता था। अभिनेत्री ने कहा कि उस समय न सोशल मीडिया था, न ओटीटी। कुछ भी नहीं था। अगर किसी को अपने पसंदीदा अभिनेता या अभिनेत्री को देखना होता था, तो उन्हें सिनेमा हॉल जाना होता था। जब किसी चीज को देखने या अनुभव करने का सिर्फ एक ही तरीका होता है, तो वही अनुभव सबसे गहरी याद बन जाता है। उन्होंने कहा कि जब किसी चीज को देखने के लिए 15 अलग-अलग तरीके होते हैं, तो शायद वो उतनी गहराई से आपके दिल में नहीं बसती। वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही कायोज ईरानी की फिल्म 'सरजमीन' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान डेब्यू कर रहे हैं। वहीं पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिका में हैं।

यह फिल्म 25 जुलाई को जियो हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

राष्ट्रपति के साथ बैठकर 'तन्वी द ग्रेट' देखना सम्मान की बात : करण टैकर

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लिए 'तन्वी द ग्रेट' फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग का आयोजन राष्ट्रपति भवन में किया गया। अनुपम खेर के साथ पूरी स्टार कास्ट मौजूद रही। फिल्म के एक्टर करण, टैकर ने राष्ट्रपति

की प्रशंसा को अपने लिए 'सबसे बड़ी उपलब्धि' बताया। विशेष स्क्रीनिंग शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र (आरबीसीसी) में आयोजित की गई थी। इस दौरान अनुपम खेर, शुभांगी दत्त, करण टैकर और बोमन ईरानी उपस्थित थे। राष्ट्रपति भवन में हुई विशेष स्क्रीनिंग से उत्साहित अभिनेता करण टैकर ने कहा कि अपने देश की राष्ट्रपति के साथ उनके कार्यालय में फिल्म देखना बेहद सम्मानजनक था। उन्होंने आगे कहा कि मुझे मानना होगा कि वह एक बेहद सरल और विनम्र इंसान हैं, और फिल्म के लिए उनकी तारीफ मेरे लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्हें हमारे साथ पूरी फिल्म देखते देखना हमारी पूरी टीम के लिए बहुत ही सम्मानजनक और अभिभूत करने वाला क्षण था जो मेरी यादों में हमेशा के लिए कैद हो गया।अभिनेता ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इसकी कुछ तस्वीरें शेयर कीं और लिखा कि यह बताते हुए मुझे गर्व हो रहा है कि हमारी फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू की गरिमामयी उपस्थिति में प्रदर्शित हुई। पूरी टीम के लिए यह गर्व का क्षण है। मुझे इस खूबसूरत सफर का हिस्सा बनाने के लिए अनुपमा खेर को धन्यवाद।

थकान, अनिद्रा व तनाव से राहत दिलाने का आसान उपाय है द्रोणपुष्पी

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। हमारे आस-पास बहुत सारे ऐसे पौधे होते हैं जिन्हें हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन उनमें से कुछ औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं और हमारी सेहत के लिए वरदान साबित होते हैं। 'द्रोणपुष्पी' भी ऐसा ही एक पौधा है, जो अपनी सादगी और आसानी से मिलने वाले गुणों के कारण आयुर्वेद में बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इसे गुमा के नाम से भी जाना जाता है। यह पूरा पौधा, चाहे वह पत्ते हों, फूल, जड़ या

तना... हर हिस्सा किसी न किसी बीमारी के इलाज में उपयोगी होता है। अमेरिकी नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक, द्रोणपुष्पी का वानस्पतिक नाम ल्यूकास एस्पेरा है। इस पूरे पौधे में ट्राइटरपेनोइड्स नामक तत्व होता है, जिनमें ओलेनोलीक एसिड, यर्सोलिक एसिड और बीटा-सिटोस्टेरोल शामिल हैं। इसके ऊपर वाले भागों में निकोटिन, स्टेरोल्स और कुछ नए अल्कालॉइड्स पाए गए हैं। साथ ही इसमें शर्करा जैसे गैलैक्टोज और ग्लूकोसाइड भी होते हैं। पौधे के पत्तों में कई प्रकार के तैलीय और खुशबूदार पदार्थ होते हैं, जिनमें यू-फारनीसीन, एक्स-थुजीन और मेंथोल सबसे ज्यादा होते हैं। फूलों में भी ऐमिल प्रोपियोनेट और आइसोएमिल प्रोपियोनेट जैसे कुछ खास तत्व पाए जाते हैं। इसके बीजों में कई प्रकार के फैटी एसिड होते हैं, जैसे पाल्मिटिक एसिड, स्टीयरिक एसिड, ओलेइक एसिड और लिनोलेइक एसिड। बीजों के तेल में बीटा-सिटोस्टेरोल और सेरिल अल्कोहल भी होते हैं। पौधे के तनों और जड़ों में ल्यूकोलेक्टोन नामक तत्व होता है। ये सारे तत्व मिलकर द्रोणपुष्पी को औषधीय गुणों से भरपूर बनाते हैं। इस पौधे में एंटीमाइक्रोबियल, एंटीऑक्सिडेंट और कई अन्य औषधीय गुण होते हैं, इसलिए इसका इस्तेमाल दवाइयों के रूप में भी होता है।

यह पौधा बुखार में बहुत फायदेमंद होता है। चाहे सामान्य बुखार हो, मलेरिया, टाइफाइड, या किसी भी तरह की समस्या हो, द्रोणपुष्पी का काढ़ा पीने से बुखार जल्दी कम हो जाता है।

बहुप्रतीक्षित मॉडल यूनाइटेड नेशंस सम्मेलन- ईशेलॉन का जेपी पब्लिक स्कूल में हुआ शुभारम्भ

ग्रेटर नोएडा, 12 जुलाई (देशबन्धु)। जेपी पब्लिक स्कूल, ग्रेटर नोएडा ने अपने बहुप्रतीक्षित मॉडल यूनाइटेड नेशंस सम्मेलन- ईशेलॉन एमयूएन 1.0 का आरंभ अत्यंत उत्साह और उमंग के साथ किया। इसका उद्घाटन धीरेंद्र सिंह विधायक जेवर ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य विशिष्ट अतिथियों में जयपी स्कूल्स के प्रेसिडेंट एजुकेशन कमांडर एस. जे. सिंह, वाइस प्रेसिडेंट एजुकेशन डॉ. आर. एस. पंवार, जनरल मैनेजर ग्रुप कैप्टन आनंद कुमार, और स्कूल की वाइस प्रिंसिपल अनीता पिल्लई मौजूद रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए धीरेंद्र सिंह ने विद्यालय द्वारा सामाजिक रूप से जिम्मेदार और वैश्विक दृष्टिकोण रखने वाले युवा नेताओं के निर्माण के प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने सभी प्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे पूरी निष्ठा, दृष्टि और सहानुभूति के साथ वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श करें और विश्व नेताओं की भूमिका को ईमानदारी से निभाएं। विद्यालय की प्रधानाचार्या मीता भंडूला ने सभी भाग लेने वाले स्कूलों का स्वागत करते हुए सेक्रेटेरिएट और ऑर्गेनाइजिंग कमेटी की प्रशंसा की, जिन्होंने ईशेलॉन एमयूएन के पहले संस्करण को साकार किया। कार्यक्रम में दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न विद्यालयों से आए 200 से अधिक प्रतिनिधियों के साथ, और छह प्रभावशाली समितियों में विचार-विमर्श करते हुए, ईशेलॉन एक ऐसा मंच बनकर उभरा है, जो प्रभावशाली वाद-विवाद, गंभीर चिंतन और नेतृत्व कौशल के विकास का अवसर प्रदान करता है।

अमेजन प्राइम डे 2025 शुरू

गुरुग्राम। उलटी गिनती आधिकारिक रूप से शुरू हो चुकी है! अब बस 24 घंटे बाकी हैं और अमेजन इंडिया अपने साल के सबसे बहुप्रतीक्षित शॉपिंग फेस्टिवल, प्राइम डे 2025 के लिए पूरी तरह तैयार है, खासतौर पर प्राइम मेंबर्स के लिए। 12 जुलाई को रात 12:00 बजे से लेकर 14 जुलाई को रात 11:59 बजे तक, ग्राहक 72 घंटे तक स्मार्टफोन्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, फैशन और ब्यूटी, होम और किचन, ग्रॉसरी सहित कई श्रेणियों में सबसे बेहतरीन डील्स, शानदार लॉन्च और अब तक की सबसे तेज़ डिलीवरी स्पीड का आनंद उठा सकेंगे। प्राइम डे 2025 - धमाकेदार डील्स और नए प्रोडक्ट लॉन्च! प्राइम डे के दौरान भाग लेने वाले विक्रेताओं और ब्रांड्स से ग्राहक यहां विभिन्न कैटेगरीज में बेहतरीन डील्स का लाभ उठा सकते हैं। स्मार्टफोन्स और एक्सेसरीज : वनप्लस 13: स्नैपड्रैगन 8 एलीट प्रोसेसर, 50एमपी हसलब्लैड ट्रिपल कैमरा सिस्टम और 2के प्रोएक्सडीआर डिस्प्ले के साथ फ्लैगशिप परफॉर्मेंस का अनुभव लें। आईपी 69 रेटिंग, 6000 एमएएच बैटरी और 100 वॉट वायर्ड + 50 वॉट वायरलेस फास्ट चार्जिंग के साथ यह पावरफुल स्मार्टफोन अब 59,999 रुपये की नेट इफेक्टिव कीमत पर उपलब्ध है।

आईआईटी दिल्ली में खुलेगी अत्याधुनिक एमआरआई रिसर्च लैब

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली (आईआईटी दिल्ली) ने मेडिकल इमेजिंग के क्षेत्र में नए रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए एक अत्याधुनिक मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एमआरआई) रिसर्च लैब शुरू की है। इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस पहल के तहत स्थापित यह फैसिलिटी 1.5 टेस्ला क्लिनिकल-ग्रेड एमआरआई स्कैनर से सुसज्जित है।

यह फैसिलिटी भारत के प्रमुख इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थानों में पहली पहल है। इसका प्राथमिक उद्देश्य नए वैज्ञानिक खोज करना और छात्रों को चिकित्सा इमेजिंग के क्षेत्र में प्रशिक्षित करना होगा। इसे विशेष रूप से एमआरआई के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है। यह अत्याधुनिक एमआरआई फैसिलिटी एमआर इमेजिंग के विभिन्न क्षेत्रों और इमेज प्रोसेसिंग को बेहतरीन

- उद्देश्य नए वैज्ञानिक खोज व छात्रों को चिकित्सा इमेजिंग के क्षेत्र में प्रशिक्षित करना
- इमेजिंग सुविधा आईआईटी दिल्ली के विभिन्न विषयों के कई शोधकर्ताओं के लिए मददगार

करने में मदद करेगी।आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी ने कहा कि यह नई रिसर्च एमआरआई फैसिलिटी इमेजिंग में रिसर्च और नवाचार को सक्षम बनाएगी। यह साइंस, इंजीनियरिंग और मेडिसिन के मेल से नई जानकारी जुटाने के आईआईटी दिल्ली के प्रयासों को भी मदद करेगी, जिससे स्वास्थ्य सेवा में बड़ा बदलाव आएगा। यह लैब आईआईटी दिल्ली के सेंटर फॉर बायोमेडिकल इंजीनियरिंग (सीबीएमई) में स्थित है। शुरुआत में इसमें डमी पर रिसर्च की जाएगी और फिर जरूरी सरकारी मंजूरी मिलने के बाद इसमें वॉलेंटियर्स पर क्लिनिकल स्टडी भी की जाएगी।यह आईआईटी दिल्ली के मेडिकल इमेजिंग पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्रों के लिए एक व्यावहारिक प्रशिक्षण मंच के रूप में भी काम करेगा, जिससे उन्नत इमेजिंग तकनीकों के बारे में उनका व्यावहारिक ज्ञान बढ़ेगा। सीबीएमई के प्रो. अनूप सिंह और प्रो. अमित मेहंदीरत्ता ने इसका पहले नेतृत्व किया है, उनके अनुसार, इसको स्थापित करने का सपना पांच साल पहले देखा गया था। यह फैसिलिटी विश्वविद्यालय में मेडिकल इमेजिंग के शिक्षण और सीखने को एक नया आयाम प्रदान करेगी। इसकी शुरुआत 9 जुलाई को हुई थी और पहला एमआरआई सुरक्षा सत्र बी-एमईसी इमेजिंग प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित किया गया था, जिसने एमआरआई स्कैनर स्थापित किया था।

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

हिंद यूनिलीवर	4.61 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	0.79 प्रतिशत
सन फार्मा	0.56 प्रतिशत
एनटीपीसी	0.37 प्रतिशत
इटर्नल	0.19 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

टीसीएस	3.46 प्रतिशत
एमएंडएम	2.75 प्रतिशत
भारती एयरटेल	2.20 प्रतिशत
टाटा मोटर्स	2.00 प्रतिशत
टेक महिंद्रा	1.73 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	97,511
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	1,10,290
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	77.85	90.26
पौंड स्टर्लिंग	105.22	122.04
यूरो	88.88	103.09
चीन युआन	8.4	13.63

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7789-7818
मसूर काली	8006-8032
उड़द दाल	10556-10561
मूंग दाल	10133-10146
अरहर दाल	11130-11132

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

वित्त वर्ष 2026 में ग्रामीण उपभोग को मिलेगा समर्थन

■ **अनुकूल कृषि उत्पादन व महंगाई में हो रही कमी**

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। आयकर के बोझ में हालिया कमी, मुद्रास्फीति में नरमी, कम ब्याज दरें और कृषि उत्पादन के लिए अनुकूल परिदृश्य से भारत में ग्रामीण आय और समग्र उपभोग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। यह जानकारी एक लेटेस्ट रिपोर्ट में दी गई।

निजी अंतिम उपभोग व्यय भारत के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 60 प्रतिशत है, इसलिए इसका भारत के समग्र विकास परिदृश्य पर गहरा प्रभाव पड़ता है। निजी क्षेत्र के पूंजीगत व्यय में वृद्धि के लिए उपभोग में निरंतर सुधार भी महत्वपूर्ण है।

केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि हमें वित्त वर्ष 2026 में निजी उपभोग में 6.2 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है, जबकि पिछले तीन वर्षों में यह औसतन 6.7 प्रतिशत रही है। दीर्घावधि में, निजी उपभोग में स्वस्थ वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए घरेलू आय को प्रभावित करने वाले कारकों पर नजर रखना महत्वपूर्ण होगा। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में समग्र उपभोग वृद्धि स्वस्थ रही है, लेकिन

हाल के संकेतक शहरी मांग में उभरते दबावों का संकेत देते हैं, जबकि ग्रामीण मांग स्थिर बनी हुई है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि वित्त वर्ष 26 में अनुकूल कृषि उत्पादन और मुद्रास्फीति में कमी से ग्रामीण उपभोग को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

आरबीआई द्वारा ब्याज दरों में कटौती, करों के बोझ में कमी और मुद्रास्फीति के दबाव में कमी के रूप में हालिया नीतिगत समर्थन से निकट भविष्य में शहरी उपभोग को कुछ राहत और समर्थन मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा, रिपोर्ट में बताया गया है कि इस वर्ष अच्छे मानसून की संभावना से ग्रामीण उपभोग को बढ़ावा मिल सकता है। ऐसे समय में जब आय वृद्धि कमजोर रही है, हाउसहोल्ड लेवरेज में वृद्धि देखी गई है। वित्त वर्ष 2024 तक, घरेलू ऋण सकल घरेलू उत्पाद का 41 प्रतिशत और शुद्ध घरेलू प्रयोज्य आय का 55 प्रतिशत था। हालांकि, भारतीय परिवार कुछ उभरती अर्थव्यवस्थाओं, जैसे थाईलैंड (जीडीपी का 87 प्रतिशत), मलेशिया (67 प्रतिशत) और चीन (62 प्रतिशत) की तुलना में कम ऋणग्रस्त हैं।

भारत का स्वर्ण भंडार 34.2 करोड़ डॉलर बढ़ा, विदेशी मुद्रा भंडार 699.736 अरब डॉलर पर : आरबीआई

नई दिल्ली। आरबीआई द्वारा जारी नवीनतम साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, देश का स्वर्ण भंडार सप्ताह के दौरान 34.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 84.846 अरब डॉलर पर पहुंच गया। सोने के साथ-साथ, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 3.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.868 अरब डॉलर हो गए। इसके अतिरिक्त, आंकड़ों के अनुसार, आईएमएफ में भारत का आरक्षित भंडार भी 10.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.735 अरब डॉलर हो गया। भंडार में यह वृद्धि ऐसे समय में हुई है जब घरेलू और वैश्विक सर्राफा बाजारों में भारी तेजी देखी जा रही है। आरबीआई ने कहा कि 4 जुलाई को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 699.736 अरब डॉलर रहा। पिछले रिपोर्टिंग सप्ताह में, कुल मुद्रा भंडार 4.849 अरब डॉलर बढ़कर 702.784 अरब डॉलर हो गया था। सितंबर 2024 के अंत में यह भंडार 704.885 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया था। डॉलर के संदर्भ में, विदेशी मुद्रा आस्तियों (एफसीए) में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों के मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है। शुक्रवार को भारत में सोने और चांदी की कीमतों में जबरदस्त वृद्धि हुई और चांदी की कीमतें सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गईं। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, 24 कैरेट सोने की कीमत 465 रुपए बढ़कर 97,511 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई, जो एक दिन पहले 97,046 रुपए थी। 22 कैरेट सोने की कीमत बढ़कर 89,320 रुपए प्रति 10 ग्राम और 18 कैरेट सोने की कीमत 73,133 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। इस बीच, आखिरी कारोबारी दिन के पिछले 24 घंटों में चांदी की कीमतों में 2,356 रुपए की बढ़ोतरी हुई।

वित्त मंत्री ने मेघालय की शीर्ष महिला करदाताओं को किया सम्मानित

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शिलांग में उद्योग हितधारकों के साथ एक संवाद सत्र में भाग लेने के साथ मेघालय की शीर्ष महिला करदाताओं को सम्मानित किया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ऑफिस की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लेटेस्ट पोस्ट में इस सेशन की कुछ तस्वीरों को साझा किया गया। पोस्ट में कहा गया कि इंटरेक्टिव सेशन की कुछ झलकियां।

कार्यक्रम के दौरान वित्त मंत्री ने मेघालय की शीर्ष महिला करदाताओं रिमिफुल शेला और वंजोप्लिन नॉनसगटेन को भी सम्मानित किया।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने मेघालय के शिलांग में मशरूम डेवलपमेंट सेंटर का भी दौरा किया। एक्स पर शेयर किए गए पोस्ट में बताया गया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मेघालय के शिलांग में मशरूम डेवलपमेंट सेंटर का दौरा किया और वहां के अधिकारियों और कर्मचारियों से बातचीत की। इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आईआईएम शिलांग में आईआईसीए नॉर्थ ईस्ट कॉन्क्लेव 2025 में कहा कि हम हमेशा सबका साथ और सबका

■ **वित्त मंत्री ने शिलांग में मशरूम डेवलपमेंट सेंटर का किया दौरा**

विकास के बारे में बात करते हैं और यह पूर्वोत्तर क्षेत्र को शामिल किए बिना पूरा नहीं हो सकता। यह केवल जन धन खाते खोलकर वित्तीय समावेशन के बारे में नहीं, बल्कि युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने के बारे में भी है। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी हमेशा पूर्वोत्तर क्षेत्र को अष्ट लक्ष्मी कहते हैं और यहां अच्छे स्वभाव वाले लोग, प्राकृतिक संसाधन, सांस्कृतिक समृद्धि, रणनीतिक स्थान और ऊर्जावान युवा तक हर चीज प्रचुर मात्रा में है। इस कारण से यह क्षेत्र विकसित भारत 2047 विजन में बड़ा योगदान देगा।

वित्त मंत्री सीतारमण ने शिलांग में 1,500 करोड़ रुपए से अधिक की लागत की कई ऐतिहासिक विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी।

शहरों में डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड्स व सस्ते प्रोडक्ट्स की धूम

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के एफएमसीजी (फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स) मार्केट में शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की पसंद में साफ अंतर नजर आ रहा है। जहां शहरों में लोग बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स और नए डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड्स की ओर आकर्षित हो रहे हैं, वहीं ग्रामीण इलाकों में नेस्ले, डाबर और हिंदुस्तान यूनिलीवर जैसे पुराने और लोकप्रिय ब्रांड्स के प्रति वफादारी बढ़ रही है।

हालांकि, ग्रामीण बाजारों में पहले बिना ब्रांड वाले सामान का बोलबाला था, लेकिन अब स्थिति बदल रही है। बड़े ब्रांड्स अपनी मजबूत डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और ग्रामीण क्षेत्रों में गहरी पैठ के दम पर वहां अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रहे

हैं। दूसरी ओर, डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड्स को इस स्केल तक पहुंचने में अभी कई साल या शायद दशक लग सकते हैं। शहरी उपभोक्ता महंगाई के दबाव और ऑनलाइन प्रोडक्ट खोजने की बढ़ती प्रवृत्ति के चलते बिना ब्रांड वाले सामान की ओर ज्यादा झुक रहे हैं। वित्त वर्ष 2025 में शहरों में बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स की वॉल्यूम ग्रोथ 8.4 फीसदी रही, जबकि ग्रामीण भारत में यह सिर्फ 2.3 फीसदी थी। हालांकि, लिस्टेड एफएमसीजी कंपनियों की कुल वॉल्यूम ग्रोथ की बात करें तो ग्रामीण बाजारों ने शहरी बाजारों को पीछे छोड़ दिया।

भारत के रूस से तेल की खरीद से वैश्विक ऊर्जा कीमतों को मिली मदद : पुरी

■ **रूसी तेल पर कभी नहीं लगे वैश्विक प्रतिबंध**

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत के रूस से कच्चे तेल की खरीद से वैश्विक ऊर्जा कीमतों को स्थिर स्तर पर लाने में मदद मिली है।

केंद्रीय मंत्री पुरी ने कहा कि रूस 90 लाख बैरल प्रतिदिन से अधिक उत्पादन के साथ सबसे बड़े कच्चे तेल उत्पादकों में से एक है। कल्पना कीजिए कि अगर यह तेल, जो लगभग 9.7 करोड़ बैरल की वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 10 प्रतिशत है, बाजार से गायब हो जाता, तो क्या होता। इससे दुनिया को अपनी खपत कम करने के लिए मजबूर होना

पड़ता और क्योंकि उपभोक्ता सप्लाई की तलाश में होते, इसलिए कीमतें 120-130 डॉलर से भी ज्यादा हो जातीं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत वैश्विक ऊर्जा मूल्य स्थिरता में शुद्ध सकारात्मक योगदानकर्ता रहा है, साथ ही हमने एनर्जी उपलब्धता, अफोर्डिबिलिटी और सस्टेनेबिलिटी की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है। उन्होंने

भारत दुनिया में सबसे कम कीमतों पर 33 करोड़ घरों को क्लीन कुकिंग गैस उपलब्ध करा रहा है : हरदीप सिंह पुरी

बताया कि रूसी तेल पर कभी वैश्विक प्रतिबंध नहीं लगे।

केंद्रीय मंत्री पुरी ने कहा कि दुनिया भर के समझदार निर्णयकर्ता ग्लोबल ऑयल सप्लाई चेन की वास्तविकताओं से अवगत थे और वे जानते थे कि भारत जहां से भी संभव हो, एक निश्चित मूल्य सीमा के तहत रियायती तेल खरीदकर वैश्विक बाजारों की मदद कर रहा था।

उन्होंने आगे कहा कि कुछ टिप्पणीकार, जिन्हें ऊर्जा बाजारों की गतिशीलता की समझ नहीं है, हमारी नीतियों पर अनावश्यक निर्णय देते हैं।

सार संक्षेप

अजमेरा रियल्टी ने पहली तिमाही में दर्ज की गिरावट

मुंबई। अजमेरा रियल्टी ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में अपने बिक्री प्रदर्शन में सालाना और तिमाही दोनों आधार पर भारी गिरावट दर्ज की है। रियल एस्टेट कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी में बताया कि पहली तिमाही में कंपनी का बिक्री मूल्य 108 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही के 306 करोड़ रुपए की तुलना में 65 प्रतिशत कम है। बेचे गए कार्पेट एरिया के संदर्भ में, अजमेरा रियल्टी ने अप्रैल-जून की अवधि में 63,244 वर्ग फुट की बिक्री दर्ज की, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही के 1,30,801 वर्ग फुट से 52 प्रतिशत कम है। क्रमिक रूप से, बिक्री मूल्य भी वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही के 250 करोड़ रुपए से 57 प्रतिशत कम रहा। पिछली तिमाही में बेचे गए 1,85,939 वर्ग फुट कार्पेट एरिया की तुलना में बेचे गए कालीन एरिया में तेजी से 66 प्रतिशत की गिरावट आई।

सरकार रेयर अर्थ प्रोडक्शन को देगी सहायता

नई दिल्ली। भारत सरकार रेयर अर्थ मैग्नेट के प्रोडक्शन को बढ़ावा देने के लिए एक नई योजना पर काम कर रही है। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच.डी. कुमारास्वामी ने बताया कि 1,345 करोड़ रुपए की इस योजना के तहत दो चुनिंदा मैन्युफैक्चरर को सब्सिडी दी जाएगी। यह कदम चीन द्वारा रेयर अर्थ मैग्नेट के निर्यात पर रोक लगाने के बाद उठाया जा रहा है, जिसने वैश्विक आपूर्ति को प्रभावित किया है और भारत समेत कई देशों में इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली कंपनियों को परेशानी में डाल दिया है। इस योजना का मकसद रेयर अर्थ ऑक्साइड को मैग्नेट में बदलने की पूरी प्रक्रिया को सपोर्ट करना है। सूत्रों के मुताबिक, कई मंत्रालय से बातचीत के बाद इस प्रस्ताव को मंजूरी के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल के सामने रखा जाएगा।

अमेज़न बिज़नस ने प्राइम डे पर की आकर्षक डील्स की घोषणा

गुरुग्राम। अमेज़न बिज़नस 12 जुलाई से 14 जुलाई 2025 तक अपने बिजनस कस्टमर के लिए इस प्राइम डे पर कुछ आकर्षक डील्स की घोषणा करता है। पहली बार, प्राइम डे 72 घंटे का शॉपिंग सेलीब्रेशन होगा, जिसमें बिजनस कस्टमर्स लैपटॉप, टैबलेट, हेडफ़ोन, एसी, कूलर, पंखे, ऑफिस फ़र्नीचर, किचन एप्लायसेंस एवं इंडस्ट्रीयल सप्लाई जैसे विभिन्न उत्पादों आकर्षक डील्स का फायदा उठा सकते हैं। ग्राहक विभिन्न श्रेणियों में बल्क खरीदारी करने पर 20 प्रतिशत तक की अतिरिक्त छूट का भी लाभ उठा सकते हैं और अपने प्रीपेड ऑर्डर पर एलिजबल श्रेणियों में 9,999 रुपये तक का कैशबैक प्राप्त कर सकते हैं। इस प्राइम डे पर इन शानदार डील्स का लाभ उठाने के लिए अमेज़न बिज़नेस पर जाना ना भूलें। टैबलेट और लैपटॉप की बल्क खरीद पर 65प्रतिशत तक की छूट पाएँ। डेल गेमिंग जी15-5530, इंटेल कोर आई5--13450 एचएक्स प्रोसेसरः इस लैपटॉप की शानदार पोर्टेबिलिटी इसे घर में या यात्रा के दौरान के लिए एक परफेक्ट सहयोगी बनाती है। इसका आकर्षक डिज़ाइन आपके बैग में आसानी से आ जाता है। यह इंटेल कोर आई5 प्रोसेसर, एनवीडिया जीफोर्स आरटीएक्स 3050-6जीबी, 16जीबी रैम, 512 जीबी एसएसडी, 15.6 इंच डिस्प्ले के साथ आता है।

टैरिफ की आशंकाओं के बीच बाजार में गिरावट

■ **पहली तिमाही के नतीजों से सेंटीमेंट में सुधार की उम्मीद**
■ **निवेशक मार्जिन व क्षेत्र की गतिशीलता पर बारीकी से कर रहे निगरानी**

मुंबई, 12 जुलाई (एजेंसियां)। विश्लेषकों ने शनिवार को कहा कि ग्लोबल टैरिफ को लेकर बनी अनिश्चितता और आय सत्र की निराशाजनक शुरुआत के दबाव में, सप्ताह के दौरान बाजार में एक प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई।

हालांकि पहले तीन सत्रों में बाजार का रुख काफी हद तक स्थिर रहा, लेकिन अंतिम सत्रों में मुनाफावसूली की वजह से सूचकांक लाल निशान में आ गए। अंततः, निफ्टी और सेंसेक्स दोनों अपने साप्ताहिक निचले स्तर क्रमशः 25,149.85 और 82,500.47 के आसपास बंद हुए।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (रिसर्च) अजीत मिश्रा के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कनाडा और अन्य प्रमुख साझेदारों पर नए टैरिफ की धमकियों के बाद बढ़े वैश्विक व्यापार तनाव के बीच सेंटीमेंट कमजोर हुआ। उन्होंने कहा कि हालांकि, अमेरिका और भारत के बीच एक अंतरिम व्यापार समझौते की उम्मीदें थीं, लेकिन स्पष्टता की कमी ने जोखिम उठाने की क्षमता को नियंत्रित रखा। इसके अलावा, पहली तिमाही के आय सत्र की

कमजोर शुरुआत खासकर आईटी सेक्टर की प्रमुख कंपनी टीसीएस के उम्मीद से कमतर नतीजों के बाद अंतिम सत्र में बाजारों पर दबाव बढ़ा दिया।

शहरी मांग में सुधार और मार्जिन में सुधार के संकेतों से, एफएमसीजी और विवेकाधीन शेयरों जैसे कंजप्शन-ऑरिएंटेड सेक्टर में चुनिंदा खरीदारी देखी गई। मुद्रास्फीति में कमी, ब्याज दरों में गिरावट और अनुकूल मानसून ने समग्र सकारात्मक रुख को बढ़ावा दिया। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि मौजूदा प्रीमियम वैल्यूएशन को बनाए रखने के लिए कैटेलिस्ट की कमी और एक प्रमुख आईटी कंपनी के निराशाजनक परिणामों के कारण व्यापक सूचकांक नकारात्मक क्षेत्र में फिसल गए, जिससे वित्त वर्ष 2026 के आय अनुमानों को लेकर चिंताएं बढ़ गईं। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के नतीजे के जारी होने के साथ, निवेशक मार्जिन और क्षेत्र की गतिशीलता पर मार्गदर्शन की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं।

आगे देखते हुए, आय सत्र पर पूरा ध्यान केंद्रित होगा। व्यस्त कैलेंडर में एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, विप्रो, जेएसडब्ल्यू स्टील, एलएंडटी फाइनेंस और एचडीएफसी बैंक सहित अन्य कंपनियों के परिणाम शामिल हैं।

मैक्रोइकोनॉमिक फ्रंट पर, पार्टिसिपेंट्स अर्थव्यवस्था पर आगे के संकेतों के लिए 14 जुलाई को निर्धारित थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर बारीकी से नजर रखेंगे। बाजार पर नजर रखने वालों ने कहा कि इसके अलावा, एफआईआई निवेश का रुझान और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी व्यापारियों की नजर में रहेंगे।

वैश्विक स्तर पर, बाजार व्यापार वार्ता और टैरिफ से संबंधित किसी भी अपडेट के साथ-साथ अमेरिकी मुद्रास्फीति और अन्य प्रमुख आर्थिक आंकड़ों पर भी नजर रखेंगे।

मिश्रा ने कहा कि हालिया गिरावट के बाद, हम निकट भविष्य में निफ्टी सूचकांक में नकारात्मक रुझान के साथ एक कंसोलिडेशन फेज की उम्मीद करते हैं। वैश्विक अनिश्चितताओं और उभरते हुए आय सत्र के बीच अस्थिरता बनी रहने की उम्मीद है।

भारत की लाइफ इंश्योरेंस इंडस्ट्री 10-12 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय जीवन बीमा उद्योग ने संशोधित सरेंडर वैल्यू नियमों, कम क्रेडिट लाइफ सेल्स और ग्रुप सिंगल प्रीमियम के प्रभाव के बीच जून में 41,117.1 करोड़ रुपए के नए बिजनेस प्रीमियम रजिस्टर किए। यह जानकारी एक लेटेस्ट रिपोर्ट में दी गई।

केयरएज रेटिंग्स को उम्मीद है कि लाइफ इंश्योरेंस इंडस्ट्री अगले तीन से पांच वर्षों में 10-12 प्रतिशत की दर से बढ़ती रहेगी , जो प्रोडक्ट इनोवेशन के साथ-साथ सहायक नियमों, तेज डिजिटलीकरण, प्रभावी वितरण और बेहतर ग्राहक सेवाओं के कारण संभव होगा। जून में, एनुअल प्रीमियम इक्विवेलेंट (एपीई) में 2.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में हुई 20.0 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में धीमी वृद्धि दर है।

रिपोर्ट के अनुसार, एपीई के संदर्भ में, इंडस्ट्री जून 2023 और जून 2025 के बीच 11.0 प्रतिशत सीएजीआर से बढ़ी। इस अवधि के दौरान, निजी बीमा कंपनियों की वृद्धि दर 15.4 प्रतिशत

रही। केयरएज रेटिंग्स के एसोसिएट डायरेक्टर सौरभ भालेराव ने कहा कि पहली तिमाही आमतौर पर जीवन बीमा क्षेत्र के लिए एक धीमी अवधि होती है, क्योंकि यह वित्त वर्ष के अंत के बाद आती है, जब अधिकांश रिटेल कस्टमर आखिरी समय में जल्दबाजी में पॉलिसी खरीद चुके होते हैं।

वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में तिमाही आधार पर वृद्धि 4.3 प्रतिशत रही है, जबकि एक वर्ष पहले इसी तिमाही में 22.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। इसका मुख्य कारण उपभोक्ता मांग में कमी और संशोधित सरेंडर वैल्यू दिशानिर्देशों का प्रभाव रहा। भालेराव ने कहा कि एलआईसी और निजी कंपनियों ने इंडिविजुअल सिंगल और नॉन-सिंगल प्रीमियम में प्रीमियम वृद्धि दर्ज की है, जो दर्शाता है कि उनके पास एक मजबूत वितरण चैनल है।

पुरानी गाड़ियों में बीएस6 मानक इंजन लगवाना बन सकता है प्रदूषण का समाधान : कपूर

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के प्रयासों के तहत भारत स्टेज 4 (बीएस4) वाहनों पर प्रतिबंध लगाने को लेकर ऑल इंडिया मोटर एंड गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र कपूर ने शनिवार को कहा कि पुरानी गाड़ियों के इंजन को लेकर धुंआ परेशानी बनता है। ऐसे में अगर सब्सिडी देकर बीएस6 मानक इंजन लगवा दिए जाएं तो बाकी की आधी राशि ट्रांसपोर्टर खुद ही भरने को तैयार हो जाएगा।

राजेंद्र कपूर ने कहा कि गाड़ियों की लाइफ 15 साल तक की है और जब रजिस्ट्रेशन के टाइम पर उस पर 15 साल लिखा होता है तो उसे 15 साल तक चलने दिया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि यह हो सकता है कि जिस दिनों में दिल्ली के अंदर प्रदूषण होता है और मानक कहता है की गाड़ियों से प्रदूषण हो रहा है तो उसे उसी समय पर बंद कर देना चाहिए।

कपूर ने अपनी बात पर जोर देते हुए कहा कि 1 नवंबर से दिल्ली सरकार बीएस4 वाली

दिल्ली में गाड़ियों की उम्र 10 वर्ष करना ठीक नहीं है जबकि बाकी राज्यों में गाड़ी की उम्र 15 वर्ष है : राजेंद्र कपूर

गाड़ियों को दिल्ली में बंद कर रही है। गाड़ी को 7 वर्ष इस्तेमाल करने के बाद आदमी सोचता है कि उसमें से कुछ कमाई कर ले हालांकि जब गाड़ी थोड़ी पुरानी होती है तो उसमें लागत भी लगती है ऐसे में ट्रांसपोर्टर के लिए कुछ नहीं बचता है। दिल्ली में 15 वर्ष की जगह गाड़ियों की उम्र 10 वर्ष करना ठीक नहीं है जबकि बाकी राज्यों में गाड़ी की उम्र 15 वर्ष है।

वित्त वर्ष 2026 में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 10 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। आईसीआरए की एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में भारत के घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या में 7-10 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि का अनुमान है। रिपोर्ट में देश के नागरिक उड्डयन क्षेत्र के लिए एक स्थिर दृष्टिकोण रखा गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय विमानन कंपनियों के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या वित्त वर्ष 2026 में 15-20 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है, हालांकि, हालिया भू-राजनीतिक चिंताओं को देखते हुए यह निगरानी योग्य बना हुआ है।

जून 2025 के लिए घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 138.7 लाख अनुमानित है, जो जून 2024 के 132.1 लाख से 5.1 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, क्रमिक आधार पर इसमें 1.3 प्रतिशत की मामूली गिरावट देखी गई। जून 2025 में एयरलाइनों की कैपिसिटी

डिप्लॉयमेंट जून 2024 की तुलना में 4.9 प्रतिशत अधिक थी। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2025) के लिए घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 422.4 लाख थी, जो सालाना आधार पर 5.1 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। मई 2025 के लिए भारतीय वाहकों के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या 29.7 लाख थी, जो सालाना आधार पर 7.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

आईसीआरए की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 के पहले दो महीनों के लिए,

■ **जून 2025 के लिए 138.7 लाख अनुमानित है घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या**

भारतीय वाहकों के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या 59.8 लाख रही, जो सालाना आधार पर 12.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

भारत-पाकिस्तान तनाव के बाद उड़ान रद्द होने और अन्य परिचालन चुनौतियों के कारण पिछले कुछ महीनों में भारतीय विमानन उद्योग की परिचालन लागत में वृद्धि होने की संभावना है। फिर भी, रिपोर्ट में कहा गया है कि अब तक कुल यात्रियों की संख्या और मूल्य निर्धारण स्थिर रहे हैं। भारतीय विमानन उद्योग के बारे में आईसीआरए का दृष्टिकोण स्थिर है। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार, उभरते भू-राजनीतिक और परिचालन संबंधी प्रतिकूल परिस्थितियां पर कड़ी निगरानी की आवश्यकता है।

खेल जगत

ढब मोनाको डायमंड लीग स्टीपलचेज से हुए बाहर

मोनाको, 12 जुलाई (एजेंसियां)। एशियाई खेलों के चैंपियन और दो बार के ओलंपियन अविनाश साबले को शनिवार को मोनाको डायमंड लीग 2025 में पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज दौड़ के शुरुआती दौर में गिरने के बाद दौड़ से हटना पड़ा। स्टेड लुइस द्वितीय स्टेडियम में प्रतिस्पर्धा कर रहे 30 वर्षीय भारतीय एथलीट ने दौड़ शुरू करने के एक मिनट से थोड़ा ज्यादा समय बाद ही पानी में कूदते समय एक अन्य प्रतियोगी का पैर फिसल जाने के कारण लड़खड़ाकर गिर पड़े। इस घटना के कारण सेबल को घायल अवस्था में ट्रैक से बाहर निकलना पड़ा और वह लंगड़ाते हुए ट्रैक से बाहर चले गए, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें दौड़ पूरी नहीं करने (डीएनएफ) का सामना करना पड़ा। उन्हें सहारा देकर स्थानीय चिकित्सा केंद्र ले जाया गया। चोट की गंभीरता का पता नहीं चल पाया है।

लॉर्ड्स टेस्ट : केएल राहुल का शतक, भारत 254 पर चार

लॉर्ड्स, 12 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन के प्रथम सत्र की समाप्ति पर भारतीय टीम ने 4 विकेट के नुकसान पर 248 रन बना लिए हैं। केएल राहुल ने धैर्यपूर्वक बल्लेबाजी करते हुए अपना शतक लगा दिया है।

भारतीय टीम ने तीसरे दिन का खेल तीन विकेट पर 145 रन से शुरू किया। राहुल और पंत ने पहला सत्र बेहतरीन तरीके से खेला। दोनों ने रन भी बनाए और विकेट भी बचाया। लेकिन सत्र के आखिरी ओवर में दोनों बल्लेबाजों के बीच गलतफहमी हो गई, जिसका खामियाजा पंत को रन आउट के रूप में भुगतना पड़ा। अंगुली की चोट से जूझ रहे पंत ने इस बार भी बढ़िया पारी खेली। उन्होंने 112 गेंद में 2 छक्के और 8 चौके की मदद से 74 रन बनाए। पंत ने चौथे विकेट के लिए राहुल के साथ 141 रन की अहम साझेदारी की। लंच तक केएल राहुल 171 गेंद पर 98 रन बनाकर नाबाद थे। उन्होंने दूसरे सेशन की शुरुआत में आर्चर की गेंद पर अपना शतक पूरा किया। राहुल ने 176 गेंदों पर 13 चौकों की मदद से यह पारी खेली। यह टेस्ट क्रिकेट में राहुल का 10वां और इस दौरे का दूसरा शतक है। राहुल दूसरे दिन के आखिरी सत्र से बल्लेबाजी कर रहे हैं। अपनी बल्लेबाजी के दौरान राहुल ने धैर्य और संयम का परिचय दिया है और एक छोर को मजबूती से संभालकर रखा है। भारत को अगर पहली पारी में इंग्लैंड पर बढ़त बनानी है, तो राहुल बड़ी शतकीय पारी खेलनी होगी। खबर लिखे जाने तक रवींद्र जडेजा चार रन के निजी स्कोर पर राहुल का साथ दे रहे थे। इससे पहले, भारतीय टीम ने दूसरे दिन स्टंप्स तक तीन विकेट पर 145 रन बना लिए थे। दूसरे दिन के आखिरी सत्र में यशस्वी जायसवाल 13, करुण नायर 40 और शुभमन गिल 16 रन बनाकर आउट हुए थे। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 387 रन बनाए थे। जो रूट ने 104 रन की पारी खेली थी। इसके अलावा जेमी स्मिथ ने 51 और ब्रायडन कार्स ने 56 रन बनाए थे।

नियंत्रण में दिखे केएल राहुल रवैया बेहद सटीक था : कुंबले

लंदन। भारत के दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले ने लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट मैच में शानदार बल्लेबाजी के लिए सलामी बल्लेबाज केएल राहुल के 'बेहतरीन रवैये' को सराहा है। जोफ्रा आर्चर की अगुवाई वाले तेज गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ केएल राहुल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए दूसरे दिन के खेल तक नाबाद अर्धशतक जड़ा। अनिल कुंबले ने जियो-हॉटस्टार के 'मैच सेंटर लाइव' पर कहा कि यह शानदार था। केएल राहुल की एक खास पारी, जिसमें उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ी। जोफ्रा आर्चर ने जबरदस्त गेंदबाजी की। खासकर पहला स्पैल, जहां उन्होंने 150 किमी प्रति घंटा से ज्यादा की रफ्तार के साथ गेंदबाजी की। अनिल कुंबले ने आगे कहा कि केएल राहुल ने आर्चर का बखूबी सामना किया। उनका अंदाज बेहद सटीक था। केएल राहुल नियंत्रण में नजर आए। यह एक बहुत ही अनुशासित और परिपक्व पारी थी। मुझे यकीन है कि केएल राहुल अपने खेल से संतुष्ट होंगे। अनिल कुंबले के अलावा इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज जोनाथन ट्रॉट ने भी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में केएल राहुल की सोच-समझकर खेली गई पारी को सराहा है। जोनाथन ट्रॉट ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि आप इस पिच पर गेंदबाजों को अपने अनुसार खेल सकते हैं।

शुभमन गिल ने बदली हुई ड्यूक्स गेंद से जताई नाराजगी

■ क्रिकेट गेंद बिल्कुल एक विकेटकीपर की तरह होती है जिसकी चर्चा बहुत ही कम की जाती है

लंदन, 12 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड में एक बार फिर ड्यूक्स गेंद चर्चाओं के केंद्र में बनी हुई है, एक बार फिर भारत के दूसरी गेंद लेने के बस 10.3 ओवर बाद ही गेंद ने अपना शेप खो दिया था। जिसके बाद दूसरे दिन सुबह उसे फिर बदला गया।

बदली हुई गेंद से अंतर साफ दिख रहा था, दूसरी नई गेंद से जसप्रीत बुमराह ने कहर बरपाते हुए 14 गेंदों के अंदर तीन विकेट ले लिए थे, लेकिन इसके बाद पूरे सत्र में फिर भारत को विकेट नहीं मिली थी।

दूसरी नई गेंद 1.869 डिग्री पर स्विंग हो रही थी जबकि औसतन वह गेंद 0.594 डिग्री पर सीम हो रही थी। लेकिन जब दूसरी नई गेंद को बदला गया तो वह 0.855 डिग्री पर स्विंग हो रही थी और औसतन 0.594 डिग्री ही सीम कर रही थी। जाहिर है इसके बाद भारतीय टीम और कप्तान का गुस्सा बढ़ता जा रहा था। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने ब्रॉडकास्ट चैनल के साथ-साथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी गेंद को लेकर अपनी नाराजगी ज़ाहिर की। ब्रॉड के मुताबिक बदली हुई गेंद देखने में 18-20 ओवर पुरानी दिख रही थी। क्रिकेट गेंद बिल्कुल एक विकेटकीपर की तरह होती है जिसकी चर्चा बहुत ही कम की जाती है। लेकिन यहां हम गेंद की लगातार बात कर रहे हैं कि क्योंकि ये एक समस्या बनती जा रही है और हर पारी में करीब-करीब बदली जा रही है। जो कहीं से भी जायज नहीं है, मुझे लगता है पांच सालों से मैं देख रहा हूं कि ड्यूक्स गेंद में समस्या है। जिसे सही करने की जरूरत है, एक गेंद को 80 ओवर चलना चाहिए न कि सिर्फ 10 ओवर। एक और पूर्व इंग्लिश कप्तान नासिर हुसैन ने भी कहा कि ड्यूक्स गेंद के साथ गंभीर समस्या है। लेकिन साथ ही साथ उन्होंने कहा कि गेंदबाज चाहते हैं कि गेंद बिल्कुल परफेक्ट हो और तभी बार-बार गेंद बदल दी जाती है। ये भी देखिए कि पहला घंटा बुमराह को खेल पाना बेहद कठिन था। और तभी मैंने देखा कि वे लोग गेंद बदल रहे हैं, मैं ये देखकर हैरान था कि गेंद से जब इतनी मदद मिल रही है तो फिर बदलने की क्या जरूरत। भले ही वह देखने में कैसी लग रही है, शेप कैसा है, इससे क्या मतलब जब गेंदबाज को मदद मिल रही हो ? मुझे लगता है उस समय गेंद को बदलने की मांग करना ही हैरान करने वाला फैसला था।

भारत 'ए' पुरुष हॉकी टीम ने फ्रांस को हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की

आइंडहोवन, 12 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ए पुरुष हॉकी टीम ने यूरोप दौरे पर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए अपने तीसरे मुकाबले में फ्रांस को 3-2 से हराकर अपनी लगातार तीसरी जीत दर्ज की। आइंडहोवन के हॉकी क्लब ओरांजे-रूड में खेले गये मुकाबले में आज भारत ए पुरुष हॉकी टीम के लिए फॉरवर्ड आदित्य अर्जुन लालगे ने दो गोल किए, उनके साथी बॉबी सिंह धामी ने भी गोल किया। आदित्य अर्जुन लालगे ने पहला गोल किया, जिसके बाद उन्होंने एक पेनल्टी कॉर्नर को भी गोल में बदला। बॉबी सिंह धामी ने भारत के लिए तीसरा गोल किया और जीत हासिल की।

वहीं, फ्रांस के लिए दोनों गोल क्लेमेंट की ओर किये गये। जीत के बाद भारत ए टीम के कोच शिवेंद्र सिंह ने कहा कि भारत ए पुरुष हॉकी टीम इस दौरे की तैयारी में पर्दे के पीछे कड़ी मेहनत कर रही है और यह देखकर बहुत अच्छा लग रहा है कि मैदान पर भी सब कुछ ठीक चल रहा है। इस दौरे पर हमें कुछ और मैच खेलने हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि टीम अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखेगी और अपनी लय बनाए रखेगी। भारत ए पुरुष हॉकी टीम रविवार को फ्रांस से भिड़ेगी। भारत ए पुरुष हॉकी टीम को अपने यूरोप दौरे में कुल पांच मैच और खेलने हैं।

टेलर फ्रिट्ज को हराकर फाइनल में पहुंचे कार्लोस अल्काराज

■ हार के साथ ही फ्रिट्ज का विंबलडन फाइनल खेलने का सपना टूटा

लंदन, 12 जुलाई (एजेंसियां)। कार्लोस अल्काराज ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में टेलर फ्रिट्ज को चार सेटों तक चले रोमांचक मुकाबले में 6-4, 5-7, 6-3, 7-6 (6) से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। स्पेन के कार्लोस अल्काराज को पांचवीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी फ्रिट्ज ने कड़ी टक्कर दी। लेकिन, अंत में अल्काराज ने मैच अपने नाम कर लिया। हार के साथ ही फ्रिट्ज का विंबलडन फाइनल खेलने का सपना टूट गया। 2009 में एंडी रोडिक आखिरी अमेरिकी खिलाड़ी थे, जो इस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचे थे। दूसरी वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज ने शुक्रवार को टेलर फ्रिट्ज को 6-4, 5-7, 6-3, 7-6 (6) से हराया। यह उनकी लगातार 24वीं जीत है। पहला सेट अल्काराज ने जीता, और दूसरा सेट फ्रिट्ज ने

वीनस विलियम्स ने वाशिंगटन का निमंत्रण स्वीकार किया

वाशिंगटन। सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वीनस विलियम्स ने वाशिंगटन ओपन के लिए वाइल्डकार्ड स्वीकार कर लिया है जो 16 महीनों में उनका पहला प्रतिस्पर्धी मैच होगा। 45 वर्षीय खिलाड़ी ने मार्च 2024 में मियामी ओपन के बाद से कोई प्रतिस्पर्धा नहीं की है और उन्होंने आखिरी बार अगस्त 2023 में सिनसिनाटी ओपन में एक मैच जीता था। पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी वर्तमान में डब्ल्यूटीए वेबसाइट पर 'निष्क्रिय' के रूप में सूचीबद्ध हैं, जिसका अर्थ है कि उनकी कोई रैंकिंग नहीं है। विलियम्स ने एक बयान में कहा कि डीसी के बारे में कुछ खास है - ऊर्जा, प्रशंसक, इतिहास।इस शहर ने हमेशा मुझे बहुत प्यार दिया है और मैं वहां फिर से प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्सुक हूं।वाशिंगटन ओपन - एक डब्ल्यूटीए 500 इवेंट - 21 जुलाई से शुरू हो रहा है।

अल्काराज की कभी हार न मानने वाली मानसिकता, सच्चे चैम्पियन की पहचान : सचिन तेंदुलकर

लंदन। इंग्लैंड पर इस समय पूरी दुनिया की नजर है। भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के साथ-साथ, वहां विंबलडन भी जारी है। विंबलडन का आनंद लेने के लिए तमाम दिग्गज क्रिकेटर्स टेनिस कोर्ट पहुंच रहे हैं। शुक्रवार को महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भी कार्लोस अल्काराज और टेलर फ्रिट्ज के बीच खेला गया सेमीफाइनल मैच देखा। मैच के बाद सचिन ने जियोहॉटस्टार से बात करते हुए कहा कि मैं जॉन मैकेनरो का प्रशंसक रहा हूं। मुझे याद है, मेरे सभी दोस्त ब्योर्न बोर्ग का समर्थन करते थे, लेकिन किसी वजह से, मैं हमेशा मैकेनरो का समर्थन करता था। मैं उनकी तरह हेडबैंड भी पहनता था, इस उम्मीद में कि जब मैं अपने दोस्तों के साथ रहूंगा तो लोग मुझे मैकेनरो कहेंगे। उन्होंने कहा कि बाद के वर्षों में मुझे रोजर फेडरर ने बहुत प्रभावित किया।

पिछले 15 साल में तीनों फॉर्मेट में कोहली जैसा खिलाड़ी नहीं आया : केन विलियमसन

भारत जैसे क्रिकेट के दीवाने देश में करोड़ों लोगों की उम्मीदों की चुनौतियों का सामना करते हुए, जिस तरह उन्होंने बल्लेबाजी की है, वह उन्हें बल्लेबाजों की सूची में सबसे ऊपर रखता है : केन विलियमसन

लंदन, 12 जुलाई (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन ने विराट कोहली की जमकर तारीफ की है। विलियमसन ने कहा कि पिछले 15 साल में तीनों फॉर्मेट में विराट कोहली जैसा महान खिलाड़ी नहीं आया। विलियमसन ने कहा कि विराट शायद पिछले 15 सालों में सभी प्रारूपों में सबसे महान खिलाड़ी हैं। भारत जैसे क्रिकेट के दीवाने देश में करोड़ों लोगों की उम्मीदों की चुनौतियों का सामना करते हुए, जिस तरह उन्होंने बल्लेबाजी की है, वह उन्हें बल्लेबाजों की सूची में सबसे ऊपर रखता है। स्काई स्पोर्ट्स से बात करते हुए विलियमसन ने विराट कोहली के साथ अपनी दोस्ती स्वीकारी। उन्होंने कहा कि मिडलसेक्स के साथ अपने करार की वजह से मैं इंग्लैंड में हूं। कोहली भी परिवार के साथ यहीं रहते हैं, हमारी मुलाकात हुई है। उन्होंने कहा कि हमने न केवल साथ क्रिकेट खेला है, बल्कि अपने जीवन के एक बड़े हिस्से को किसी न किसी तरह से समानांतर तरीके से जिया है। एक ही समय पर पिता बनना हो या उम्र बढ़ने के साथ अलग-अलग चीजों का अनुभव करना हो। हम अलग-अलग स्तर पर एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। विराट कोहली, केन विलियमसन, स्टीव स्मिथ और जो रूट आधुनिक समय के बेहतरीन बल्लेबाज माने जाते हैं। चारों ने एक दशक से अधिक समय तक क्रिकेट की दुनिया पर राज किया। विराट अब टी20 और टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं, तो ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ वनडे क्रिकेट को अलविदा कह चुके हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज से बाहर पैट कमिंस

किंग्स्टन, 12 जुलाई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस अगले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज में नहीं खेलेंगे। तेज गेंदबाज का फोकस इस साल के अंत में होने वाली एशेज सीरीज की तैयारी पर है। पैट कमिंस को पहले ही मिचेल स्टार्क और ट्रेविस हेड के साथ वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में आराम दिया गया था। कमिंस गर्मियों में घरेलू मुकाबलों की तैयारी के लिए फिटनेस पर फोकस करेंगे। वहीं, जोश हेजलवुड पहले टीम में शामिल थे, लेकिन अब वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद वह स्वदेश लौटेंगे। उनकी जगह जेवियर बार्टलेट को टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, जोश हेजलवुड अगस्त में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में खेलने के लिए तैयार हैं। दोनों देश 10-24 अगस्त के बीच तीन टी20 और इतने ही मुकाबलों की वनडे सीरीज खेलेंगे। यह मैच डार्विन, केर्न्स और मैके में आयोजित होंगे।

भारत की अंडर-20 महिला टीम आज उज्बेकिस्तान के साथ पहला मैत्री मुकाबला खेलेगी

■ क्वालीफायर में भारतीय टीम का मुकाबला इंडोनेशिया, तुर्कमेनिस्तान और मेजबान म्यांमार से होगा

ताशकंद, 12 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की अंडर-20 महिला फुटबॉल टीम रविवार को उज्बेकिस्तान के साथ अपना पहला मैत्री मुकाबला खेलेगी। भारतीय टीम यहां उज्बेकस्तान के साथ दो मैत्री मैच खेलेंगी। पहला मैच 13 जुलाई को डू' स्टलिक स्टेडियम में भारतीय समयानुसार साढ़े आठ बजे से खेला जाएगा। बेंगलुरु के पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में प्रशिक्षण के बाद भारतीय टीम शुक्रवार सुबह उज्बेकिस्तान की राजधानी पहुंची और शाम को जिम में अभ्यास किया। कल होने वाले मैच से पहले आज शाम टीम ने अभ्यास किया। भारतीय टीम इन मैत्री मैचों का उपयोग अगले महीने होने वाले एएफसी अंडर-20 महिला एशिया कप क्वालीफायर की तैयारी के लिए कर रही है। क्वालीफायर में भारतीय टीम का मुकाबला इंडोनेशिया, तुर्कमेनिस्तान और मेजबान म्यांमार से होगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच जोआकिम एलेक्जेडरसन ने कहा कि हम एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी का सामना करना चाहते थे ताकि हमें अंदाजा हो सके कि एशियाई क्वालीफायर में हमारा क्या अभ्यास है। हम यह भी आकलन करना चाहते हैं कि सभी खिलाड़ी ऐसे मैचों में अपनी भूमिका कैसे निभाते हैं, खासकर जब हम क्वालीफायर के लिए टीम को अंतिम रूप देने के करीब पहुंच रहे हैं। यह हमें न केवल मैदान पर बल्कि यात्रा करने और विभिन्न परिस्थितियों के अनुकूल होने का भी बहुमूल्य अनुभव प्राप्त करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि ताशकंद का मौसम अभी तक बेंगलुरु जैसा ही है, इसलिए इस मोर्चे पर कोई समस्या नहीं है।

सार संक्षेप

एआईएफएफ फुट्सल क्लब चैंपियनशिप 2024-25 तीन अगस्त से

नई दिल्ली। एआईएफएफ फुटसल क्लब चैंपियनशिप 2024-25, तीन से 18 अगस्त तक उत्तराखंड के रुद्रपुर स्थित श्री मनोज सरकार स्टेडियम - शिवालिक हॉल में आयोजित की जाएगी।देश के सर्वोच्च स्तर के फुटसल टूर्नामेंट के चौथे संस्करण में 17 क्लब ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।टीमों को चार समूहों में बांटा गया है - तीन में चार टीमें और एक में पांच टीमें। प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। उत्तराखंड की टीम कॉर्बेट एफसी गत विजेता है, जिसने वडोदरा में 2023-24 के फाइनल में गोलाजो एफसी को 3-2 से हराया था। उनका लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर खिताब बरकरार रखना और एक से ज्यादा बार टूर्नामेंट जीतने वाला पहला क्लब बनना होगा। दिल्ली एफसी ने 2021-22 में पहला संस्करण जीता था, उसके बाद मिनर्वा अकादमी एफसी ने 2022-23 में खिताब जीता था।

लिवरपूल ने जोटा की 'जर्सी नंबर 20' को रिटायर किया

लिवरपूल। लिवरपूल ने डियोगो जोटा के सम्मान में सभी स्तरों पर 'जर्सी नंबर 20' को रिटायर करने का ऐलान किया है। 28 वर्षीय डियोगो जोटा ने तीन जुलाई को कार दुर्घटना में अपनी जान गंवाई थी। प्रीमियर लीग चैम्पियन ने बयान में कहा, इस जर्सी नंबर को उन्होंने गर्व के साथ पहनकर हमें अनगिनत जीत दिलाईं। डियोगो जोटा हमेशा लिवरपूल फुटबॉल क्लब के 'नंबर 20' रहेंगे। यह कदम न केवल बीते पांच वर्षों में रेड्स की मैदान पर सफलताओं में पुर्तगाल के हमारे इस खिलाड़ी के अथाह योगदान को दर्शाता है, बल्कि साथियों, सहकर्मियों और समर्थकों पर उनके गहरे प्रभाव को भी साबित करता है। स्पेन के जमोरा प्रांत में हुए कार हादसे में जोटा के साथ उनके भाई आंद्रे सिल्वा भी अपनी जान गंवा बैठे थे। स्पेनिश पुलिस के अनुसार, तेज गति से गाड़ी चलाते समय जोटा की कार सड़क से उतर गई और टायर फटने के बाद गाड़ी में आग लग गई।

ओडिशा और झारखंड के बीच होगी खिताबी भिड़ंत

रांची। 15वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 के शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में ओडिशा और झारखंड ने जीत दर्ज कर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। झारखंड के रांची स्थित मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में खेले गए पहले सेमीफाइनल मैच में ओडिशा ने हरियाणा को 1-0 से हराया। ओडिशा की ओर से सुदीपा बा (45वें मिनट) में खेल का निर्णायक गोल दागा। दूसरे सेमीफाइनल मैच में झारखंड ने मिजोरम को 1-0 से हराया। झारखंड के लिए जिरन सोय मुंडा (26वें मिनट) ने मैच का निर्णायक गोल दागकर हॉकी झारखंड के लिए फाइनल में ओडिशा से मुकाबला करने का रास्ता साफ कर दिया। फाइनल मुकाबला सोमवार को खेला जायेगा। तीसरे और चौथे स्थान के लिए हरियाणा बनाम मिजोरम के बीच भिड़ंत होगी।

ऑस्ट्रेलिया बनाम वेस्टइंडीज : सम्मान बचाने उतरेगी कैरेबियाई टीम

■ हेड सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच शनिवार देर रात तीसरे टेस्ट मैच की शुरुआत होने जा रही है। ऑस्ट्रेलिया तीन मुकाबलों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना चुका है। ऐसे में जमैका में खेला जाने वाला सीरीज का यह अंतिम टेस्ट मैच मेजबान टीम के लिए सम्मान की लड़ाई होगा। यह 'पिंक बॉल टेस्ट' मैच है, जो भारतीय समयानुसार शनिवार देर रात शुरू होगा। गुलाबी गेंद टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा रहा है। ऐसे में कैरेबियाई टीम के सामने बड़ी चुनौती है। इससे पहले, ऑस्ट्रेलियाई टीम ने बारबाडोस में खेले गए पहले टेस्ट को 159 रन से अपने नाम किया था। ग्रेनेडा में खेले गए दूसरे मुकाबले को 133 रन से जीतकर सीरीज पर कब्जा कर लिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से इस सीरीज में ट्रेविस हेड ने चमक बिखेरी है, जिन्होंने चार पारियों में 47 की औसत के साथ 188 रन बनाए हैं। हेड सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। हेड के अलावा एलेक्स कैरी, उस्मान ख्वाजा और बीयू वेबस्टर वेस्टइंडीज के गेंदबाजों को परेशान कर सकते हैं। इनके अलावा पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन टीम की गेंदबाजी को मजबूती देते हैं। वहीं, वेस्टइंडीज के खेमे को देखें, तो ब्रैंडन किंग, शमर जोसेफ, रोस्टन चेज और शाई होप के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को विशेष रणनीति के साथ उतरना होगा। गेंदबाजी में मेजबान टीम के पास शमार जोसेफ जैसे तेज गेंदबाज हैं, जिन्होंने सीरीज में अब तक 14 विकेट चटकाए हैं। इनके अलावा जायडेन सील्स और अल्जारी जोसेफ भी ऑस्ट्रेलिया के लिए खतरा बन सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच साल 1930 से अब तक कुल 122 टेस्ट मैच खेले गए हैं, जिसमें ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी रहा है। इस टीम ने 63 मुकाबले अपने नाम किए, जबकि वेस्टइंडीज ने 33 मैच जीते हैं। दोनों देशों के बीच 25 टेस्ट ड्रॉ, जबकि एक मैच टाई रहा है। सबीना पार्क की पिच स्लो रह सकती है। यहां गेंदें नीची रहेंगी, जिससे बल्लेबाजों को मदद मिलेगी। इस मैच के दौरान सबसे बड़ी चुनौती नई ड्यूक्स गेंद से निपटना होगा। यहां मुकाबले की शुरुआत में तेज गेंदबाज सीम मूवमेंट और स्विंग हासिल कर सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 टीम में किए बदलाव

किंग्स्टन। ऑस्ट्रेलिया ने 21 जुलाई से वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए अपनी 16 सदस्यीय टीम में बदलाव करते हुए स्पेंसर जॉनसन और जोश हेजलवुड की जगह क्रमशः सलामी बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क और तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट को शामिल किया है। राष्ट्रीय अनुबंध से चूकने के बाद, फ्रेजर-मैकगर्क अपनी शानदार फॉर्म को पीछे छोड़कर कैरेबियाई सरजमीं पर खेल के सबसे छोटे प्रारूप में वापसी करना चाहेंगे। हेजलवुड अगले महीने दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला की तैयारी के लिए स्वदेश लौटेंगे, जबकि जॉनसन अभी अपनी पीठ की चोट से उबर नहीं पाए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने अपने पिछले 14 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से 12 जीते हैं और अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्वकप से पहले अपनी जीत का सिलसिला जारी रखने की उम्मीद करेगा। शानदार फॉर्म में चल रहे ऑस्ट्रेलिया के टी-20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान मिशेल मार्श टीम की अगुवाई करेंगे, क्योंकि पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क और ट्रैविस हेड जैसे प्रमुख खिलाड़ी वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला जीतने के बाद स्वदेश लौट जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगा। दो मैच किंग्स्टन में और शेष मैच बैसेटेरे में होंगे। बदलाव के बाद ऑस्ट्रेलिया टी-20:- मिशेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, कूपर कोनोली, टिम डेविड, बेन ड्वार्शुइस, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, आरोन हार्डी, जेवियर बार्टलेट, जोश इंगलिस, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, मैट कुहनेमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मिच ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट और एडम जम्पा।